संस्थापक : स्व. श्री वीर विक्रम आदित्य

स्थापना वर्ष : 2002

हिन्द जनपथ

पंचकूला
शुक्रवार
31 अक्तूबर, 2025
वर्ष:24 अंक: 127
कुल पृष्ठ:08
मूल्य : 1 रुपया

खबरें छापते हैं छुपाते नहीं | दैनिक प्रभात संस्करण हरियाणा, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड एवं उत्तर प्रदेश से एक साथ प्रकाशित। | www.hindjanpath.com

हरियाणा राज्य स्तरीय ऊर्जा संरक्षण पुरस्कार समारोह में उत्कृष्ट संस्थानों को किया गया सम्मानित

पेज-8

गोपाष्टमी: गौशालाओं को आत्मनिर्भर बनाने के प्रयास में सहभागी बने आमजन मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी

करनाल की श्री कृष्ण गौशाला में आयोजित गोपाष्टमी कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि पहुंचे मुख्यमंत्री

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा है कि गायों की सुरक्षा के लिए गौ भक्तों को जन जागरण चलाना होगा। गौ सेवा सबका नैतिक दायित्व है। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे गायों को सड़कों पर न छोड़ें और गौशालाओं को आत्मनिर्भर बनाने के प्रयासों में सहभागी बनें। गोबर व गौमूत्र से बने उत्पादों का उपयोग करें। उन्होंने श्री कृष्ण गौशाला, करनाल को अपने ऐच्छिक कोष से 21 लाख रुपये देने की घोषणा भी की।

मुख्यमंत्री गुरुवार को श्री कृष्ण गौशाला में आयोजित गोपाष्टमी महोत्सव में बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे। इससे पहले उन्होंने गौशाला में गायों की पूजा की, गायों को चारा खिलाया और यहां बने चिकित्सालय का दौरा कर गौवंश के लिए उपलब्ध कराई जा रही सेवाओं का जायजा लिया। मुख्यमंत्री ने गोपाष्टमी की बधाई देते हुए कहा कि यह भारतीय सनातन जीवन का पवित्र दिन है जो हमें संस्कृति, भाईचारे और प्रेम भाव से जोड़ता है। यह केवल पर्व नहीं बल्कि करूणा, सेवा और कर्तव्य बोध का प्रतीक है।

गौमाता का सामाजिक और आध्यात्मिक महत्व

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि गौ माता का जहां सामाजिक और आध्यात्मिक महत्त्व है वहीं इसका संबंध गोधन से भी रहा है। प्राचीन समय में जिसके पास जितनी अधिक गायें होती थीं उसे उतना ही अधिक समृद्ध माना जाता था। पौराणिक कथाओं के अनुसार देवी-देवताओं और असुरों के बीच हुए समुद्र मंथन से निकले 14 रत्नों में एक कामधेनु गाय थी। एक कथा अनुसार भगवान श्रीकृष्ण ने गौ-गोपियों के लिए जब गोवर्धन पर्वत धारण किया तब आठवें दिन इंद्र देवता भगवान श्रीकृष्ण की शरण में आए। उन्होंने कामधेनु श्रीकृष्ण का अभिषेक किया और उनका नाम गोविंद रखा। तभी से अष्टमी को गोपाष्टमी के रूप में मनाया जाता है।

गाय का दूध फायदेमंद

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि गाय को आध्यात्मिक और दिव्य गुणों का स्वामी भी कहा जाता है। गाय को माता का दर्जा दिया गया है। उसका दूध अमृत के समान माना जाता है। उन्होंने कहा कि वैज्ञानिकों द्वारा किए गए शोध से यह साबित हुआ है देसी गाय का दूध कई रोगों में काफी फायदेमंद है। यह मां के दूध के समान गुणकारी माना जाता है।

संवर्धन व संरक्षण के लिए उठाए कई कदम

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि सरकार ने गौशालाओं के विकास, गौवंश के संरक्षण और प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के लिए अनेक कदम उठाए हैं। 11 साल पहले गौ सेवा आयोग को मात्र 2 करोड़ की ग्रांट दी जाती थी, लेकिन भाजपा सरकार ने सत्ता में आने के बाद इसमें लगातार वृद्धि की। गायों के संरक्षण व उनके संवर्धन के लिए सरकार ने बजट 600 करोड़ कर दिया है। उन्होंने ने बताया कि प्रदेश में 2014 में 215 पंजीकृत गौशालाओं में 1.75 लाख गौवंश था लेकिन आज 686 गौशालाओं में 4 लाख से अधिक गौवंश है। गौशालाओं के लिए 800 ई-रिक्शा खरीदने की प्रक्रिया जारी है। गौशालाओं को 2 रुपये प्रति यूनिट बिजली उपलब्ध कराई जा रही है। गौशालाओं के लिए जमीन की रजिस्ट्री करवाने की स्टांप ड्यूटी खत्म कर दी गई है।

गौशालाओं में शेड निर्माण जारी

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने बताया कि गायों की जांच के लिए जिन गौशालाओं में 3 हजार से अधिक गौवंश हैं वहां सप्ताह में एक दिन पशु चिकित्सक और इससे कम संख्या वाली गौशालाओं में वीएलडीए की ड्यूटी लगाई गई है। इतना ही नहीं मोबाइल पशु चिकित्सालय की सेवाएं भी गौशालाओं के लिए उपलब्ध कराई गई है।

मोटी-मोटी बातें

पीएम मोदी बोले- छठ पूरे विश्व में आस्था का प्रतीक, कांग्रेस-राजद कर रहे अपमान

मुजफ्फरपुर (बिहार): प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वीरवार को बिहार के मुजफ्फरपुर में चुनावी सभा को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार छठ महापर्व को यूनेस्को की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत सूची में शामिल कराने के लिए प्रयासरत है। उन्होंने कहा कि छठ न केवल बिहार, बल्कि पूरे विश्व में भारतीय आस्था और संस्कार का प्रतीक बन चुका है।

इस दौरान प्रधानमंत्री ने कांग्रेस और राष्ट्रीय जनता दल (राजद) पर तीखा प्रहार किया। उन्होंने आरोप लगाया कि ये दल वोट की राजनीति के लिए 'छठी मइया' का अपमान कर रहे हैं। मोदी ने कहा, "कांग्रेस-राजद नेताओं के लिए छठ पूजा केवल एक नाटक है। बिहार की जनता अपने विश्वास के इस अपमान को कभी नहीं भूलेगी।"

रूस से तेल आयात कम करने के मुद्दे पर भारत का रुख रहा बहुत अच्छा, बोले ट्रंप

न्यूयॉर्क- अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि रूस से तेल आयात कम करने के मुद्दे पर भारत का रुख बहुत अच्छा रहा है। उन्होंने अपने इस दावे को दोहराया कि मॉस्को से अपनी ऊर्जा खरीद में भारत उल्लेखनीय कमी लाएगा।

ट्रंप बुसान में चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग के साथ शिखर बैठक के बाद वाशिंगटन लौटते समय एयरफोर्स वन विमान में बातचीत कर रहे थे। उनसे रूसी तेल खरीद के बारे में पूछा गया। ट्रंप ने कहा कि शी लंबे समय से रूस से तेल खरीद रहे हैं। यह चीन के एक बड़े हिस्से की देखभाल करता है। और, आप जानते हैं, मैं कह सकता हूं कि भारत इस मोर्चे पर बहुत अच्छा रहा है।

हालांकि हमने तेल पर अधिक चर्चा नहीं की। हमने साथ मिलकर काम करने पर चर्चा की, ताकि देखा जा सके कि क्या हम उस युद्ध को खत्म कर सकते हैं। ट्रंप पिछले कुछ दिनों से दावा करते रहे हैं कि दिल्ली ने उन्हें आश्वासन दिया है कि वह रूस से अपने तेल आयात में उल्लेखनीय कमी लाएगी। पिछले सप्ताह ट्रंप ने अपने इस दावे को दोहराया कि भारत रूस से तेल खरीदना बंद करने पर सहमत हो गया है। वर्ष के अंत तक वह इसे लगभग शून्य पर ले आएगा। विदेश मंत्रालय ने कहा है कि भारत तेल और गैस का एक महत्वपूर्ण आयातक है।

पवई इलाके में 17 बच्चों को बनाया गया बंधक, वेब सीरीज 'ऑडिशन' के लिए था बुलाया; पुलिस मुठभेड़ में ढेर आरोपी आर्य

मुंबई- मुंबई के पवई इलाके में एक स्टूडियो के अंदर 17 बच्चों और दो व्यक्तियों को बंधक बनाने का आरोपी बंधकों को मुक्त कराने के लिए चलाए गए अभियान के दौरान पुलिस गोलीबारी में मारा गया। बच्चों को बंधक बनाने के आरोपी की पहचान रोहित आर्य के रूप में हुई।

संयुक्त पुलिस आयुक्त (कानून-व्यवस्था) सत्यनारायण ने कहा कि सभी बच्चे सुरक्षित हैं। उन्हें उनके अभिभावकों को सौंप दिया गया है। आज दोपहर एलएंडटी बिल्डिंग के पास आर ए स्टूडियो में एक घंटे

से ज्यादा समय तक नाटकीय स्थिति बनी रही। आर्य ने लगभग 15 वर्ष की आयु के लड़कों और लड़कियों को एक वेब सीरीज के 'ऑडिशन' के लिए बुलाया था। आर्य के पास एक 'एयर गन' और कुछ रसायन भी थे।

पुलिस उपायुक्त दत्ता नलावडे ने बताया कि पुलिस को दोपहर करीब एक बजकर 45 मिनट पर सूचना मिली कि महावीर क्लासिक बिल्डिंग में आर ए स्टूडियो के अंदर एक व्यक्ति ने बच्चों को बंधक बना लिया है। पवई पुलिस के अधिकारी त्वरित प्रतिक्रिया दल (क्यूआरटी), बम निरोधक दस्ते और दमकल विभाग की एक टीम के साथ मौके पर पहुंचे।

चंबा में खाई में गिरा वाहन, विवाह समारोह से लौट रहे तीन लोगों की मौत, दो गंभीर

हिन्द जनपथ
शिमला (ब्यूरो)। हिमाचल प्रदेश में चंबा जिले के चुराह विधानसभा क्षेत्र में एक वाहन के 200 मीटर गहरी खाई में गिर जाने से उसमें सवार तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई और दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए।

हादसा बुधवार देर शाम देवीकोटी-टेपा मार्ग पर हुआ, वाहन में सवार लोग एक विवाह समारोह से लौट रहे थे। मृतकों की पहचान वाहन चालक राजिंदर कुमार, पम्मी कुमार और सचिन के रूप में हुई है। दो घायलों अमर सिंह और धर्म सिंह को तीसा के सिविल अस्पताल से चंबा के मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया है। ये पांचों लोग चंबा से हैं। जैसे ही स्थानीय लोगों को दुर्घटना की खबर मिली, वे बचाव कार्य में जुट गए और पुलिस को सूचित किया।

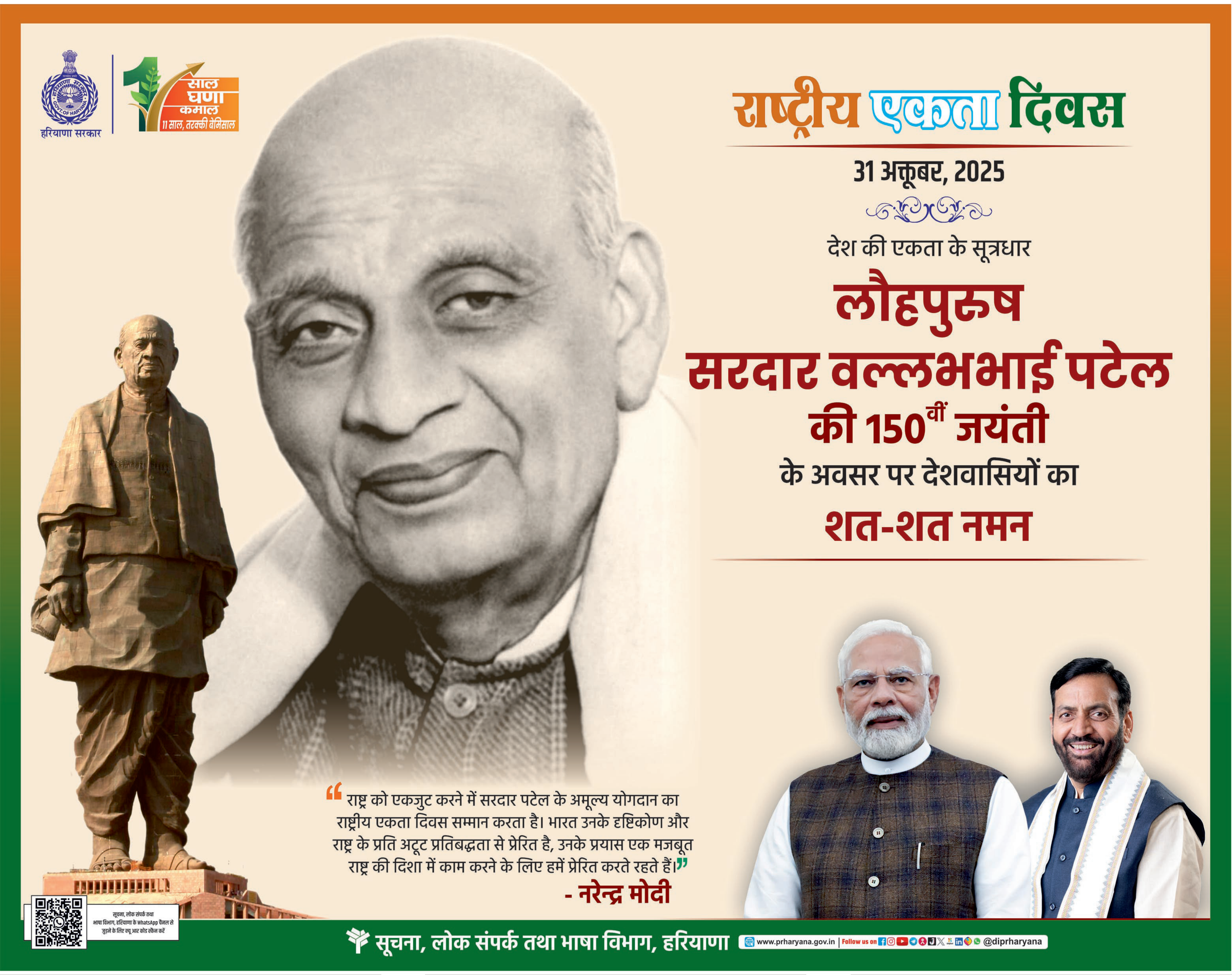

राष्ट्र निर्माण में खेल-कूद निभाते है महत्वपूर्ण भूमिका - डॉ. शांडिल

66वीं अंडर-19 राज्य स्तरीय छात्र माइनर खेल-कूद प्रतियोगिता सम्पन्न

सोलन। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता तथा सैनिक कल्याण मंत्री कर्नल डॉ. धनीराम शांडिल ने कहा कि राष्ट्र निर्माण में खेल-कूद महत्वपूर्ण भूमिका निभाते है। डॉ. शांडिल आज यहां 66वीं अंडर-19 राज्य स्तरीय छात्र माइनर खेल-कूद प्रतियोगिता के समापन समारोह को सम्बोधित कर रहे थे।

चार दिवसीय 66वीं राज्य स्तरीय 19 वर्ष से कम आयुवर्ग के छात्र माइनर खेलकूद प्रतियोगिता में प्रदेश के सभी जिलों व खेल छात्रावास के 650 खिलाड़ियों ने भाग लिया।

डॉ. शांडिल ने कहा कि खेल-कूद न केवल व्यक्ति के स्वास्थ्य और शारीरिक क्षमता का विकास करते हैं बल्कि सामाजिक एकता, राष्ट्रीय गौरव व युवा शक्ति को बढ़ावा भी देते हैं।

सैनिक कल्याण मंत्री ने कहा कि खेल युवाओं को नशे जैसे कुरीति से दूर रखने में अहम भूमिका निभाते हैं। उन्होंने युवाओं से आग्रह किया अपनी असीमित ऊर्जा खेलों व पढ़ाई में लगाएं ताकि उनका भविष्य उज्जवल बन सके।

स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार पंचायत स्तर पर खेलों के मैदानों को विकसित कर रही है ताकि युवा खेलों के माध्यम से अपनी प्रतिभा निखार सकें। उन्होंने कहा कि पढ़ाई के साथ-साथ खेल-कूद गतिविधियों में भी युवा भाग लें।

स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि युवाओं को खेलों की ओर आकर्षित करने के लिए प्रदेश सरकार द्वारा एशियाई खेलों तथा पैरा एशियाई खेलों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों के लिए पुरस्कार राशि में उल्लेखनीय वृद्धि की गई है। राष्ट्र मण्डल खेलों तथा पैरा राष्ट्र मण्डल खेलों में गौरव हासिल करने वाले खिलाड़ियों को स्वर्ण पदक जीतने पर 50 लाख रुपए के स्थान पर 03 करोड़ रुपए, रजत पदक विजेताओं को 30 लाख रुपए के स्थान पर 02 करोड़ रुपए और कांस्य पदक विजेताओं को 20 लाख रुपए की जगह 01 करोड़ रुपए की पुरस्कार राशि दी जा रही है। डॉ. शांडिल ने कहा कि हमारे पारम्परिक खेल को प्रोत्साहन देने के लिए प्रदेश सरकार ने ठोडा खेल को भी खेल-कूद प्रतियोगिताओं में शामिल करना का निर्णय लिया है। यह निर्णय पारम्परिक खेलों को आगे बढ़ाने में मील का पत्थर सहायक सिद्ध होगा। स्वास्थ्य मंत्री ने इस अवसर पर परेड की सलामी भी ली। इस अवसर पर बच्चों द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। राजकीय बाल वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला के प्रधानाचार्य एवं प्रबंधक सचिव जे.एस.नेगी ने इससे पूर्व मुख्यातिथि और अन्य गणमान्य व्यक्तियों का स्वागत किया। इस अवसर पर ग्राम पंचायत नौणी के प्रधान मदन हिमाचली, नगर निगम सोलन के पार्षद सरदार सिंह, पूजा व संगीता ठाकुर, नगर निगम सोलन के मनोनीत पार्षद विजय ठाकुर, वरिष्ठ कांग्रेस नेता रमेश ठाकुर, शिव कुमार, सेवानिवृत्त कर्नल संजय शांडिल, श्याम लाल, संधिरा सीनू सिंह, अमित ठाकुर, विकास ठाकुर, अंकुश सूद सोशल मीडिया प्रभारी सक्षम, राज्य अनुसूचित जाति, जनजाति विकास निगम के प्रबंध निदेशक अजय कुमार यादव, नगर निगम सोलन की आयुक्त एकता कापटा, उपमण्डलाधिकारी सोलन डॉ. पूनम बंसल, ज़िला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अमित रंजन तलवार, शिक्षा विभाग के संयुक्त निदेशक डॉ. जगदीश नेगी सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी व खिलाड़ी उपस्थित थे।

प्रदेश सरकार युवाओं को ए-आई और डेटा साइंस क्षेत्र में दे रही व्यापक अवसर

शिमला। ए-आई क्षेत्र के बढ़ते महत्व को ध्यान में रखते हुए प्रदेश सरकार ने युवाओं के लिए संभावनाओं के नए द्वार खोले हैं। सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में कुशल कार्यबल की मांग के दृष्टिगत प्रदेश सरकार ए.आई और डेटा साइंस के नए डिप्लोमा कोर्स शुरू करने पर विशेष ध्यान दे रही है।

मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंद्र सिंह सुक्खू के निर्देशानुसार, तकनीकी शिक्षा विभाग ने राज्य के चुनिंदा बहुतकनीकी महाविद्यालयों में कंप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग के डिप्लोमा कोर्स के साथ आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को जोड़कर संयुक्त कोर्स शुरू किया है।

हिमाचल प्रदेश के सबसे पुराने एवं प्रतिष्ठित बहुतकनीकी महाविद्यालयों में शामिल राजकीय बहुतकनीकी महाविद्यालय बड़ू, ज़िला हमीरपुर में भी डिप्लोमा इन कंप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग एंड आईओटी आरंभ किया गया है। इससे प्रशिक्षु कंप्यूटर साइंस के साथ-साथ आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जैसी नण् क्षेत्र के बारे में भी प्रशिक्षण प्राप्त कर सकेंगे और इसमें अपने लिए सुनहरा भविष्य तलाश कर सकते हैं।

शिमला जिले में राजकीय बहुतकनीकी महाविद्यालय रोहड़ू के बाद हमीरपुर में भी पिछले वर्ष से यह संयुक्त डिप्लोमा कोर्स आरंभ कर दिया गया है, जिसमें 51 सीटें रखी गई हैं। इस संयुक्त डिप्लोमा कोर्स में युवाओं के लिए अच्छी संभावनाएं हैं।

महाविद्यालय के विद्यार्थियों आर्था, सृष्टि चौहान, आर्यन चोपड़ा और अन्य विद्यार्थियों ने बताया कि हमीरपुर में भी डिप्लोमा इन कंप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग एंड आईओटी आरंभ होने से प्रदेश के युवाओं को काफी सुविधा होगी। वे अपने घर के पास ही यह आधुनिक कोर्स कर सकेंगे। उन्होंने कहा कि आईओटी एवं एआई एक नया उभरता हुआ क्षेत्र है और इसमें युवाओं के लिए अपार संभावनाएं हैं। इसके मद्देनजर डिप्लोमा इन कंप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग एंड आईओटी एक बहुत ही महत्वपूर्ण कोर्स साबित होगा।

जिला कांगड़ा के नगरोटा बगवां में राजीव गांधी राजकीय अभियांत्रिकी महाविद्यालय आर्टिफिशल इंटेलिजेंस और डाटा सांइस का नया महाविद्यालय, जिला शिमला के प्रगति नगर में अटल बिहारी वाजपेयी राजकीय अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी संस्थान में सिविल इंजीनियरिंग डिग्री कोर्स, जिला मंडी के राजकीय पॉलिटेक्निकल सुन्दरनगर में कम्प्यूटर सांइस एवं इंजीनियरिंग (एआई एण्ड मशीन लर्निंग) का डिप्लोमा कोर्स शुरू करने को स्वीकृति प्रदान की है। इन पाठ्यक्रमों को शुरू करने के लिए आवश्यक स्टाफ की उपलब्धता सुनिश्चित की जाएगी।

एआई और डेटा सांइस क्षेत्र में वर्तमान में अपार संभावनाएं है। इन क्षेत्रों में युवाओं का कौशल उन्नयन कर उन्हें रोजगार एवं स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध करवाने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं।

व्यवस्था परिवर्तन की दिशा में आगे बढ़ते हुए राज्य सरकार भविष्य की चुनौतियों और संभावनाओं को ध्यान में रखते हुए पारम्परिक शिक्षा पद्धति के साथ-साथ तकीनीकी आधारित शिक्षा को प्राथमिकता है। इस प्रकार प्रदेश सरकार सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में युवाओं के लिए नवाचार और स्वरोजगार के नए द्वार खोल रही है। सरकार के इन प्रयासों से हिमाचल निश्चित रूप से देश का आईटी हब बनकर उभरेगा।

चंबा अग्रणी आकांक्षी जिला के रूप में उभरा

शिमला। योजना विभाग के सचिव डॉ. अभिषेक जैन ने आज यहां आकांक्षी जिला एवं ब्लॉक कार्यक्रम की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए कहा कि समाज के सभी वर्गों तक समान विकास सुनिश्चित करना प्रदेश सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि योजनाओं की सफलता इस बात पर निर्भर करती है कि वंचित वर्गों का सामाजिक और आर्थिक उत्थान सुनिश्चित हो। दुर्गम और पिछड़े क्षत्रों का चहुंमुखी विकास सुनिश्चित करने के लिए इन योजनाओं को शुरू किया जाता है।

उन्होंने कहा कि आकांक्षी जिला और आकांक्षी ब्लॉक कार्यक्रम के तहत लोगों को विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं का लाभ दिया जा रहा है। उन्होंने अधिकारियों को कल्याणकारी कार्यक्रमों की सफलता सुनिश्चित करने के लिए सचिव स्तर पर हर तिमाही में समीक्षा बैठक आयोजित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जिला स्तर पर भी इन योजनाओं की प्रगति की निगरानी की जानी चाहिए। आकांक्षी जिला चंबा को विभिन्न समग्र मापदंडों में बेहतर प्रदर्शन करने के दृष्टिगत मार्च 2019 से फरवरी, 2025 तक 25 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। सीएसआर के तहत 41.74 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। जिला में एनएचपीसी, एसजेवीएन और सीएसआर के तहत 58.07 करोड़ रुपये की सात परियोजनाएं क्रियान्वित की जा रही है। उन्होंने कहा कि प्रदेश के जिला चंबा के पांगी, तीसा, जिला किन्नौर के पूह, जिला कुल्लू के निरमंड और जिला शिमला के कुपवी और छौहारा खंड को आकांक्षी खंडों के रूप में स्वीकृत किया गया है।

डॉ. शांडिल खेल-कूद प्रतियोगिता के विजेताओं को किया सम्मानित

सोलन। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता तथा सैनिक कल्याण मंत्री कर्नल डॉ. धनीराम शांडिल ने आज यहां 66वीं अंडर-19 राज्य स्तरीय छात्र माइनर खेल-कूद प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कार देकर सम्मानित किया। उन्होंने विभिन्न प्रतियोगिताओं में विजेता व उप विजेता रहे छात्रों के उज्जवल भविष्य की कामना की। वॉलीबॉल प्रतियोगिता में ज़िला शिमला की टीम विजेता तथा ज़िला मण्डी की टीम उप विजेता रही। कबड्डी प्रतियोगिता में ज़िला सोलन की टीम विजेता तथा ज़िला ऊना की टीम उप विजेता रही। खो-खो प्रतियोगिता में ज़िला हमीरपुर की टीम विजेता तथा ज़िला कुल्लू की टीम उप विजेता रही। कुराश प्रतियोगिता में ज़िला कुल्लू विजेता तथा ज़िला सिरमौर उप विजेता रहे। ठोडा प्रतियोगिता में ज़िला मण्डी की टीम विजेता तथा ज़िला सिरमौर की टीम उप विजेता रही। मार्च पास्ट में ज़िला सोलन की टीम विजेता रही। ज़िला मण्डी सर्वांगीण सर्वश्रेष्ठ टीम रही।

रोहित ठाकुर ने शिक्षा विभाग की विभिन्न योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की

शिमला। शिक्षा मंत्री रोहित ठाकुर ने आज यहां शिक्षा विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ आयोजित बैठक की अध्यक्षता करते हुए विभाग की विभिन्न पहलों और शैक्षिक योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की।

रोहित ठाकुर ने निदेशालयों के पुनर्गठन, मुख्यमंत्री बाल पौष्टिक आहार योजना, डिजिटल उपस्थिति, शिक्षकों के अंतरराष्ट्रीय शिक्षण भ्रमण, अपना विद्यालय योजना, राजीव गांधी मॉडल डे-बोर्डिंग स्कूल तथा स्कूलों की सीबीएसई से संबद्धता जैसी महत्वपूर्ण पहलों के क्रियान्वयन की समीक्षा की।

उन्होंने कहा कि पिछले लगभग तीन वर्षों में राज्य सरकार ने शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार लाने के लिए अनेक परिवर्तनकारी पहल की हैं, जिनके परिणामस्वरूप प्रदेश में शिक्षा की गुणवत्ता में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। अब तक विभिन्न श्रेणियों के लगभग 7000 नियमित शिक्षकों की नियुक्तियां की जा चुकी हैं। इसके बाद 9000 से अधिक और पदों को भरने की प्रक्रिया जारी है जिनमें 1170 टीजीटी, 1762 जेबीटी, 37 प्रवक्ता (पीडब्ल्यूडी), 69 सी.एंड.वी तथा 6292 एनटीटी शिक्षक शामिल हैं। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि भर्ती प्रक्रिया को शीघ्र पूरा किया जाए ताकि शैक्षणिक संस्थानों में रिक्त पदों को समय पर भरा जा सके।

शिक्षा मंत्री ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा किए गए सुधारों के सकारात्मक परिणाम सामने आ रहे हैं और राज्य की गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा प्रदान करने की रैंकिंग में सुधार हुआ है। उन्होंने इस बात पर संतोष व्यक्त किया कि हिमाचल प्रदेश को पूर्ण साक्षर राज्य घोषित किया गया है। इस उपलब्धि के लिए उन्होंने शिक्षा विभाग के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि शिक्षकों को नवीनतम शिक्षण पद्धतियों से अद्यतन रखने और उनके कोर्स पूरा करने के बाद उत्पन्न किसी भी ज्ञान-अंतर को दूर करने के लिए सरकार ने सभी नव-नियुक्त शिक्षकों के लिए इंडक्शन ट्रेनिंग आरंभ की है। इस कदम से शिक्षण क्षमता में वृद्धि होगी।

रोहित ठाकुर ने जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए नियमित विद्यालय निरीक्षणों की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने उप-शिक्षा निदेशकों को निर्देश दिए कि वे विद्यालयों का नियमित रूप से दौरा करें ताकि बेहतर शिक्षण वातावरण सुनिश्चित किया जा सके।

शिक्षा सचिव राकेश कंवर ने मानव संसाधन और भौतिक संसाधनों के सर्वोत्तम उपयोग के लिए विभिन्न स्तरों पर विद्यालयों के बीच संसाधनों के साझा उपयोग की संस्कृति विकसित करने की आवश्यकता पर बल दिया।

उच्च शिक्षा निदेशक डॉ. अमरजीत के. शर्मा, प्रारंभिक शिक्षा निदेशक आशीष कोहली, समग्र शिक्षा परियोजना निदेशक राजेश शर्मा तथा विभाग के अन्य वरिष्ठ अधिकारी बैठक में उपस्थित थे।

घेरा से करेरी तक एचआरटीसी बस में सवार होकर पहुंचे उपमुख्य सचेतक केवल सिंह पठानिया

शाहपुर, । शाहपुर विधानसभा क्षेत्र के विधायक एवं उपमुख्य सचेतक केवल सिंह पठानिया ने अपने गत दिवस धारकण्डी क्षेत्र के दौरे के दौरान ग्रामीणों से किए वादे को पूरा करते हुए स्वयं हिमाचल पथ परिवहन निगम (एचआरटीसी) की बस में ग्रामीणों और अधिकारियों के साथ घेरा से करेरी तक का सफर किया। विगत दिनों ग्रामीणों ने लगातार बस सेवा बहाल करने की मांग रखी थी, परंतु अधिकारियों द्वारा क्षतिग्रस्त सड़क का हवाला देते हुए बस संचालन संभव न होने की बात कही जा रही थी। इस पर विधायक पठानिया ने स्वयं स्थिति का जायजा लेने का निर्णय लिया। उन्होंने एसडीएम धर्मशाला मोहित रतन, आरएम धर्मशाला साहिल कपूर तथा ग्रामीणों के साथ बस में यात्रा करते हुए पूरी सड़क का निरीक्षण किया और बस को करेरी से लगभग 500 मीटर पीछे तक पहुंचाया। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि करेरी से आगे क्षतिग्रस्त सड़क का कार्य शीघ्र पूर्ण किया जाए ताकि बस सेवा करेरी तक नियमित रूप से शुरू की जा सके। विधायक पठानिया ने कहा कि लोगों से किया गया वायदा अब लगभग पूरा हो चुका है। उन्होंने अधिकारियों को इस मार्ग पर छोटी बस की व्यवस्था सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए ताकि ग्रामीणों को लगातार परिवहन सुविधा मिलती रहे।

ज़िला बाल कल्याण एवं संरक्षण समिति की समीक्षा बैठक आयोजित

सोलन। ज़िला दण्डाधिकारी सोलन मनमोहन शर्मा की अध्यक्षता में आज यहां जिला बाल कल्याण एवं संरक्षण समिति तथा मुख्यमंत्री सुखाश्रय योजना की समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में ज़िला स्तर पर बाल कल्याण एवं संरक्षण से संबंधित गतिविधियों की प्रगति समीक्षा की गई तथा बच्चों के समग्र विकास और सुरक्षा को सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री सुखाश्रय योजना के अंतर्गत ज़िला में मुख्यमंत्री सुखाश्रय कोष में अभी तक 6.55 लाख रुपए की राशि एकत्रित की गई है। उन्होंने संबंधित विभागों को निर्देश दिए कि योजना से जुड़े सभी लाभार्थियों की नियमित रूप से निगरानी की जाए और बच्चों की ज़रूरतों को प्राथमिकता के आधार पर पूरा किया जाए। उन्होंने कहा कि जून, 2025 तक कुल 14 बेसहारा बच्चों को गृह निर्माण के लिए 15.30 लाख की राशि प्रथम किश्त के रूप में प्रदान की गई है तथा चार बेसहारा बच्चों को दत्तक माता-पिता को सौंपा गया है।

मनमोहन शर्मा ने कहा कि मिशन वात्सल्य के तहत ज़िला सोलन में 02 बाल बालिका आश्रम कम चिल्ड्रन होम है। इसके अतिरिक्त एक स्पेशल एडॉप्शन एजेंसी और एक ओपन शेल्टर होम कथेड़ में है। इनमें 67 बच्चे रह रहें है। उन्होंने कहा कि दीपावली तक सभी बच्चों को उत्सव भत्ता 500 रुपए प्रतिमाह प्रदान किया जा चुका है। यहां पर रहने वाले बच्चों को वस्त्र, बिस्तर, खाद्य वस्तुएं निरंतर आवश्यकता के अनुसार मुहैया करवाई जा रही हैं। इन बच्चों को भोजन भी निर्धारित मानकों के अनुरूप उपलब्ध करवाया जाता है। उन्होंने कहा कि बेसहारा बच्चों को यूको आरसेटी के माध्यम से भविष्य में प्रशिक्षण प्रदान करवाया जाएगा ताकि बच्चे रोज़गार प्राप्त कर आत्मनिर्भर बन सके। मनमोहन शर्मा ने सभी से आग्रह किया कि बाल श्रमिकों का नियमित अनुश्रवण करें और इनकी सूचना तुरंत ज़िला श्रम अधिकारी व पुलिस को देना सुनिश्चित करें। यह जानकारी टोल फ्री नंबर 1098 पर भी दी जा सकती है। इसका उद्देश्य प्रभावित बच्चों को समय पर सहायता व संरक्षण प्रदान करना है। उन्होंने मीडिया से आग्रह किया कि टोल फ्री नम्बर 1098 की जानकारी जन-जन तक पहुंचाए। उन्होंने ज़िला कार्यक्रम अधिकारी तथा शिक्षा विभाग को निर्देश दिए कि बद्दी व नालागढ़ क्षेत्र में ईंट के भट्टों पर मज़दूरी करने वाले बच्चों को आंगनबाड़ी तथा विद्यालय तक पहुंचाएं ताकि सभी बच्चे शिक्षा के अधिकार के अनुरूप शिक्षा प्राप्त कर सकें और मध्याह्न भोजन से वंचित न रहें। उन्होंने कहा कि शिक्षण संस्थानों में इन बच्चों के साथ मधुर एवं सौहार्दपूर्ण व्यवहार किया जाए ताकि ऐसे बच्चों के आचरण एवं व्यवहार में बदलाव लाकर उन्हें समाज की मुख्य धारा में शामिल किया जा सके।

जिला कांगड़ा में निवास कर रहे बडगाम के मतदाता कर सकते हैं पोस्टल बैलेट प्रयोग-उपायुक्त धर्मशाला, भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार, जम्मू एवं कश्मीर केंद्र शासित प्रदेश की 27- बडगाम विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र में उप-चुनाव के दृष्टिगत (पोस्टल बैलेट) मतदान हेतु प्रवासी मतदाताओं के लिए फॉर्म-एम एवं फॉर्म-12सी के ऑनलाइन संग्रहण हेतु एस.ओ.पी. जारी की गई है। यह सुविधा अब ऑफलाइन प्रक्रिया के साथ-साथ ऑनलाइन माध्यम से भी उपलब्ध रहेगी। जिला निर्वाचन अधिकारी एवं उपायुक्त कांगड़ा हेमराज बैरवा ने यह जानकारी देते हुए बताया कि 27-बडगाम विधानसभा क्षेत्र के सभी मतदाता, जो राहत एवं पुनर्वास आयुक्त, जम्मू एवं कश्मीर द्वारा जारी प्रमाणपत्र के धारक हैं।

आवश्यक सूचना

ब्पाठकों को सलाह दी जाती है कि किसी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया से पहले विज्ञापन में प्रकाशित किसी उत्पाद या सेवा के बारे में पूरी तरह जांच पड़ताल कर लें। यह समाचार पत्र उत्पाद या सेवा की गुणवत्ता आदि के विवरण के बारे में विज्ञापनदाता द्वारा किये गये दावे उल्लेख की पुष्टि या समर्थन नहीं करता। समाचार पत्र उपरोक्त विज्ञापनों के बारे में किसी भी प्रकार से उत्तरदायी नहीं होगा।

RNI NO: HARHIN/2002/08034, Postal Regd No. HR/AB/54/23-25, स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक एकान्ति राय गर्ग द्वारा जनपथ पब्लिशर्स, बूथ नं.: 437-पी (बी.पी.पेट्रोल पंप के पीछे) सेक्टर-8, पंचकूला से प्रकाशित। सम्पादक:- एकान्ति रॉय गर्ग, मुख्य कार्यालय: बूथ नं: 437-पी (बी.पी.पेट्रोल पंप के पीछे) सेक्टर-8 पंचकूला-134109(हरियाणा)। मो.: 9915606900, email : hindjanpath@gmail.com, argarg1610@gmail.com ।

न्यूज डायरी

दिवाली के बाद बढ़ सकता है अस्थमा का खतरा, रखें विशेष सावधानी

हिसार। दिवाली आने के साथ कुछ दिनों के लिए, कई समारोह की तैयारी में व्यस्त हैं। लेकिन अस्थमा से पिडीत लोग दिवाली से दूरी बनाये हुये है या फिर दूर जाने की कोशिश कर रहे है। दिवाली पर पटाखों के धुआं अस्थमा रोगियों पर बुरा असर डालता है। यह इतना बुरा हो जाता है की कई रोगियों को तो अस्पताल में भर्ती होना पडता है।डां. विकास पिलानिया, एलर्जी एंव अस्थमा राग विशेषज्ञ, मणिपाल हॉस्पिटल, जयपुर ने बताया कि अस्थमा के रोगी अपनी मेडिसिन एंड इन्हेलर रेगुलर ले।अपने घर की खिड़कियों को उस अवधि के लिए बंद करें जब पटाखे बाहर फट रहे हों। यदि आपको दवा के

बावजूद खांसी, घरघराहट, सांस फूलना जैसे किसी भी तीव्र और गंभीर लक्षण दिखाई देते हैं, तो तुरंत उचित सलाह और उपचार के लिए निकटतम चिकित्सा देखभाल केंद्र में रिपोर्ट करें।पटाखों से उत्सर्जित गैसीय वायु प्रदूषक अस्थमा के रोगियों में अस्थमा के जोखिम को बढाते है। ऐसे प्रदूषकों में अस्थमा के नए मामले पैदा करने की क्षमता भी होती है। पटाखे बचपन के ब्रोन्कियल अस्थमा के लिए उत्तेजक कारकों में से एक हैं, अब यह साबित हो चुका है की श्वसन रोगों के किसी भी पूर्व इतिहास के बिना 26 प्रतिशत लोगों को विशेष रूप से दिवाली के दौरान खांसी, घरघराहट और सांस फूलने के लक्षण विकसित होते हैं।कारण यह है कि पटाखों में 75 प्रतिशत पोटेशियम नाइट्रेट, 15 प्रतिशत कार्बन और 10 प्रतिशत सल्फर होते हैं, और जब वे जलाए जाते हैं, तो हानिकारक गैसें जैसे कि सल्फर डाइऑक्साइड, कार्बन डाइऑक्साइड, कार्बन मोनोऑक्साइड, मैंगनीज और यहां तक कि कैडमियम, जैसी खतरनाक गैसे निकलती है। जो नाक में जलन पैदा करती हैं। फेफड़ों के वायुमार्ग और फुफ्फुसीय रोगों जैसे अस्थमा, सी.ओ.पी.डी.रागों वाले लोगों की स्थिति खराब हो जाती है।

गोपाष्टमी पर हजारों श्रद्धालुओं ने किया गौ पूजन, प्रसाद वितरण और यज्ञ में दी आहुतियां

हिन्द जनपथ
पंचकूला (ब्यूरो)। माता मनसा देवी परिसर के पास स्थित श्री माता मनसा देवी गौधाम में वीरवार को गोपाष्टमी पर्व बड़ी श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया गया। पंचकूला गौशाला ट्रस्ट की ओर से आयोजित इस आयोजन में सुबह से ही श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। करीब तीन हजार से अधिक लोगों ने गौ पूजन में भाग लिया। श्रद्धालुओं ने गौ माता को गुड़, आटा, चारा और प्रसाद अर्पित किया। पूरे दिन श्रद्धालुओं के लिए मालपुआ, खीर और मथुरा के पेड़े का प्रसाद वितरित किया गया। ट्रस्ट पदाधिकारियों के साथ कई वरिष्ठ आईएएस अधिकारी, नेता, समाजसेवी और धार्मिक व्यक्ति उपस्थित रहे। ट्रस्ट के चेयरमैन संजीव गोयल, प्रधान कुलभूषण गोयल और महासचिव डा. नरेश मित्तल ने बताया कि श्रद्धालु सुबह से ही गौ पूजन और दान के लिए पहुंचने लगे थे। ट्रस्ट उपप्रधान केवल गर्ग और कोषाध्यक्ष भूपिंद्र गोयल ने बताया कि भक्तों के लिए सभी व्यवस्थाएं पहले से कर ली गई थीं। वर्तमान में गौधाम में लगभग 1350 गायें हैं, जिन्हें नगर निगम द्वारा विभिन्न क्षेत्रों से लाकर यहां रखा गया है। ट्रस्ट द्वारा गायों के लिए पर्याप्त तूड़ी, चारा, पानी और चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध करवाई गई हैं। बीमार गायों के उपचार के लिए डॉक्टर और दो फार्मासिस्ट भी नियुक्त किए गए हैं। इस अवसर पर हरगोबिंद गोयल, विकास भौजिया, सतपाल सिंगला, भूपिंद्र गोयल, मिठुन लाल, हरीश गोयल, सतीश सिंगला, कुसुम कुमार गुप्ता, तेजपाल गुप्ता, अशोक गर्ग, अंशु अग्रवाल, वेद प्रकाश गर्ग, अजय गर्ग, प्रेम चंद गुप्ता और दीपक बंसल सहित अनेक श्रद्धालु उपस्थित रहे।

मंडल के विभिन्न रेलवे स्टेशनों पर मल्टीपर्पस स्टालों (एमपीएस) व गाड़ी संख्या 12414 के एसएलआर को ई - निलामी के जरिए आवंटित किया गया

जम्मू- गैर-किराया राजस्व बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, उत्तर रेलवे के जम्मू मंडल ने विभिन्न रेलवे स्टेशनों जिसमें बनिहाल, अनंतनाग, श्रीनगर, संगलदान, बड़गाम तथा बारामूला आदि पर मल्टीपर्पस (एमपीएस) स्टोर स्थापित करने का अनुबंध सफल बोलीदाता को सफलतापूर्वक प्रदान किया है।

*** ई- नीलामी का विवरणः-**

1. बनिहाल रेलवे स्टेशन पर ई-नीलामी के जरिए मल्टीपर्पस स्टाल का आवंटन पांच सालों के लिए कुल 11,02,037 रूपए से प्रभारित किया गया हैं। जिसमें प्रत्येक वर्ष के लिए 1,86,786 रुपए की राशि से प्रभारित किया जाएगा।

2. अनंतनाग रेलवे स्टेशन पर ई-नीलामी के जरिए मल्टीपर्पस स्टाल का आवंटन पांच सालों के लिए कुल 15,55,240 रूपए से प्रभारित किया गया हैं। जिसमें प्रत्येक वर्ष के लिए 2,63,600 रुपए की राशि से प्रभारित किया जाएगा ।

3.श्रीनगर रेलवे स्टेशन पर ई-नीलामी के जरिए मल्टीपर्पस स्टाल का आवंटन पांच सालों के लिए कुल 16,84922 रूपए से प्रभारित किया गया हैं। जिसमें प्रत्येक वर्ष के लिए 2,85,580 रुपए की राशि से प्रभारित किया जाएगा।

4.संगलदान रेलवे स्टेशन पर ई-नीलामी के जरिए मल्टीपर्पस स्टाल का आवंटन पांच सालों के लिए कुल 8,77,837 रूपए से प्रभारित किया गया हैं। जिसमें प्रत्येक वर्ष के लिए 1,48,786 रुपए की राशि से प्रभारित किया जाएगा।

5.श्रीनगर रेलवे स्टेशन पर ई-नीलामी के जरिए मल्टीपर्पस स्टाल का आवंटन पांच सालों के लिए कुल 4,16,274 रूपए से प्रभारित किया गया हैं। जिसमें प्रत्येक वर्ष के लिए 70,555 रुपए की राशि से प्रभारित

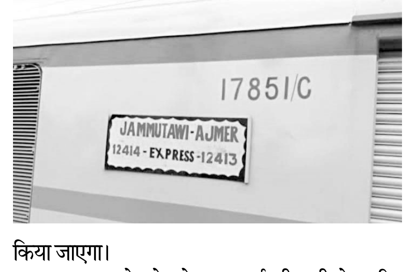

किया जाएगा।

6. बड़गाम रेलवे स्टेशन पर ई-नीलामी के जरिए मल्टीपर्पस स्टाल का आवंटन पांच सालों के लिए कुल 6,19,500 रूपए से प्रभारित किया गया हैं। जिसमें प्रत्येक वर्ष के लिए 1,05,000 रुपए की राशि से प्रभारित किया जाएगा।

7. बड़गाम रेलवे स्टेशन पर ई-नीलामी के जरिए मल्टीपर्पस स्टाल का आवंटन पांच सालों के लिए कुल 4,42,500 रूपए से प्रभारित किया गया हैं। जिसमें प्रत्येक वर्ष के लिए 75,000 रुपए की राशि से प्रभारित किया जाएगा।

8.बनिहाल रेलवे स्टेशन पर ई-नीलामी के जरिए मल्टीपर्पस स्टाल का आवंटन पांच सालों के लिए कुल 4,16,274 रूपए से प्रभारित किया गया हैं। जिसमें प्रत्येक वर्ष के लिए 70,555 रुपए की राशि से प्रभारित किया जाएगा।

9. बारामूला रेलवे स्टेशन पर ई-नीलामी के जरिए मल्टीपर्पस स्टाल का आवंटन पांच सालों के लिए कुल 8,29,274 रूपए से प्रभारित किया गया हैं। जिसमें प्रत्येक वर्ष के लिए 1,40,555 रुपए की राशि से प्रभारित किया जाएगा।

यह मंडल के नवाचार और यात्री-केंद्रित विकास पर निरंतर ध्यान केंद्रित करने को दर्शाता है। स्टोर पर विभिन्न प्रकार की यात्रियों के जरूरत की कई चीजें मिलेंगी। जैसे दवाईयां, कास्मेटिक सामान, अखबार, किताबे , खिलोने व बच्चों के सामान दैनिक उपयोग की वस्तुएं भी होगी।

यह पहल एक पारदर्शी ई-नीलामी प्रक्रिया के माध्यम से क्रियान्वित की गई, जिससे निष्पक्षता और अधिकतम राजस्व सृजन सुनिश्चित हुआ। इस नीलामी से पांच वर्षों की अवधि में भारतीय रेलवे को कुल 79, 43,858 की आय होगी।

यह नीलामी रेलवे के आधुनिकरण और संसाधनों के बेहतर उपयोग की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है जिसमें जुड़ते हुए, आज एक बड़ी व ऐतिहासिक सफल ई-नीलामी की प्रक्रिया को गाड़ी संख्या 12414 में पूरा किया गया। जिसमें गाड़ी संख्या 12414 के एसएलआर को तीन वर्ष के लिए कुल 1,08,57,789 रुपए की राशी से प्रभारित किया गया।

जम्मू मंडल के वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री उचित सिंघल ने कहाः

'स्थानीय रोजगार को बढ़ावा देते हुए गैर-किराया राजस्व में वृद्धि करना, सांस्कृतिक एकीकरण और वित्तीय स्थिरता के हमारे दोहरे लक्ष्यों के साथ पूरी तरह मेल खाता है। हमें विश्वास है कि यह स्टोर यात्रियों के अनुभव को समृद्ध करेगा और अन्य स्टेशनों पर इसी तरह की पहल के लिए एक आदर्श बनेगा।'

उन्होंने आगे बताते हुए, कहा कि मंडल द्वारा किए गए गहन विपणन प्रयासों के परिणामस्वरूप, गाड़ी संख्या 12414 के एसएलआर को तीन साल के लिए अनुबंध पर आवंटित किया गया। जिसे एक महत्वपूर्ण उपलब्धि कहा जा सकता हैं।

मंडल में पहली बार ऐसा हुआ है, जिसमें विभिन्न नो स्टेशनों को सफल ई-नीलामी के जरिए मल्टीपर्पस स्टाल आवंटित किए गये हैं। जो कि रेलवे को अतिरिक्त राजस्व अर्जित करने में सहायक होगी ।

डॉ. वंदना अरोड़ा को विशेषज्ञ समूह में गैर-सरकारी वैज्ञानिक के रूप में किया गया नियुक्त

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। पंजाब के राज्यपाल ने भूमि अधिग्रहण, पुनर्वासन और पुनर्स्थापन में उचित मुआवज़ा और पारदर्शिता अधिकार अधिनियम, 2013 की धारा 7 की उपधारा (1) के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों तथा इस संबंध में उन्हें सक्षम बनाने वाली अन्य सभी शक्तियों का प्रयोग करते हुए, डॉ. वंदना अरोड़ा को सामाजिक प्रभाव मूल्यांकन रिपोर्ट के मूल्यांकन हेतु प्रो. राजेश गिल के स्थान पर विशेषज्ञ समूह में गैर-सरकारी वैज्ञानिक के रूप में नियुक्त किया है।

'युद्ध नशों के विरुद्ध' के 243वें दिन पंजाब पुलिस ने 2.3 किलो हेरोइन और 1.5 लाख रुपये ड्रग मनी सहित 76 नशा तस्करों को किया गिरफ्तार

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के निर्देशों पर राज्य से नशों के पूर्ण खात्मे के लिए चलाए जा रहे "युद्ध नशों के विरुद्ध" अभियान के 243वें दिन पंजाब पुलिस ने आज 340 स्थानों पर छापेमारी की, जिसके बाद राज्यभर में 68 एफआईआर दर्ज कर 76 नशा तस्करों को गिरफ्तार किया गया। इसके साथ ही 243 दिनों में अब तक गिरफ्तार किए गए कुल नशा तस्करों की संख्या 34,599 हो गई है।

इन छापों के दौरान गिरफ्तार नशा तस्करों के कब्जे से 2.3 किलो हेरोइन और 1.51 लाख रुपये की ड्रग मनी बरामद की गई है।

उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने पुलिस कमिश्नरों, डिप्टी कमिश्नरों और एसएसपी को पंजाब को नशामुक्त राज्य बनाने के आदेश दिए हैं। पंजाब सरकार ने नशों के विरुद्ध जारी इस अभियान की निगरानी के लिए वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा की अध्यक्षता में पाँच सदस्यीय कैबिनेट उप समिति भी गठित की है।

इस ऑपरेशन के दौरान 67 गजटेड अधिकारियों की निगरानी में 1000 से अधिक पुलिस कर्मियों वाली 120 से अधिक पुलिस टीमों ने राज्यभर में 340 स्थानों पर छापेमारी की। बताया गया कि दिनभर चले इस ऑपरेशन में पुलिस टीमों ने 368 संदिग्ध व्यक्तियों की जांच भी की। यह भी उल्लेखनीय है कि पंजाब सरकार ने राज्य से नशों के उन्मूलन के लिए तीन-आयामी रणनीति - प्रवर्तन, नशा मुक्ति और रोकथाम - लागू की है। इसी रणनीति के तहत पंजाब पुलिस ने आज 35 व्यक्तियों को नशा छोड़ने और पुनर्वास उपचार प्राप्त करने के लिए राज़ी किया है।

गुरु तेग बहादुर जी के 350वें शहीदी दिवस को समर्पित कीर्तन दरबार 1 नवंबर को श्री सिंह सभा गुरुद्वारा, राजपुरा रोड, ज़ीरकपुर में

हिन्द जनपथ
ज़ीरकपुर(ब्यूरो)। न्याय, धार्मिक स्वतंत्रता और मानवीय मूल्यों के लिए गुरु साहिब जी द्वारा दिए गए सर्वोच्च बलिदान के सम्मान और श्रद्धांजलि स्वरूप पंजाब सरकार द्वारा श्री गुरु तेग बहादुर जी के 350वें शहीदी दिवस के उपलक्ष्य में, गुरु साहिब जी के सर्वोच्च बलिदान के प्रति आभार और सम्मान प्रकट करने के उद्देश्य से, जिला प्रशासन 1 नवंबर, 2025 को गुरुद्वारा श्री सिंह सभा, राजपुर रोड, ज़ीरकपुर में एक कीर्तन समारोह का आयोजन कर रहा है।

इस संबंध में जानकारी देते हुए एस डी एम डेराबस्सी अमित गुप्ता ने बताया कि सुबह 10:00 बजे से दोपहर 12:30 बजे तक आयोजित होने वाले इस समागम में भाई शौकीन सिंह जी, हजूरी रागी सचखंड श्री दरबार साहिब, अमृतसर और भाई बेअंत सिंह जी पटियाला, कथा वाचक कीर्तन से संगत को निहाल करेंगे और गुरबाणी से जोड़ेंगे।

उन्होंने क्षेत्र की समस्त संगत से इस कीर्तन दरबार में उत्साह के साथ पहुंचने का अनुरोध करते हुए कहा कि हिंद की चादर श्री गुरु तेग बहादुर साहिब के 350वें शहीदी प्रकाश पर्व के अवसर पर उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित करने का यह एक उपयुक्त अवसर होगा, जिसमें सभी को भाग लेने के लिए आमंत्रित किया जाता है।

उन्होंने आगे बताया कि डेराबस्सी विधानसभा क्षेत्र के विधायक कुलजीत सिंह रंधावा भी गुरु चरणों में श्रद्धा सुमन अर्पित करने के लिए विशेष रूप से इस समागम में पहुंचेंगे।

श्री काली माता मंदिर , पटियाला में मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान और अरविंद केजरीवाल की ओर से 75 करोड़ रुपए के विकास कार्यों का शुभारंभ

माता रानी की कृपा से एक साल के अंदर पूरा हो जाएगा प्रोजेक्ट – अरविंद केजरीवाल

हिन्द जनपथ
पटियाला(ब्यूरो)। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान और 'आप' के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल की ओर से आज ऐतिहासिक श्री काली माता मंदिर के नवीनीकरण के लिए 75 करोड़ रुपए के प्रोजेक्टों की शुरुआत की गई।

सभा को संबोधित करते हुए 'आप' के राष्ट्रीय संयोजक ने कहा कि यह प्रदेश सरकार का विशेष दायित्व बनता है कि वह अधिक जन महत्व वाले ऐसे प्रोजेक्टों को प्राथमिकता दे। उन्होंने अफसोस जताया कि पिछली प्रदेश सरकारों ने कभी भी जन महत्व वाले इन कार्यों को करने की इच्छा नहीं दिखाई। अरविंद केजरीवाल ने कहा कि यह उनका सौभाग्य है कि माता रानी ने आप के नेतृत्व वाली सरकार को यह मौका दिया है। उन्होंने कहा कि यह काम एक साल के अंदर-अंदर पूरा कर लिया जाएगा।

'आप' के राष्ट्रीय संयोजक ने कहा कि श्री काली माता मंदिर उत्तरी भारत के सबसे सम्मानित और ऐतिहासिक मंदिरों में से एक है। उन्होंने कहा कि यह मंदिर पंजाब की समृद्ध आध्यात्मिक विरासत और शाही संरक्षण का प्रमाण है। अरविंद केजरीवाल ने कहा कि मंदिर परिसर में काली माता को समर्पित मुख्य मंदिर के साथ शक्ति के ब्रह्म स्वरूप श्री राज

राजेश्वरी जी का प्राचीन मंदिर भी है।

'आप' के राष्ट्रीय संयोजक ने कहा कि श्रद्धा के ये दोनों स्थल मंदिर परिसर को आध्यात्मिक रूप से अधिक महत्वपूर्ण और वास्तुकला की दृष्टि से अधिक अनोखा बनाते हैं, जहां सदियों पुरानी परंपराओं का आधुनिक बुनियादी ढांचे के साथ बेहद सुंदर मेल देखने को मिलता है। उन्होंने कहा कि मंदिर की महत्वता इस तथ्य से स्पष्ट होती है कि यहां लगभग 10,000 श्रद्धालु रोजाना, लगभग 40,000 हर शनिवार को आते हैं और नवरात्रि के त्योहार के दौरान यह संख्या लगभग एक लाख हो जाती है। श्री अरविंद केजरीवाल ने कहा कि राज्य सरकार ने श्री काली माता मंदिर को नया रूप देने के लिए 73.52 करोड़ रुपए के कई प्रोजेक्ट शुरू किए हैं।

'आप' के राष्ट्रीय संयोजक ने कहा कि मंदिर के सरोवर को भाखड़ा नहर से साफ पानी की आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए काम चल रहा है और इस प्रोजेक्ट के लिए 1.15 करोड़ रुपए की राशि स्वीकृत की गई है। उन्होंने कहा कि इसी तरह मंदिर के मौजूदा सीवरेज सिस्टम और वर्षा जल निकासी ढांचे को 49.06 लाख रुपए की लागत से अपग्रेड किया जा रहा है। श्री अरविंद केजरीवाल ने कहा कि मंदिर परिसर के अंदर 25 लाख रुपए की लागत से आम आदमी क्लीनिक स्थापित किया जा रहा है, जो न केवल स्थानीय निवासियों बल्कि यहां आने वाले श्रद्धालुओं को भी चिकित्सा सहायता प्रदान करेगा।

मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि मंदिर की आध्यात्मिकता और सुंदरता में वृद्धि करने के लिए प्रमुख तीर्थ स्थलों की तरह सरोवर के पास एक लाइट एंड साउंड शो करवाया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस प्रोजेक्ट पर 6.78 करोड़ रुपए की लागत आएगी और इस संबंध में टेंडर जारी कर दिए गए हैं। भगवंत सिंह मान ने आगे कहा कि नई बनी इमारत में 15.11 लाख रुपए की लागत से एक लिफ्ट लगाई जा रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए सरोवर के पास नया रास्ता बनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि मंदिर की नई इमारत, गलियारा, चारदीवारी, प्रवेश द्वार और सरोवर संबंधी प्रोजेक्ट सामूहिक रूप से शुरू किए गए हैं। सिख और हिंदू परंपराओं के अनुसार आने वाले श्रद्धालुओं, विशेष रूप से दूर-दराज के या आर्थिक रूप से कमजोर श्रद्धालुओं के लिए भगवंत सिंह मान द्वारा रोजाना लंगर सेवा शुरू की जाएगी।

चुनिंदा अंशः श्री मोदी का मिशन

अंश 1:

श्री नरेन्द्र मोदी के 75 वर्षों पर निष्पक्ष नज़र डालने से पता चलता है कि कैसे उनके जीवन की प्रत्येक बड़ी घटना और कार्यक्रम को अंतिम परिणाम सुनिश्चित करने के लिए संरचित किया गया था। हम में से कई लोग नियति के अनुसार चलते हैं, लेकिन श्री मोदी और गांधी जैसे कुछ लोग उन ताकतों का रूप हैं जो एक राष्ट्र के रूप में भारत के उद्भव को आकार देते हैं।

श्री नरेन्द्र मोदी जनता की चेतना को तुरंत बढ़ाने की महात्मा गांधी की क्षमता की प्रशंसा करते हैं। श्री मोदी याद करते हैं कि कैसे एक चुटकी नमक उठाने के साधारण कार्य से, गांधीजी ने सविनय अवज्ञा और प्रतिरोध का राष्ट्रव्यापी आंदोलन चलाया। नागपुर विश्वविद्यालय में दिए गए एक भाषण में, श्री मोदी ने गांधीजी को एक महान संचारक कहा था, उन्होंने श्रोताओं के एक वर्ग को आश्चर्यचकित कर दिया था, जो सोचते थे कि महात्मा गांधी इतने महान वक्ता नहीं थे। श्री मोदी ने आगे कहा कि गांधीजी एक वक्ता नहीं थे, लेकिन वह जानते थे कि जनता की चेतना से तुरंत कैसे जुड़ना है, और यही कारण है कि वह एक महान संचारक थे। बेशक, श्री मोदी एक वक्ता और एक महान संचारक दोनों हैं। कोविड-19 संकट के दौरान जिस तरह श्री मोदी ने लॉकडाउन से पहले जनता कर्फ्यू को स्वीकार करने के लिए पूर्वोत्तर सहित पूरे देश को राजी किया, वह इस क्षमता का प्रमाण है।

अंश 2:

ईटन और हैरो के खेल के मैदानों और ऑक्सब्रिज के पवित्र पोर्टलों से दूर, श्री नरेन्द्र मोदी के लिए प्राथमिक विद्यालय आठ कमरों की इमारत थी जिसमें ब्लैकबोर्ड पर चाक से लिखा हुआ था। हाई स्कूल, जो इसके बाद हुआ, वैसा ही था।

श्री नरेन्द्र मोदी के जन्म से साठ साल पहले, 20वीं सदी की शुरुआत से ठीक पहले, श्री मोदी के बचपन के बिल्कुल अलग, देश के पहले प्रधानमंत्री श्री जवाहरलाल नेहरू को अंग्रेजी गवर्नेस और आयरिश शिक्षक के साथ उनके बैरिस्टर पिता के 42 कमरों के आनंद भवन में विशेष पौशाक वाले नौकरों के एक दल के साथ देखा गया था। इसके बाद वे हैरो में अध्ययन करने गए, जहां ब्रिटिश अभिजात वर्ग अपने बच्चों को स्कूली शिक्षा मिलती थी और फिर ट्रिनिटी कॉलेज, कैम्ब्रिज। नेहरू जी ने अपनी आत्मकथा में लिखा है कि उनके पास एक बगीचा, एक टेनिस कोर्ट और एक स्विमिंग पूल और सवारी करने के लिए एक पालतू टट्टू था। उन्होंने लिखा, उनका बचपन, सामान्य था। उनकी बेटी, इंदिरा, भारत और स्विट्जरलैंड के पॉश स्कूलों में पढ़ी थी, फ्रेंच में धाराप्रवाह थी और ऑक्सफोर्ड में एक कार्यकाल पूरा किया।

बालक जवाहरलाल, अपने पिता को आयातित लाल क्लरैट की चुस्की लेते हुए देखकर हैरान होते थे क्योंकि वह उसे वह खून समझते थे, यह उन्होंने अपनी आत्मकथा में लिखा है। बचपन में श्री नरेन्द्र मोदी ने अपनी मां को कांच मिश्रित राख से दूसरों के बर्तन साफ करते हुए देखा, इससे अक्सर उसकी उंगलियों से खून बहने लगता था।

यह तुलना केवल श्री मोदी की परवरिश और शुरुआती अनुभवों को समझने के लिए प्रासंगिक है, इसने उनकी मानसिकता को महत्वपूर्ण रूप से प्रभावित किया। गरीबी और जमीनी स्तर के सामाजिक-आर्थिक दर्शन के साथ उनका स्वाभाविक जुड़ाव, जो उनके राजनीतिक विरोधियों से बहुत अलग है, इसी मानसिकता का परिणाम है।

अंश 3:

देश में बुद्धिजीवी अभिजात वर्ग का एक हिस्सा श्री नरेन्द्र मोदी को डिकोड नहीं कर पाया है। चौथी बार गुजरात का मुख्यमंत्री बनने के बाद भी उनका मानना था कि उनकी राजनीतिक किस्मत एक मजबूत क्षेत्रीय नेता बनने तक ही सीमित है। 2013 की शुरुआत में, राष्ट्रीय नेता के रूप में श्री मोदी के तेजी से उभरने के बावजूद, उन्हें विश्वास था कि उन्हें भाजपा के प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार के रूप में नामित नहीं किया जाएगा। यह केवल तब था जब 2014 के अभियान के दौरान उनके द्वारा उत्पन्न लहर अजेय लग रही थी और इससे अभिजात वर्ग स्पष्ट रूप से घबरा गया। कुछ लोगों ने घोषणा की कि अगर श्री मोदी प्रधानमंत्री बनते हैं तो वे पलायन कर जाएंगे लेकिन ऐसा किसी ने नहीं किया।

राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए), भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की 2014 की जीत को उन्होंने, यूपीए के खराब प्रदर्शन के खिलाफ गुस्से के कारण एक बार का जनादेश माना था। दूसरे कार्यकाल से पहले, अभिजात वर्ग को संदेह था कि एनडीए के फिर से जीतने की संभावना नहीं है। इसलिए, 2019 में, वे फिर ये मानकर निश्चिंत हो गए कि भाजपा हार जाएगी। इसके विपरित, भाजपा ने रिकॉर्ड बहुमत हासिल किया और उसे सरकार बनाने के लिए किसी गठबंधन की आवश्यकता नहीं थी। 2024 में, नतीजों के दिन भाजपा को झटका लगने के कारण, उनकी उम्मीदें क्षण भर के लिए फिर जागी, लेकिन एक बार फिर कम हो गईं।

अभिजात वर्ग इस बात की सराहना करने में विफल रहता है कि श्री मोदी ने भारत के राजनीतिक परिदृश्य की गतिशीलता में एक संरचनात्मक बदलाव की शुरुआत की है, जो यह सुनिश्चित करता है कि, मध्यम अवधि में, एक राष्ट्रवादी एजेंडे को बढ़ावा देने वाली एक अत्यधिक अनुशासित पार्टी को हटाने की संभावना न्यूनतम है।

एक असंवेदनशील उपमा का उपयोग करें तो श्री मोदी एक परमाणु बम की तरह हैं जो अभिजात वर्ग की पोषित धारणाओं और विचारों पर गिरे हैं। अभिजात वर्ग और विशेष तबके के लोग परेशान हैं, वे इस बात को पचा नहीं पा रहे हैं कि गुजरात के बैकवाटर से एक चाय विक्रेता का एक ग्रामीण पृष्ठभूमि का बेटा, एक आरएसएस प्रचारक, लगातार तीसरी बार भारत का प्रधानमंत्री बन गया है। अभिजात वर्ग, जो निष्पक्ष होने का दावा करता है, वास्तव में श्री मोदी के खिलाफ पूर्वाग्रह से भरा हुआ है। परेशान होने के कारण कई हैं। हालांकि, उनकी मानसिकता का विश्लेषण करने से पहले, आइए हम पहले यह परिभाषित करें कि वर्तमान संदर्भ में भारतीय बौद्धिक अभिजात वर्ग की अभिव्यक्ति का क्या अर्थ है।

जिनके पास किसी भी रंग के राजनीतिक या धार्मिक प्रचार का एजेंडा है, उन्हें स्पष्ट रूप से बाहर रखा जाना चाहिए। यहां संदर्भित अभिजात वर्ग में ज्यादातर अत्यधिक निपुण व्यक्ति शामिल होते हैं, आमतौर पर व्यक्तिगत जीवन में ईमानदारी और नैतिकता के साथ, किसी भी राजनीतिक दल या संगठन से कोई स्पष्ट संबंध नहीं होता है। इसमें शिक्षाविद, इतिहासकार, जीवनीकार, वकील और मीडियाकर्मी शामिल हैं। बेशक, उनमें से सभी इस तरह के पूर्वाग्रह को नहीं पालते हैं।

'मोदी विरोधी' का एक विशिष्ट प्रोफाइल अंग्रेजी माध्यम में शिक्षित व्यक्ति है (ज्यादातर हिल स्टेशनों के बोर्डिंग स्कूलों में या महानगर के प्रसिद्ध स्कूलों में, उदार कला में विदेशी डिग्री के साथ) एक उच्च मध्यम वर्गीय पेशेवर परिवार से, जो वामपंथी उदारवादी झुकाव और धर्म पर नास्तिक अज्ञेयवादी विचारों वाले हैं। आधारहीन तर्कवादी, जिनकी

मुद्दों को सहज रूप से समझने की क्षमता अक्सर कुंद हो जाती है। वे धर्मनिरपेक्षता का चोला गलत तरीके से पहनते हैं। उनमें से कई गुप्त रूप से उन लोगों के बारे में दयाभाव रखते हैं जो स्थानीय माध्यम में पढ़ाए जाते हैं जो अंग्रेजी नहीं बोल सकते हैं।

आजादी के बाद, कांग्रेस राजनीतिक मास्टर स्ट्रोक में, हिंदू राष्ट्रवादी उत्साह के एक हिस्से को दिशा दे सकती थी, अगर गांधी भारत के पहले प्रधानमंत्री के रूप में जवाहरलाल नेहरू के बजाय लौह इच्छाशक्ति वाले वल्लभभाई पटेल को चुनने के लिए सहमत हो गए होते। अभिजात वर्ग ने शांत और सीधे-साधे सरदार पटेल के शेरवानी में सौम्य, शहरी, लाल-गुलाब को पसंद करना जारी रखा। टाटा समूह के बेहद सम्मानित मुखर संरक्षक जेआरडी टाटा ने राजीव मेहरोत्रा के साथ एक साक्षात्कार में बताया कि वह नेहरू से प्यार करते हैं और उनकी प्रशंसा करते हैं। उन्होंने स्पष्ट रूप से यह भी स्वीकार किया कि नेहरू अर्थशास्त्र के बारे में बहुत कम जानते थे और उन्हें टाटा के साथ इस विषय पर चर्चा करने में भी कोई दिलचस्पी नहीं थी, इसके बजाय उन्होंने अपने बगीचे में खिड़की से बाहर देखा, जहां एक विशाल पांडा था। टाटा ने कहा कि अगर पटेल युवा होते और उन्हें प्रधानमंत्री चुना जाता तो चीजें काफी अलग हो सकती थीं।

अंश 4:

लंबे समय तक अस्वीकार्य रहने के बाद जब श्री मोदी आखिरकार एक नियति बन गए तो भी अभिजात वर्ग को विश्वास था कि नई दिल्ली गांधीनगर नहीं है। उन्हें लगता था पहली बार संसद सदस्य बनने वाले श्री मोदी ने अपने मूल गुजरात पर प्रभुत्व स्थापित किया होगा, लेकिन जल्द ही उन्हें पता चल जाएगा कि देश पर शासन करना पूरी तरह से एक अलग है। नॉर्थ ब्लॉक में नौकरशाही के चक्रव्यूह से गुजरना या दूसरे देशों से निपटना श्री मोदी की क्षमता से परे साबित होगा। तेरह साल तक गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में उनका प्रशासनिक अनुभव केंद्र सरकार चलाने के लिए अपर्याप्त साबित होगा। न तो पश्चिमी शक्तियों और न ही इस्लामी देशों ने उन्हें मंजूरी दी। उनकी अंग्रेजी बोलने की क्षमता इतनी अच्छी नही थी और उस स्तर के तौर-तरीकों का अनुभव भी उनके पास नहीं था। उनका कट्टरपंथ उन पर बहुत उल्टा पड़ेगा। श्री नरेन्द्र मोदी का प्रधानमंत्री बनना एक आपदा थी। अभिजात वर्ग ने श्री मोदी के असफल होने का इंतजार किया।

विडंबना यह है कि श्री मोदी के कुछ प्रतिबद्ध समर्थक भी इस बात को लेकर आशंकित थे कि वह कैसा प्रदर्शन करेंगे। शीर्ष पद के लिए दरकिनार किए जाने से नाराज भाजपा के अपने कुछ वरिष्ठ नेता गुप्त रूप से उम्मीद कर रहे थे कि वह सफल नहीं होंगे। 2014 के अभियान के दौरान पश्चिमी मीडिया भी पीछे नहीं था और उनके चुने जाने के बाद भी, उनके बारे में अत्यधिक आलोचनात्मक संपादकीय और लेख लिखे गए थे। टाइम मैगजीन का हेडलाइनः श्री मोदी का मतलब बिजनेस है, लेकिन क्या वह भारत का नेतृत्व कर सकते हैं? चुनाव की पूर्व संध्या पर लंदन के द इकोनॉमिस्ट ने एक संपादकीय लिखा, जिसका शीर्षक थाः क्या कोई नरेन्द्र मोदी को रोक सकता है?

हालांकि, भारत भाग्य विधाता और श्री मोदी की जगत जननी की कुछ और ही योजनाएं थीं। प्रत्येक आशंका गलत साबित हुई। कार्यालय में पहले सौ दिनों के बाद, हवा अभिजात वर्ग के पाल से बाहर निकल गई थी।

उन सौ दिनों में श्री मोदी ने नौकरशाही की परतों को कम किया, सरकारी अधिकारियों के लिए बायोमेट्रिक उपस्थिति लागू की और गांधी की जयंती के अवसर पर स्वच्छ भारत मिशन शुरू किया। उन्होंने पहले दिन 15 मिलियन बैंक खातों के साथ जन धन योजना का उद्घाटन किया, औद्योगिक गलियारों, स्मार्ट शहरों और गांवों में ब्रॉडबैंड कनेक्टिविटी पर नीतिगत पहलों की घोषणा की। प्रत्यक्ष विदेशी निवेश के प्रवाह को बढ़ाने के लिए उपाय शुरू किए गए और निवासी भारतीयों के विदेशी खातों में काले धन की वसूली के लिए एक एसआईटी का संचालन किया। दुनिया के देशों ने उन्हें यात्रा के लिए आमंत्रित करने के लिए एक-दूसरे के साथ प्रतिस्पर्धा की, इनमें वे भी शामिल थे जिन्होंने पहले उन्हें वीजा देने से मना कर दिया था। इस तरह के व्यक्तिगत अपमान के बावजूद, श्री मोदी ने अमेरिका यात्रा निमंत्रण को गर्मजोशी से स्वीकार कर लिया।

अपने कार्यकाल के 12 महीने पूरे होने पर, श्री नरेन्द्र मोदी श्री मोदी ने स्वतंत्र अंतरराष्ट्रीय सेवा प्रदाताओं द्वारा किए गए सर्वेक्षणों में रिकॉर्ड अनुमोदन रेटिंग प्राप्त की। इसमें दिखाया गया कि 87 प्रतिशत भारतीयों ने श्री मोदी के पक्ष में राय व्यक्त की, 68 प्रतिशत ने उन्हें 'बहुत अनुकूल' रेटिंग दी और 93 प्रतिशत ने उनकी सरकार को मंजूरी दी। जुलाई 2025 में, आधिकारिक मॉर्निंग कंसल्ट सर्वे के अनुसार, श्री नरेन्द्र मोदी को वैश्विक स्तर पर सभी लोकतांत्रिक रूप से चुने गए नेताओं के बीच उच्चतम अनुमोदन रेटिंग मिली, जो लगातार 11 वर्षों तक कार्यालय में रहने के बाद 75 प्रतिशत की अनुमोदन रेटिंग के साथ सभी पर हावी थे।

द इकोनॉमिस्ट को आखिरकार अपने सवाल का जवाब मिल गया और उसे बार-बार श्री मोदी के लिए अपनी प्रशंसा दर्ज करनी पड़ी। श्री मोदी ने 'पर्सन ऑफ द ईयर' के लिए टाइम पत्रिका के ऑनलाइन रीडर्स पोल में ओबामा और ट्रंप को पीछे छोड़ते हुए लाखों वोट हासिल किए।

श्री मोदी की असाधारण क्षमताओं और प्रतिबद्धता के साथ, सभी बाधाओं के खिलाफ यह अलौकिक प्रदर्शन निरंतर दैवीय सुरक्षा के बिना संभव नहीं होता, जो श्री नरेन्द्र मोदी को भारत के भाग्य को नियंत्रित करने वाली ताकतों से प्राप्त होती है।

उनके गुण और योग्यता चाहे जो भी हों, अभिजात वर्ग को न केवल श्री नरेन्द्र मोदी से, बल्कि वल्लभभाई पटेल और मोरारजी देसाई जैसे लोगों से भी लगातार परेशानी रही है। लोगों की नब्ज जानने वाले मिट्टी के एक देहाती बेटे को अभिजात वर्ग पचा नहीं सकता। भारत के बहुत ही अल्पकालिक प्रधानमंत्रियों में वीपी सिंह और आईके गुजराल अभिजात वर्ग के लिए स्वीकार्य थे, लेकिन चरण सिंह या चंद्रशेखर या देवगौड़ा नहीं। एक व्यक्ति जिसने उच्च स्तरीय अंग्रेजी शिक्षा प्राप्त नहीं की है या जो स्थानीय भाषा के उच्चारण के साथ भाषण देता है, उसे हेय दृष्टि से देखा जाता है। वे सोचते हैं, यह हम में से कोई भी नहीं है।

अंश 5:

अभिजात वर्ग एक तरफ हिंदू सांस्कृतिक राष्ट्रवाद और दूसरी ओर अल्पसंख्यक को निशाना बनाने वाले उग्र सांप्रदायिकता के बीच अंतर नहीं कर सकता है। अभिजात वर्ग का मानना है कि धर्म की छाया देश के आसपास कहीं भी नहीं पड़नी चाहिए। अगर 2002 के दंगे कभी नहीं हुए होते, तब भी वे श्री नरेन्द्र मोदी के विरोधी होते। श्री मोदी की तीसरी चुनावी सफलता के बाद अब जाकर अभिजात वर्ग को एहसास हुआ है कि देश श्री मोदी को चाहता है।

अभिजात वर्ग को अभी भी इस बात का एहसास नहीं है कि श्री मोदी से परे भी, देश चाहता है कि उसका प्रधानमंत्री राष्ट्रवादी हो और हिंदू राष्ट्र का एक सभ्यतागत और सांस्कृतिक जीवन शैली के रूप में उभरना निश्चित है।

उन्हें यह भी एहसास नहीं है कि विडंबना यह है कि अल्पसंख्यक इस तरह की व्यवस्था के तहत सबसे अधिक सुरक्षित और आश्वस्त महसूस करते हैं। यह हाल के चुनावों में मुस्लिम वोटों में भाजपा की बढ़ती हिस्सेदारी से परिलक्षित होता है।

एक राष्ट्रवादी नेता जो एक मंदिर में भगवान राम की पूजा करता है, कन्याकुमारी में ध्यान करता है, और नवरात्रि के दौरान उपवास करता है, इससे उन्हें शर्मिंदगी होती है। सच्चाई यह है कि अभिजात वर्ग का यह वर्ग देश के वैचारिक धरातल पर एक निराशाजनक सूक्ष्म-अल्पसंख्यक में तेजी से बढ़ रहा है।

अंश 6:

श्री नरेन्द्र मोदी औसत मुसलमान की सोच में बहुत बड़ा बदलाव लाये है। श्री मोदी के 11 साल बाद मुसलमानों को इस बात का भरोसा हो रहा है कि श्री मोदी उनकी भी उतनी ही रक्षा करेंगे जितनी किसी अन्य भारतीय नागरिक ने की है। जैसे-जैसे भारतीय मुसलमानों की साक्षरता दर और शिक्षा के स्तर में लगातार सुधार हो रहा है, वे स्पष्ट रूप से पाकिस्तान को दुश्मन के रूप में देखना शुरू कर रहे हैं, न कि दोस्त के रूप में। श्री मोदी राष्ट्र की सेवा में देशभक्त मुसलमानों की सेवाओं को उजागर करने का एक भी अवसर नहीं छोड़ते हैं, चाहे बात नागरिकों की हो या सशस्त्र बलों की।

अनुच्छेद 370 को निरस्त करने या नागरिकता संशोधन अधिनियम के अधिनियमन या राम मंदिर के निर्माण जैसे निर्णय किसी भी तरह से देश में आम मुसलमानों के अधिकारों और हितों पर प्रतिकूल प्रभाव या पूर्वाग्रह नहीं डालते हैं। उनके मौलिक अधिकारों को भारत के संविधान के तहत पर्याप्त रूप से संरक्षित किया गया है और सर्वोच्च न्यायालय और उच्च न्यायालयों द्वारा लागू किया गया है। इसी तरह, एक सभ्यतागत और सांस्कृतिक इकाई के रूप में हिंदू राष्ट्र की ओर कोई भी कदम, और जब तक कि यह एक धर्मशासित राज्य नहीं है, भारतीय मुसलमानों के हितों के लिए प्रतिकूल नहीं है। जहां तक देश का संबंध है, आर्थिक, वित्तीय या धन के मामलों में उसके साथ कोई भेदभाव नहीं किया गया है। हालांकि इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता है कि उन्हें दैनिक जीवन में सामाजिक पूर्वाग्रह और भेदभाव का सामना करना पड़ता है, हालांकि, यह उन्हें देश में दोयम दर्जे का नागरिक नहीं बनाता है।

अंश 7:

इन सभी वर्षों में, धर्मनिरपेक्षता को नकारने या कहे के रूप में गलत समझा गया, नसबंदी का इतिहास, अल्पसंख्यकों का तुष्टीकरण, आर्थिक लाभ और नौकरी में आरक्षण, पाकिस्तान से उकसावे के लिए कमजोर प्रतिक्रिया, राजनीतिक शुद्धता को दबाना और जीवन के एक तरीके के रूप में हिंदू धर्म से विरोध। भारतीय राजनीतिक स्पेक्ट्रम अब इस मुद्दे पर विभाजित नहीं होगा। राष्ट्रीय सोच में इस परिवर्तनकारी बदलाव का श्रेय श्री नरेन्द्र मोदी को दिया जाएगा।

दूसरी ओर, श्री मोदी ने अपने कार्यों को भी ईमानदारी से पूरा किया है जो अल्पसंख्यकों को प्रभावित करते हैं। श्री नरेन्द्र मोदी के बारे में भारतीय मुसलमानों और भारतीय ईसाइयों, विशेष रूप से महिलाओं के दिमाग से गलत धारणाएं कम की जा रही हैं। कोई भी भारत के कल्याणकारी राज्य द्वारा मामूली भेदभाव का आरोप नहीं लगा सकता है, जो धर्म तटस्थ है। श्री मोदी के शासन में सांप्रदायिक शांति भी आदर्श रही है, इसमें एक भी बड़ी या अधिक सांप्रदायिक हिंसा नहीं हुई है। भाजपा का अल्पसंख्यक वोट शेयर देश भर में बढ़त बना रहा है। मुसलमानों के बीच श्री मोदी की व्यक्तिगत लोकप्रियता बढ़ रही है। मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री के रूप में, आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के लिए उनके द्वारा लागू किए गए प्रत्येक उपाय ने सभी समुदायों को समान रूप से लाभान्वित किया है। उनकी सरकार का कोई भी उपाय या योजना कभी भी मुख्य रूप से हिंदुओं को लाभ पहुंचाने के लिए तैयार नहीं की गई है। सहारनपुर की जुबैदा को वही लाभ मिलते हैं जो उसकी पड़ोसी राधा को मिलती है। कोई भी इस बात से मना नहीं कर सकता कि भारत में कल्याणकारी राज्य धर्म-तटस्थ है।

इसलिए धीरे-धीरे और भीतरी रूप से भारतीय मुसलमानों की सोच बदल रही है। उनका कट्टरपंथी धार्मिक प्रचारकों से मोहभंग हो रहा है। उन्हें लगता है कि धार्मिक प्रचारकों ने नफरत फैलाने के अलावा अपने जीवन को बेहतर बनाने के लिए कुछ नहीं किया है। जबकि श्री नरेन्द्र मोदी ने निश्चित रूप से उनके जीवन को बेहतर बनाया है। बिना किसी भेद-भाव आर्थिक सहायता, रसोई गैस सिलेंडर, मासिक धन-राशि सीधे उनके खाते में जमा हाने से लेकर सभी प्रकार के लाभ उन्हें अपने हिंदू पड़ोसियों की तरह मिल रहे हैं।

संपादकीय

जब विकास एक्सप्रेस-वे पर दौड़ रहा है, गर्भवती महिला बैलगाड़ी पर क्यों?

पिछले कुछ वर्षों से हर तरफ विकास एक नारे के रूप में चर्चा का केंद्रीय विषय बना हुआ है। देश के दूरदराज के इलाकों में रहने वाले लोगों को जिस स्तर की परेशानियां होती रही हैं, उसमें यह स्वाभाविक ही है कि उनके भीतर भी अपने क्षेत्र में सड़क, परिवहन, अस्पताल और स्कूल आदि की सुविधाएं उपलब्ध होने की उम्मीद हो। मगर जब राजनीतिक दलों के भीतर विकास के सिर्फ नारे के जरिए ही जनता का समर्थन हासिल करना एक मकसद रह गया हो, तो जमीनी हकीकत त्रासद ही होगी।उत्तर प्रदेश के हमीरपुर जिले में एक गर्भवती महिला को आपात स्थिति में पानी और कीचड़ से भरी कच्ची सड़क पर बैलगाड़ी के सहारे अस्पताल लेकर जाने की खबर यह बताती है कि विकास और चमकती अर्थव्यवस्था के शोर में कई तकलीफदेह सच्चाइयां दबी रह जाती हैं।अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि प्रसव पीड़ा का सामना करती महिला को अस्पताल ले जाने के लिए एंबुलेंस को बुलाया भी गया, तो वह बेहद खराब सड़क और कीचड़ की वजह से नहीं पहुंच पाई। मजबूरन दलदली और ऊबड़-खाबड़ रास्ते को तीन घंटे में पार कर एक बैलगाड़ी के जरिए महिला को सात किलोमीटर दूर स्थित स्वास्थ्य केंद्र ले जाना पड़ा।जिस दौर में आए दिन देश और कुछ राज्यों में एक्सप्रेस-वे जैसी चमकदार और अंतरराष्ट्रीय स्तर की निर्बाध सड़कों का हवाला देकर विकास के तेज गति से आगे बढ़ने के दावे किए जा रहे हैं, शहर से लेकर ग्रामीण इलाकों में स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचा देने और सबको स्वस्थ रखने के लिए उपाय करने का प्रचार किया जा रहा हैं, ऐसे में हमीरपुर की घटना एक आईने की तरह सबके सामने खड़ी है। जैसी सड़कें और सभी आधुनिक संसाधनों वाले अस्पतालों के बरक्स किसी अन्य हिस्से में एंबुलेंस के पहुंचने लायक भी सड़क नहीं होना और आपात स्थिति में पहुंची गर्भवती महिला के सामने कोई चिकित्सा सुविधा हासिल करने के लिए सात किलोमीटर दूर जाने की नौबत आना आखिर क्या दर्शाता है? संसाधनों और सुविधाओं के मामले में अलग-अलग हिस्सों के बीच ऐसी खाई के रहते क्या किसी भी स्तर पर समावेशी विकास का दावा किया जा सकता है?

अब हालात धीरे-धीरे बदलते दिखाई दे रहे हैं। हाल के महीनों में दोनों देशों की सरकारों ने संवाद बहाल करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की हैं। द्विपक्षीय वार्ता के पुनः प्रारंभ होने से यह संकेत मिला है कि भारत और कनाडा अब अपने मतभेदों को पीछे छोड़कर सहयोग की नई राह पर चलना चाहते हैं। भारत और कनाडा के बीच संबंध ऐतिहासिक रूप से सौहार्दपूर्ण रहे हैं। दोनों देश लोकतांत्रिक मूल्यों, बहुसांस्कृतिक समाज और वैश्विक सहयोग की समान विचारधारा साझा करते हैं। लेकिन पिछले कुछ वर्षों में यह संबंध राजनीतिक मतभेदों और कुछ विवादास्पद घटनाओं के कारण तनावपूर्ण दौर से गुज़रा। इसका सबसे अधिक प्रभाव उन आम भारतीय नागरिकों, छात्रों और पेशेवरों पर पड़ा जो कनाडा में अपनी शिक्षा और रोज़गार के माध्यम से जीवन निर्माण कर रहे हैं।

भारत-कनाडा संबंधः सुधार की दिशा में नई पहल और संभावनाएँ

(मुनीष भाटिया)

अब जब दोनों देशों के बीच संबंध सुधार की दिशा में नई पहल दिखाई दे रही हैं, तो उम्मीद की किरण फिर से जाग उठी है।

भारत-कनाडा संबंधों में गिरावट की मुख्य वजह रही कनाडा में सक्रिय राष्ट्र विरोध का मुद्दा। भारत ने लगातार यह चिंता जताई कि कनाडा की भूमि का उपयोग भारत-विरोधी गतिविधियों के लिए किया जा रहा है। इस विषय पर कई बार राजनयिक स्तर पर असहमति और बयानबाजी हुई, जिसने द्विपक्षीय संवाद को प्रभावित किया। स्थिति तब और तनावपूर्ण हुई जब कुछ राजनीतिक समूहों ने कनाडा में देश द्रोही समर्थक प्रदर्शन और हिंसक गतिविधियां आयोजित कीं। भारत की नजर में यह न केवल उसकी आंतरिक सुरक्षा में हस्तक्षेप था, बल्कि द्विपक्षीय विश्वास को भी कमजोर करने वाला कदम। इन घटनाओं के चलते उच्च-स्तरीय वार्ता ठप पड़ गईं, निवेश और व्यापारिक समझौतों की गति धीमी हो गई, और शिक्षाङ्कवीज़ा जैसे विषयों पर भी अप्रत्यक्ष असर पड़ा। हजारों भारतीय छात्र जो कनाडा में पढ़ाई या नौकरी की तलाश में थे, उन्हें वीज़ा प्रक्रियाओं में कठिनाइयों का सामना करना पड़ा।

अब हालात धीरे-धीरे बदलते दिखाई दे रहे हैं। हाल के महीनों में दोनों देशों की सरकारों ने संवाद बहाल करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की हैं। द्विपक्षीय वार्ता के पुनः प्रारंभ होने से यह संकेत मिला है कि भारत और कनाडा अब अपने मतभेदों को पीछे छोड़कर सहयोग की नई राह पर चलना चाहते हैं। सबसे उल्लेखनीय परिवर्तन यह है कि कनाडा सरकार ने भारत की सुरक्षा चिंताओं को अधिक गंभीरता से लेना शुरू किया है। आतंकी संगठनों की गतिविधियों पर निगरानी और नियंत्रण के संकेत मिले हैं। यह कदम न केवल भारत के हित में है, बल्कि कनाडा के अपने सामाजिक ताने-बाने की स्थिरता के लिए भी आवश्यक है। आतंक किसी भी लोकतंत्र के लिए घातक होता है – और यदि कनाडा इस दिशा में ठोस कार्रवाई करता है, तो यह संबंधों में भरोसे का नया अध्याय खोलेगा।

भारत और कनाडा के बीच व्यापारिक संबंध लंबे समय से परस्पर लाभकारी रहे हैं। कृषि, तकनीकी, शिक्षा, ऊर्जा और खनन जैसे क्षेत्रों में दोनों देशों के बीच सहयोग की अपार संभावनाएं हैं। भारतीय आईटी कंपनियां और स्टार्टअप कनाडा में अपनी उपस्थिति मजबूत कर रहे हैं, वहीं कनाडाई कंपनियाँ भारत के विशाल बाजार में निवेश बढ़ा रही हैं। 2023ङ्क24 के दौरान राजनीतिक तनाव के चलते व्यापारिक गतिविधियां प्रभावित हुईं। कई कंपनियों ने निवेश योजनाएं रोक दीं और दोनों देशों के बीच निर्यात-आयात में गिरावट दर्ज की गई। लेकिन अब सुधार की दिशा में उठाए जा रहे कदम इन अड़चनों को दूर करने की क्षमता रखते हैं। जैसे ही राजनीतिक स्थिरता बढ़ेगी, निवेश का माहौल बेहतर होगा और नए व्यापारिक समझौते संभव होंगे।

कनाडा भारतीय छात्रों के लिए सबसे पसंदीदा शैक्षणिक गंतव्यों में से एक है। वर्तमान में लगभग तीन लाख से अधिक भारतीय छात्र वहाँ अध्ययन कर रहे हैं। इसके अलावा बड़ी संख्या में भारतीय पेशेवर वर्क वीजा पर कनाडा में कार्यरत हैं। इन छात्रों और कामगारों ने दोनों देशों के बीच न केवल आर्थिक बल्कि सांस्कृतिक पुल भी बनाया है। हालांकि, संबंधों में तनाव के चलते वीज़ा नीतियों और वर्क परमिट की प्रक्रियाओं में कठिनाई आने लगी थी। इससे छात्रों की पढ़ाई और करियर पर असर पड़ा। यदि अब संबंधों में स्थिरता आती है, तो वीज़ा प्रक्रिया सुचारू होगी, शैक्षणिक अवसर बढ़ेंगे, और पेशेवर सहयोग के नए रास्ते खुलेंगे।

भारत और कनाडा के बीच मानव संबंधों की जड़ें गहरी हैं। कनाडा में चौदह लाख से अधिक भारतीय मूल के लोग रहते हैं जो कनाडा के सामाजिक और आर्थिक जीवन में सक्रिय भूमिका निभाते हैं। ये प्रवासी समुदाय दोनों देशों के बीच सेतु का काम करता है। जब राजनीतिक माहौल शांत होता है, तो इस प्रवासी भारतीय समुदाय के लिए अवसर भी बढ़ते हैं और दोनों देशों के बीच सांस्कृतिक जुड़ाव मजबूत होता है। भारत-कनाडा संबंधों का सुधार केवल एक राजनीतिक आवश्यकता नहीं, बल्कि दोनों देशों के नागरिकों की साझा आकांक्षा है। स्थिर और सहयोगी संबंध शिक्षा, रोजगार और व्यापार के अवसरों को बढ़ाते हैं, जबकि उग्रवाद और अविश्वास केवल नुकसान पहुंचाते हैं। यदि दोनों देश आपसी सम्मान और सुरक्षा चिंताओं को प्राथमिकता देते हुए आगे बढ़ते हैं, तो यह साझेदारी वैश्विक स्तर पर भी एक आदर्श उदाहरण बन सकती है। आगामी वर्षों में उम्मीद की जा सकती है कि भारत और कनाडा आतंकवाद के विरुद्ध साझा नीति अपनाएँगे, व्यापारिक समझौतों को नई गति देंगे और शिक्षा व तकनीकी सहयोग के क्षेत्र में नई ऊंचाइयां प्राप्त करेंगे।

भारत-कनाडा संबंधों का सुधार एक सकारात्मक संकेत है, जो केवल राजनीतिक लाभ तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि छात्रों, कामगारों, निवेशकों और आम नागरिकों के जीवन में भी स्थिरता, अवसर और विकास लेकर आएगा। यदि कनाडा खालिस्तानी तत्वों पर ठोस कार्रवाई कर, भारत की चिंताओं को दूर करता है, तो यह न केवल राजनीतिक तनाव कम करेगा बल्कि विश्वास, सहयोग और साझेदारी के नए युग की शुरुआत भी करेगा। (इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

राफेल से उड़ान भरकर राष्ट्रपति मुर्मू ने सिर्फ इतिहास नहीं रचा है बल्कि महिलाओं और आदिवासी समाज को गौरव से भर दिया है

(नीरज कुमार दुबे)

राष्ट्पति ने उड़ान के बाद अपने विचार व्यक्त करते हुए आगंतुक पुस्तिका में लिखा– 'राफेल विमान में उड़ान भरना मेरे लिए अविस्मरणीय अनुभव है। इससे मुझे राष्ट की रक्षा क्षमता पर गर्व की नई अनुभूति हुई है।

29 अक्टूबर 2025 का दिन भारतीय वायुसेना और पूरे राष्ट के लिए एक विशेष दिन के रूप में याद किया जाएगा। भारत की राष्टपति और सशस्त्र बलों की सर्वोच्च कमांडर श्रीमती द्रौपदी मुर्मू ने हरियाणा के अंबाला वायुसेना स्टेशन से राफेल लड़ाकू विमान में उड़ान भरकर इतिहास रच दिया। यह वही अंबाला एयरबेस है, जहां फ्रांस से आए राफेल विमानों की पहली खेप उतरी थी। लगभग 30 मिनट तक चली इस उड़ान में राष्टपति ने करीब 200 किलोमीटर की दूरी तय की, जो 15,000 फीट की ऊँचाई और लगभग 700 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार पर संपन्न हुई। विमान को 17 स्क्वाड्रन के कमांडिंग ऑफिसर ग्रुप कैप्टन अमित गहाणी ने संचालित किया। राष्टपति ने उड़ान के बाद अपने विचार व्यक्त करते हुए आगंतुक पुस्तिका में लिखा– राफेल विमान में उड़ान भरना मेरे लिए अविस्मरणीय अनुभव है। इससे मुझे राष्ट की रक्षा क्षमता पर गर्व की नई अनुभूति हुई है। इस प्रकार, यह केवल एक प्रतीकात्मक उड़ान नहीं थी, बल्कि राष्ट के आत्मविश्वास, सामरिक शक्ति और नागरिक गर्व का सशक्त संदेश थी। हम आपको बता दें कि राफेल भारत की सामरिक शक्ति का आधुनिक प्रतीक है। 4.5 पीढ़ी का यह मल्टीरोल लड़ाकू विमान वायुसेना की परिचालन क्षमता को कई गुना बढ़ाता है। राष्टपति का राफेल में उड़ान भरना एक औपचारिक या औपचारिकता-भर कदम नहीं, बल्कि यह संकेत है कि राष्ट के सर्वोच्च संवैधानिक पद पर आसीन व्यक्ति देश की रक्षा तैयारियों पर पूर्ण विश्वास व्यक्त कर रहा है। भारत की राष्टपति, जो संवैधानिक रूप से सशस्त्र बलों की सर्वोच्च कमांडर हैं, उनका ऐसे लड़ाकू विमानों में उड़ान भरना सैन्य बलों के मनोबल को बढ़ाता है। साथ ही यह एक स्पष्ट संदेश है कि भारत अपने रक्षात्मक ढाँचे को लेकर न केवल सजग है, बल्कि उस पर गर्व भी करता है। राफेल जैसे अत्याधुनिक विमान में राष्टपति की उपस्थिति से अंतरराष्टीय समुदाय को भी यह संदेश जाता है कि भारत अपनी सीमाओं की सुरक्षा और वायु सामर्थ्य के मामले में किसी भी चुनौती से पीछे हटने वाला नहीं है। इसके अलावा, राष्टपति द्रौपदी मुर्मू का व्यक्तित्व स्वयं में संघर्ष, सादगी और उपलब्धि का प्रतीक है। ओडिशा के एक छोटे आदिवासी परिवार से निकलकर देश के सर्वोच्च संवैधानिक पद तक पहुँचना अपने आप में प्रेरक कथा है। जब वह सुखोई-30 एमकेआई (2023) के बाद अब राफेल जैसे उच्च तकनीकी लड़ाकू विमान में उड़ान भरती हैं, तो यह दृश्य करोड़ों महिलाओं और आदिवासी युवाओं के लिए आत्मबल और आत्मविश्वास का स्रोत बनता है।

विशेष रूप से महिलाओं के लिए यह संदेश अत्यंत सशक्त है कि राष्ट की सुरक्षा, तकनीकी शक्ति और निर्णय क्षमता के क्षेत्र में अब लैंगिक भेद की दीवारें टूट चुकी हैं। एक महिला राष्टपति का अत्याधुनिक लड़ाकू विमान में उड़ान भरना इस बात का प्रमाण है कि महिलाएँ अब केवल 'संवेदनशीलता' का प्रतीक नहीं, बल्कि 'साहस' और 'संकल्प' की मिसाल भी हैं।

आदिवासी समाज के लिए यह गौरव का क्षण है। दशकों से समाज के हाशिए पर रहे तबकों के लिए यह दृश्य 'राष्टीय मुख्यधारा में समान भागीदारी' की अभिव्यक्ति है। जब देश की सर्वोच्च नेता आदिवासी समुदाय से आती हैं और आधुनिकतम सैन्य तकनीक के बीच आत्मविश्वास से भरी दिखाई देती हैं, तो यह सामाजिक मनोविज्ञान को गहराई से प्रभावित करता है। इससे यह संदेश जाता है कि अब कोई भी पृष्ठभूमि प्रगति और नेतृत्व की राह में बाधा नहीं बन सकती। इसके अलावा, राष्टपति का यह कदम केवल सैन्य प्रतीक नहीं, बल्कि एक राष्टनैतिक वक्तव्य भी है। यह भारत की आत्मनिर्भरता और तकनीकी प्रगति के मार्ग पर विश्वास का उद्घोष है। नारी शक्ति और जनजातीय गौरव को केंद्र में रखकर यह दृश्य भारत के बदलते समाज की नई कहानी कहता है– जहाँ संवैधानिक गरिमा, तकनीकी श्रेष्ठता और सामाजिक समावेशन का संगम दिखाई देता है। साथ ही, भारतीय वायुसेना के लिए यह अवसर आत्मगौरव का भी है। एक राष्टपति के रूप में द्रौपदी मुर्मू का राफेल में उड़ान भरना वायुसेना के प्रशिक्षण, अनुशासन और तकनीकी दक्षता पर सर्वोच्च विश्वास का प्रमाण है। यह संदेश सैन्य परंपरा की निरंतरता और आधुनिकता के मेल का है– जहाँ संवैधानिक संस्थाएँ और सशस्त्र बल एकजुट होकर राष्ट सुरक्षा को प्राथमिकता देते हैं। राष्टपति मुर्मू का यह कदम भारत के उन तमाम युवाओं को भी प्रेरित करेगा जो रक्षा सेवाओं में योगदान देने का सपना देखते हैं। जब देश की प्रथम नागरिक स्वयं युद्धक विमान में उड़ान भरती हैं, तो यह युवाओं के भीतर 'कर्तव्य', 'साहस' और 'सेवा' के आदर्श को पुनः जीवंत करता है। बहरहाल, द्रौपदी मुर्मू का राफेल में उड़ान भरना मात्र एक प्रतीकात्मक घटना नहीं, बल्कि एक युगबोध है। यह उस भारत की कहानी है जो अपनी परंपरा को सम्मान देता है, आधुनिकता को अपनाता है और समावेशन को अपनी शक्ति बनाता है।यह उड़ान एक संदेश है-भारत की नारी अब आकाश की सीमा तक पहुँच चुकी है,आदिवासी समाज अब राष्टीय गौरव की धारा में अग्रणी है और भारत की सुरक्षा व संप्रभुता पर देश का सर्वोच्च नेतृत्व स्वयं प्रहरी बनकर खड़ा है। यही है नई भारत की उड़ान– आत्मगौरव, समावेश और सामर्थ्य की उड़ान।(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

वर्ग पहेली 5898

1	2	■	3	4	■	5	6
7		8			■	9	
■	10			■	11		
12			■	13		■	■
	■	14		■	15		16
17	18		■	19		■	
20		■	■	21			■
22		■	23			■	■

संकेतः बाएं से दाएं

1. विश्व में सबसे अधिक विदेशी मुद्रा कोष इस देश में है (2)
3. फिजी देश में 332 द्वीप है इस द्वीपों में सबसे बड़ा द्वीप वितिलेवु है इसी द्वीप पर इस देश की राजधानी है (2)
5. पुराणानुसार ययाति के पुत्र जिन्होंने अपना यौवन अपने पिता को दे दिया (2)
7. वह गद्य या पद्य का लेख जो किसी विजय के सुअवसर पर लिखा जाए (5)
9. अधर, ओंठ, होष्ठ (2)
10. परवरिश करना (3)
11. एडवोकेट, प्रतिपादक, बैरिस्टर (3)
12. मांडी, स्टार्च (3)
13. हकीकत, यथार्थ, सत्य (2)
14. ठिगना, छोटे कद का (2)
15. जुकाम, सर्दी (3)
17. लोगों का जमावाड़ा, जमघट (3)
19. द्वीप, जमीन का वह भाग जो चारों ओर जल से घिरा हो (2)
20. घोड़े आदि की पीठ पर रखने की गद्दी, काठी (2)
21. पहाड़, गिरि, ऊंचा ढेर (3)
22. कमजोर, सप्ताह (2)
23. भगवान शिव का धनुष (3)

ऊपर से नीचे

1. महाप्रबंधक, मुख्य, प्रधान (2)
2. शरणदाता, आश्रयदाता, प्रणतपाल (4)
3. श्रवण करना, बुरा-भला कहना (3)
4. पत्नी, लक्ष्मी, मनोहारिणी स्त्री (2)
5. जिसे रोमांच हुआ हो (3)
6. यह मुद्रा रूस देश में प्रचलित है (3)
8. ऐसा कागज जिस पर कोई बात शपथपूर्वक लिखी जाए, शपथपत्र (5)
11. वचपबद्धता, वचन से, वाचा (6)
12. कलम चलाकर अपनी आजीविका चलाने वाला (5)
16. मुनाफा, प्राप्ति, मिलना (2)
18. जन्म देने वाला, पिता (3)
19. टाप मारना, जिससे टप-टप शब्द हो (2)

वर्ग पहेली 5897 का हल

सा	न्या	■	का	मा	य	नी	■
द	य	नी	य	■	म	म	ता
र	■	र	म	णी	क	■	ना
■	सा	ज	■	■	■	मा	शा
रा	ब	■	खु	■	वि	र	ह
स	र	प	र	स्त	■	को	■
क	म	ल	■	र	ज	नी	श
■	ती	■	जी	■	ल	■	शि

आप तेल ले तो ठीक, हम लें तो, अमेरिका-ब्रिटेन-जर्मनी की बोलती बंद कर दी भारत ने

(अभिनय आकाश)

पीयूष गोयल ने बर्लिन ग्लोबल डॉयलाग में अमेरिका और ब्रिटेन की बोलती बंद कर दी है। उन्होंने साफ किया कि आप तेल लो तो ठीक और हम ले तो ये कैसे खराब हो गया। गोयल की बात सुन पश्चिमी देश सन्न रह गए।

जर्मनी के बर्लिन में हुई एक अंतरराष्ट्रीय बैठक में सैकड़ों कैमरों के सामने भारत के वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल की उपस्थिति होती है। उनके सामने अमेरिका, ब्रिटेन और यूरोप के बड़े नेताओं की मौजूदगी होती है। तभी पीयूष गोयल के एक बयान से पूरा हॉल खामोश हो जाता है। उन्होंने साफ कहा कि माथे पर बंदूक रखकर हम काम नहीं करते। एक पल के लिए सबके चेहरे खामोश हो जाते हैं। ये महज एक जवाब भर नहीं था बल्कि भारत का सख्त रूख भी था। जो किसी दबाव में नहीं झुकता। अब पीयूष गोयल ने बर्लिन ग्लोबल डॉयलाग में अमेरिका और ब्रिटेन की बोलती बंद कर दी है। उन्होंने साफ किया कि आप तेल लो तो ठीक और हम ले तो ये कैसे खराब हो गया। गोयल की बात सुन पश्चिमी देश सन्न रह गए।

जब से ट्रंप अमेरिका के राष्ट्रपति बने हैं तभी से तेल का खेल जारी है। ट्रंप इस समय दादा की भूमिका में हैं। उनके सहयोगी तेल लेंगे तो ठीक है लेकिन अगर कोई दूसरा ऐसा करेगा तो वो नाराज हो जाते हैं। इसका कारण अमेरिका की अपने लोगों के लिए सॉफ्ट नीति और दूसरों के लिए कड़ी नीती। चीन पर टैरिफ नहीं लगाएंगे क्योंकि वो तोकरारा जवाब देता है। इसलिए ट्रंप टैरिफ के लिए टाइम बढ़ा देते हैं और चाहते हैं कि बातचीत चलती रहे। लेकिन भारत पर बयान देना और टैरिफ लगाना हो तो ट्रंप बिना कुछ भी सोचे बोल देते हैं और टैरिफ भी लगा देते हैं। लेकिन भारत भी अमेरिका की गीदड़भभकी से अब डरने वाला नहीं है। जैसे अमेरिका चल रहा है। भारत भी वैसे ही चल रहा है।

पहले विदेश मंत्रालय ने कह दिया कि ट्रंप झूठ बोल रहे हैं और मोदी से कोई बात हुई ही नहीं और अब अपनी शर्तों पर तेल खरीदते रहेंगे। लेकिन पेंटागन और ट्रंप भारत को लेकर पूर्वाग्रह से ग्रसित हैं। वो ये चाहते हैं कि भारत तेल खरीदना बंद कर दे और इसके लिए अमेरिका हर स्तर पर भारत को घेरना चाहता है। इसके लिए वो एक ऐसे देश का सहारा ले रहा है, जिसकी हैसियत भारत के सामने कुछ भी नहीं है। भारत को घेरने के लिए पाकिस्तान को अपनी गोद में बिठाकर निशाना बना रहे हैं। लेकिन ये तो सभी को पता है कि कर्ज पर जीने वाले देश पाकिस्तान की हैसियत नहीं है कि वो कुछ कर सके। पहले ही वो पांच युद्ध हार चुका है। इधर भारत भी ठान चुका है कि वो किसी भी किस्म के दवाब में झुकने वाला नहीं है।

जर्मनी पहुंचे भारत के वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने अमेरिका और ब्रिटेन की जमकर क्लास लगाई है। गोयल ने कहा कि जब जर्मनी खुद ही अमेरिकी प्रतिबंधों से छूट मांग रहा है और ब्रिटेन को पहले ही मिल चुका है। तो भारत को क्यों निशाना बनाया जा रहा है। गोयल की ये बात सुनकर वहां मौजूद यूके की ट्रेड मंत्री क्रिस ब्रायंट ने कहा कि उनकी छूट केवल रॉसनेफ्ट की एक सहायक कंपनी के लिए है। इस पर गोयल ने पलटवार करते हुए कहा कि भारत के पास भी तो रॉसनेफ्ट की एक सहायक कंपनी है। फिर हमें क्यों? उनकी बात सुनकर बैठक में नेता कुछ देर के लिए चुप हो गए।

आज का राशिफल

मेष

आज का दिन अपने साहस और कार्यकुशलता के कारण हालात पर नियंत्रण बना लेंगे। मकर राशि में चन्द्रमा आपके ऊपर जिम्मेदारियां खड़ी करेगा। हालांकि मंगल आपके स्वामी ग्रह होने के कारण आप ऊर्जा और पराक्रम से भरपूर रहेंगे। पारिवारिक और सामाजिक उत्तर दायित्वों को पूरा करने का समय आपको मिलेगा।

वृष

आज का दिन मिश्रित परिणाम देने वाला रहेगा। राशि स्वामी शुक्र पंचम भाव में स्थित होकर आपको रचनात्मकता और बुद्धिमत्ता का वरदान देगा। राजनीति या सामाजिक क्षेत्र से जुड़े लोग अपने प्रतिद्वंदियों को पीछे छोड़ देंगे। विद्यार्थियों को परीक्षा या प्रतियोगिता में सफलता मिलने की प्रबल संभावना है।

मिथुन

आज आपको बौद्धिक और व्यावसायिक क्षेत्र में सफलता दिलाएंगे। नौकरीपेशा वर्ग को कार्य स्थल पर प्रशंसा मिल सकती है। यह समय व्यापारियों के लिए लाभकारी रहने वाला है। परिवार में खुशी का वातावरण रहेगा। संतान पक्ष की ओर से कोई शुभ समाचार प्राप्त हो सकता है।

कर्क

आज धार्मिक और शुभ कार्यों में आपकी रुचि बढ़ेगी। अभी लिया गया कोई महत्वपूर्ण निर्णय आगे चलकर लाभ देगा। मकर राशि में चंद्रमा के गोचर से कुछ विरोधी सक्रिय हो सकते हैं। जाति या श्रेणी से हीन कोई व्यक्ति अनावश्यक बाधा डाल सकता है। सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ने से नए संबंध बनेंगे।

सिंह

आज का दिन सौभाग्यशाली रहने वाला है। कार्यक्षेत्र से लेकर निजी जीवन तक हर क्षेत्र में भाग्य आपका सहयोग करेगा। विरोधियों की आपके खिलाफ साजिश असफल होगी। भौतिक सुख-सुविधाओं में वृद्धि होती दिख रही है और किसी महत्वपूर्ण वस्तु की खरीददारी भी संभव है।

कन्या

आज का दिन सफलताओं से भरा रहेगा। राशि स्वामी बुध अपने ही घर तीसरे पराक्रम भाव में स्थित हैं, जिससे आपके साहस और कार्यक्षमता में वृद्धि होगी। बड़े-बुजुर्गों की सेवा और धार्मिक कार्यों में आपकी रुचि बढ़ेगी। समाज में आपकी प्रतिष्ठा बढ़ेगी।

तुला

आज का दिन चुनौतियों से भरा रहेगा। राशि स्वामी शुक्र द्वादश भाव में और राहु षष्ठम भाव में विराजमान हैं। ऐसे में अत्यधिक परिश्रम के बावजूद आय अपेक्षा से कम हो सकती है। इस दौरान खर्चों में अचानक बढ़ोतरी से आर्थिक चिंता बढ़ेगी। गुप्त शत्रु आपके कार्यों में बाधा डालने की कोशिश करेंगे। पारिवारिक जीवन में तनाव की स्थिति बन सकती है। धैर्य और संयम अवश्य रखें।

वृश्चिक

आज का दिन महत्वाकांक्षाओं को आगे बढ़ाने वाला रहेगा। आपकी राशि पर शनि का योग और मकर राशि के चन्द्रमा का प्रभाव आपको ताजगी और ऊर्जा प्रदान करेगा। हालांकि इस दौरान चुनौतियां भी सामने आएंगी। व्यावसायिक क्षेत्र में कोई महत्वपूर्ण अनुबंध आपके पक्ष में फाइनल हो सकता है।

धनु

आज का दिन अत्यंत शुभ संकेत दे रहा है। राशि स्वामी बृहस्पति मिथुन में विराजमान हैं और चन्द्रमा धन भाव में संचार कर रहा है। इससे आर्थिक लाभ और समृद्धि के योग बन रहे हैं। राज्य से संबंधित कार्यों में सफलता मिलेगी और सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। परिवार में खुशहाली और सौहार्द का वातावरण रहेगा।

मकर

आज का दिन मिलाजुला रहने वाला है। राशि स्वामी शनि तीसरे भाव में स्थित हैं, जो परिश्रम से सफलता का संकेत दे रहा है। हालांकि चन्द्रमा द्वादश भाव में होने से अचानक कुछ खर्च सामने आ सकते हैं। आज प्रभावशाली व्यक्तियों का सानिध्य प्राप्त हो सकता है। भूमि या संपत्ति से जुड़े पुराने विवाद सुलझ सकते हैं।

कुंभ

आज का दिन आत्मविश्वास और सफलता से भरा रहेगा। शनि आपकी ही राशि में प्रथम भाव में स्थित हैं, जिससे आपके कार्यों में स्थिरता आएगी। भाग्य का मजबूत साथ मिलेगा और रुके हुए कार्य गति पकड़ेंगे। कहीं से पूर्व में दिया गया धन वापस मिलने की संभावना है। किसी वृद्ध महिला का आशीर्वाद प्राप्त हो सकता है। पारिवारिक विवाद आज समाप्त हो सकते हैं।

मीन

आज का दिन उत्कृष्ट परिणाम देने वाला है। राशि स्वामी बृहस्पति चतुर्थ भाव में होने से सुख और सम्मान में वृद्धि होगी। मकर राशि में गोचर कर रहा चन्द्रमा दशम भाव को सक्रिय कर रहा है, जिसके परिणामस्वरूप कार्यक्षेत्र में उन्नति के अवसर बढ़ेंगे। आय के नए स्त्रोत सामने आएंगे। इस दौरान आर्थिक स्थिति मजबूत होगी।

2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य के लिए समुद्री शक्ति बनना जरूरी

नई दिल्ली, एजेंसी। इंडिया मैरिटाइम वीक के दौरान श्रम व रोजगार मंत्री मनसुख मांडविया ने कहा कि भारत को 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने के लिए समुद्री क्षेत्र पर अधिक ध्यान देना होगा। उन्होंने कहा कि समुद्री क्षेत्र में पर्याप्त रोजगार सृजन की क्षमता है और पिछले 11 वर्षों में भारत में इस क्षेत्र में अच्छी प्रगति हुई है। भारत को 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने के लिए समुद्री क्षेत्र पर अधिक ध्यान देना होगा। यह बात श्रम व रोजगार मंत्री मनसुख मांडविया ने इंडिया मैरिटाइम वीक 2025 के दौरान कही। मंत्री ने दावा किया कि पुर्तगाली खोजकर्ता वास्को डी गामा ने भारत के लिए समुद्री मार्ग की खोज नहीं की थी, बल्कि उन्होंने केवल गुजराती नाविकों का अनुसरण किया था। उन्होंने कहा कि समुद्री क्षेत्र में पर्याप्त रोजगार सृजन की क्षमता है और पिछले 11 वर्षों में भारत में इस क्षेत्र में अच्छी प्रगति हुई है। मांडविया ने कहा कि भारत 18वीं शताब्दी तक एक बड़ी समुद्री शक्ति था, जिसे बाद में ब्रिटिश शासन ने नष्ट कर दिया। भारत का लगभग 95 प्रतिशत व्यापार मात्रा के हिसाब से व 70 प्रतिशत व्यापार मूल्य के हिसाब से समुद्र के रास्ते होता है। मंत्री ने कहा कि जो देश समुद्र पर राज करते हैं, वे दुनिया पर भी राज करते हैं, इसलिए सरकार जहाज निर्माण के लिए एक पारिस्थितिकी तंत्र बनाने के लिए काम कर रही है।

इथेनॉल उत्पादन के लिए कम उपयोग से बढ़ा चीनी भंडार, सरकार दे सकती है निर्यात की मंजूरी

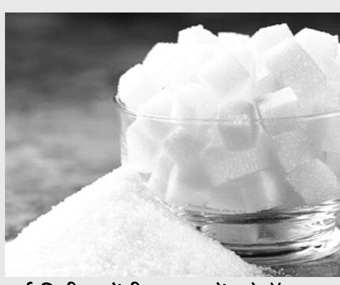

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत में इथेनॉल उत्पादन घटने से चीनी भंडार बढ़ गया है। सरकार 2025-26 विपणन वर्ष में चीनी निर्यात की मंजूरी दे सकती है। केंद्रीय खाद्य सचिव संजय चोपड़ा ने कहा कि शुरुआती स्टॉक पर्याप्त है और निर्णय जल्द लिया जा सकता है। सरकार 2025-26 के विपणन वर्ष में चीनी निर्यात की मंजूरी दे सकती है। इथेनॉल उत्पादन के लिए चीनी के कम उपयोग के कारण ज्यादा भंडार हो गया है। केंद्रीय खाद्य सचिव संजीव चोपड़ा ने कहा, चीनी मिलों ने 2024-25 में इथेनॉल निर्माण के लिए 34 लाख टन चीनी का उपयोग किया। यह अनुमानित 45 लाख टन से कम है। चोपड़ा ने कहा, अक्तूबर से सितंबर तक चलने वाले 2025-26 विपणन वर्ष के लिए शुरुआती स्टॉक अधिक है। 2025-26 में चीनी उत्पादन 3.4 करोड़ टन तक पहुंचने की उम्मीद है। सालाना घरेलू मांग 2.85 करोड़ टन है। हमारे पास निश्चित रूप से चीनी का भंडार ज्यादा है। जल्द ही निर्णय लिया जा सकता है, क्योंकि सरकार उद्योग को निर्यात की योजना बनाने के लिए एक लंबा समय देना चाहेगी। इस पर निर्णय लेने के लिए मंत्रियों की एक समिति अगले सप्ताह बैठक कर सकती है। विपणन वर्ष 2024-25 के दौरान देश से 10 लाख टन के आवंटन के मुकाबले लगभग 8 लाख टन चीनी का निर्यात किया गया था। लिए बहुत अनुकूल नहीं हैं। रिफाइंड चीनी की वैश्विक कीमत 3,829 रुपये प्रति क्विंटल है।

शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स-निफ्टी दोनों लुढ़के

डॉलर के मुकाबले कमजोर हुआ रुपया

मुंबई, एजेंसी।
शुरुआती कारोबार में बीएसई सेंसेक्स 297.96 अंक गिरकर 84,699.17 पर और निफ्टी 90.05 अंक गिरकर 25,963.85 पर कारोबार कर रहा था. वहीं शुरुआती कारोबार में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया 21 पैसे गिरकर 88.43 पर आ गया.

आज गुरुवार सुबह 9ः20 बजे, सेंसेक्स 250 अंक यानी 0.27 प्रतिशत नीचे गिर गया. वहीं निफ्टी 85 अंक यानी 0.30ञ्ज गिरकर 25,965 पर कारोबार कर रहा था. इस तरह से देखें तो बाजार में नरमी दिख रही है. दूसरी ओर शुरुआती कारोबार में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया 21 पैसे गिरकर 88.43 पर आ गया.

इस तरह से अमेरिकी फेड द्वारा ब्याज दरों में 25 आधार अंकों की कटौती के फैसले का बाजार पर कोई असर नहीं पड़ने और एशियाई बाजारों से मिले-जुले संकेतों के बीच गुरुवार को भारतीय शेयर बाजार की शुरुआत कमजोरी के साथ हुई.

शुरुआती कारोबार में दोनों बेंचमार्क सूचकांकों, सेंसेक्स और निफ्टी में गिरावट दर्ज की गई. सेंसेक्स 228 अंक या 0.27 प्रतिशत गिरकर 84,770 पर आ गया, जबकि निफ्टी 81 अंक या 0.31 प्रतिशत गिरकर 25,973 पर आ गया.

विश्लेषकों ने कहा, तकनीकी दृष्टिकोण से, निफ्टी तब तक साइडवेज-टू-बुलिश पूर्वाग्रह बनाए

रखता है, जब तक यह 25,900-26,000 समर्थन क्षेत्र से ऊपर बना रहता है.

विशेषज्ञों ने कहा, ऊपर की ओर, तत्काल प्रतिरोध 26,100-26,200 के आसपास है, और इस सीमा से ऊपर निरंतर चाल निकट भविष्य में 26,300-26,400 की ओर आगे बढ़ने का मार्ग प्रशस्त कर सकती है.

भारती एयरटेल, सन फार्मा, आईटीसी, टाटा स्टील, पावर ग्रिड, टाइटन, कोटक बैंक, इंफोसिस, एक्सिस बैंक, ट्रेंट और एचसीएल टेक के शेयरों में सबसे ज्यादा 1.5 फीसदी तक की गिरावट दर्ज की गई.

दूसरी ओर, कुछ शेयर बढ़त में रहने में कामयाब रहे. एलएंडटी, टाटा मोटर्स, बजाज फाइनेंस, टीसीएस, अल्ट्राटेक सीमेंट, अदानी पोर्ट्स, टेक महिंद्रा और एसबीआई सेंसेक्स में सबसे ज्यादा लाभ में रहे.

अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों में 25 आधार अंकों की कटौती की घोषणा के बाद भारतीय बाजारों में कमजोर शुरुआत हुई. इससे बेंचमार्क फेडरल फंड्स रेट 3.75 प्रतिशत से 4 प्रतिशत के दायरे में आ गया. हालांकि, फेड चेयरमैन जेरोम पॉवेल की टिप्पणी कि दिसंबर में एक और ब्याज दर में कटौती अभी तक तय नहीं हुई है, ने वॉल स्ट्रीट पर निवेशकों की धारणा को कमजोर कर दिया.

इसका असर एशियाई बाजार के रुझान पर भी पड़ा. व्यापक बाजार में, निफ्टी मिडकैप इंडेक्स सपाट रहा, जबकि निफ्टी स्मॉलकैप इंडेक्स 0.15 प्रतिशत बढ़ा।सेक्टोरल इंडेक्स में, निफ्टी फार्मा इंडेक्स में सबसे ज्यादा गिरावट देखी गई, जो 0.76 प्रतिशत नीचे आ गया।निफ्टी मेटल और एफएमसीजी इंडेक्स भी 0.4 प्रतिशत फिसले, और निफ्टी प्राइवेट बैंक इंडेक्स में 0.2 प्रतिशत की गिरावट आई.

इस बीच, शुरुआती कारोबार में निफ्टी रियल्टी इंडेक्स इस रुझान के उलट 0.5 प्रतिशत बढ़कर व्यवसाय कर रहा था. विश्लेषकों ने कहा कि बढ़ी हुई अस्थिरता और मिश्रित वैश्विक संकेतों को देखते हुए, व्यापारियों को सलाह दी जाती है कि वे सावधानी से गिरावट पर खरीदें दृष्टिकोण बनाए रखें, खासकर लीवरेज का उपयोग करते समय.

वर्ल्ड लाइन किराना इफेक्ट

भारत में यूपीआई पेमेंट 2025 की पहली छमाही में 35 प्रतिशत बढ़ा

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत का यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस देश के डिजिटल पेमेंट लैंडस्केप में अपना दबदबा बनाए हुए है. बुधवार को जारी आंकड़ों के अनुसार 2025 की पहली छमाही में लेनदेन की संख्या साल-दर-साल 35 प्रतिशत बढ़कर 106.36 अरब तक पहुंच गई.

वर्ल्डलाइन की इंडिया डिजिटल पेमेंट्स रिपोर्ट (2025 की पहली छमाही) के अनुसार इन लेनदेन की कुल वैल्यू 143.34 लाख करोड़ रुपये रही, जो दर्शाता है कि डिजिटल भुगतान भारत में रोजमर्रा की जिंदगी का कितना अहम हिस्सा बन गए हैं.

उल्लेखनीय रूप से पर्सन-टू-मर्चेंट ट्रांजैक्शन 37 प्रतिशत बढ़कर 67.01 बिलियन हो गया, जिसे वर्ल्डलाइन किराना इफेक्ट कहता है, जहां छोटे और सूक्ष्म व्यवसाय भारत की डिजिटल अर्थव्यवस्था की रीढ़ बन गए हैं.

भारत के क्यूआर-बेस्ड पेमेंट नेटवर्क में भी जबरदस्त वृद्धि देखी गई, जो जून 2025 तक दोगुने से भी ज़्यादा बढ़कर 678 मिलियन हो गया - जनवरी 2024 से 111 प्रतिशत की वृद्धि. पॉइंट-ऑफ-सेल टर्मिनलों की

संख्या 29 प्रतिशत बढ़कर 11.2 मिलियन हो गई, जबकि भारत क्यूआर 6.72 मिलियन तक पहुंच गया.

इसके साथ ही भारत अब दुनिया का सबसे बड़ा व्यापारी नेटवर्क संचालित करता है, जो छोटे व्यवसायों द्वारा अपनाए जाने और सरकार द्वारा संचालित समावेशन कार्यक्रमों द्वारा संचालित है. इस बीच रिपोर्ट दर्शाती है कि क्रेडिट कार्ड प्रीमियम खर्च करने के साधन के रूप में विकसित हो रहे हैं.

जनवरी 2024 और जून 2025 के बीच सक्रिय क्रेडिट कार्डों की संख्या में 23 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जबकि मासिक खर्च 2.2 ट्रिलियन रुपये को पार कर गया. हालांकि, औसत लेन-देन आकार में 6 प्रतिशत की गिरावट आई।

'लेकिन यह दर्शाता है कि रोजमर्रा की खरीदारी के लिए क्रेडिट कार्ड का उपयोग बढ़ रहा है.

फेडरल रिजर्व ने फिर की ब्याज दरों में 0.25 प्रतिशत की कटौती, कहा- अमेरिकी अर्थव्यवस्था में सुस्ती के संकेत

नई दिल्ली, एजेंसी। अमेरिका के केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व ने ब्याज दरों में 25 बेसिस पॉइंट यानी 0.25 फीसदी की कटौती की है। फेड ने कहा कि यह कदम ऐसे समय में उठाया गया है, जब अमेरिकी अर्थव्यवस्था के संकेत धीमे पड़ रहे हैं। फेडरल रिजर्व ने ब्याज दरों में कटौती करने का फैसला किया है। फेड ने अपनी मौद्रिक नीति में बदलाव करते हुए ब्याज दरों में 25 आधार अंकों की कटौती की है। इसके बाद अब अमेरिका में ब्याज दरें 3.75 से 4 प्रतिशत के दायरे में आ गई हैं। इससे पहले फेड ने सितंबर में दरों में कटौती की थी। फेड ने कहा कि यह कदम ऐसे समय में उठाया गया है, जब अमेरिकी अर्थव्यवस्था के संकेत धीमे पड़ रहे हैं। बैंक के अनुसार रोजगार वृद्धि में सुस्ती आई है और बेरोजगारी दर में हल्की बढ़ोतरी देखी गई है। हालांकि यह अभी भी निम्न स्तर पर है। उन्होंने स्वीकार किया कि मुद्रास्फीति हाल के महीनों में फिर से बढ़ी है और अभी भी कुछ हद तक ऊंची बनी हुई है। फेडरल ओपन मार्केट कमेटी ने कहा कि उसका लक्ष्य आर्थिक जोखिमों से निपटते हुए अधिकतम रोजगार और मूल्य स्थिरता के अपने संतुलन बनाए रखना है। समिति लंबी अवधि में अधिकतम रोजगार और 2 प्रतिशत की दर से मुद्रास्फीति हासिल करना चाहती है। समिति ने जोर देकर कहा कि वह आगे कोई नीतिगत बदलाव करने से पहले नए आंकड़ों और उभरती आर्थिक स्थितियों पर कड़ी नजर रखेगी।

ब्याज दरों में कटौती को लेकर फेड के सतर्क रुख का आकलन किया है

सोने-चांदी के दामों में आया नया अपडेट

मुंबई, एजेंसी। अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों में 25 आधार अंकों की कटौती की घोषणा के बाद गुरुवार को मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने और चांदी की कीमतों में भारी गिरावट दर्ज की गई. कीमती धातुओं की कीमतों में यह गिरावट ऐसे समय में आई है जब निवेशकों ने भविष्य में ब्याज दरों में कटौती को लेकर फेड के सतर्क रुख का आकलन किया है.

एमसीएक्स पर सोने का वायदा भाव 1.27 प्रतिशत की गिरावट के साथ 1,19,125 रुपये प्रति 10 ग्राम पर खुला, जबकि पिछला बंद भाव 1,20,666 रुपये था. चांदी की कीमतों में भी गिरावट आई और यह 0.4 प्रतिशत की गिरावट के साथ 1,45,498 रुपये प्रति किलोग्राम पर खुली, जबकि पिछला बंद भाव 1,46,081 रुपये पर था. सुबह 9ः42 बजे तक सोने की कीमतों में गिरावट जारी रही और यह 1,827 रुपये या 1.51 प्रतिशत की गिरावट के साथ 1,18,839 रुपये प्रति 10 ग्राम पर कारोबार कर रहा था. चांदी भी 1,411 रुपये या 0.97 प्रतिशत की गिरावट के साथ 1,44,670 रुपये प्रति किलोग्राम पर आ गई. अंतरराष्ट्रीय बाजार में अमेरिकी डॉलर में मामूली गिरावट के समर्थन से सोने की कीमतों में मामूली तेजी आई. स्पॉट गोल्ड की कीमत 0.2

प्रतिशत बढ़कर 3,937.88 डॉलर प्रति औंस हो गया, जबकि दिसंबर डिलीवरी के लिए अमेरिकी सोना वायदा 1.2 प्रतिशत गिरकर 3,950.70 डॉलर प्रति औंस पर आ गया.

पिछले सत्र में दो सप्ताह के उच्चतम स्तर को छूने के बाद डॉलर सूचकांक में 0.2 प्रतिशत की गिरावट आई. इससे अन्य मुद्राओं को रखने वाले निवेशकों के लिए सोना अपेक्षाकृत सस्ता हो गया. बुधवार को अमेरिकी फेडरल रिजर्व ने वर्ष की दूसरी बार ब्याज दर में कटौती की घोषणा की. इससे बेंचमार्क दर 3.75 प्रतिशत से 4.00 प्रतिशत के दायरे में कम हो गई. हालांकि फेड चेयरमैन जेरोम पॉवेल ने सतर्क लहजे में कहा कि अधिकारी मौद्रिक नीति के भविष्य के रुख को लेकर बंटे हुए हैं. इस साल के अंत में ब्याज दरों में एक और कटौती निश्चित नहीं है. वैश्विक स्तर पर निवेशक अमेरिका और चीन के बीच घटनाक्रम पर भी नजर रख रहे हैं, क्योंकि बाजार प्रतिभागी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच संभावित व्यापार समझौते पर चर्चा का इंतजार कर रहे हैं.

विशेषज्ञों ने कहा, फेड अध्यक्ष के आगे और ढील देने के सतर्क रुख ने मुनाफावसूली को बढ़ावा दिया. इसके अलावा, आगामी अमेरिका-चीन व्यापार वार्ता को लेकर आशावाद, जहाँ राष्ट्रपति ट्रंप और शी जिनपिंग एक समझौते को अंतिम रूप दे सकते हैं. इससे सुरक्षित निवेश की माँग को कम कर दिया.

उन्होंने आगे कहा, गवर्नर पॉवेल ने कहा कि अधिकारी मौद्रिक नीति के भविष्य पर आम सहमति बनाने के लिए संघर्ष कर रहे हैं और वित्तीय बाजारों को यह नहीं मानना चाहिए कि साल के अंत में दरों में एक और कटौती होगी.

ग्रो ला रहा आईपीओ, 95 से 100 रुपए के दायरे में रखा ग्रो ने आईपीओ का दायरा

- 61,700 करोड़ रुपये यानी लगभग 7 अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक का मूल्यांकन है

नई दिल्ली, एजेंसी। स्टॉक ब्रोकिंग फर्म ग्रो की मूल कंपनी बिलियनब्रेन्स गैराज वेंचर्स ने गुरुवार को अपने आगामी आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के लिए 95-100 रुपये प्रति शेयर का मूल्य दायरा तय किया है. इसका लक्ष्य 61,700 करोड़ रुपये यानी लगभग 7 अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक का मूल्यांकन है. एक सार्वजनिक घोषणा के अनुसार, कंपनी का 6,632 करोड़ रुपये का आईपीओ 4 नवंबर को सार्वजनिक अभिदान के लिए खुलेगा और 7 नवंबर को समाप्त होगा. खुदरा निवेशकों के लिए बोली 3 नवंबर को एक दिन के लिए खुलेगी. आईपीओ में 1,060 करोड़ रुपये मूल्य के नए इक्विटी शेयरों के साथ-साथ प्रमोटरों और निवेशक शेयरधारकों द्वारा 574,190,754 इक्विटी शेयरों का ऑफर फॉर सेल (ओएफएस) शामिल है. गो22 के

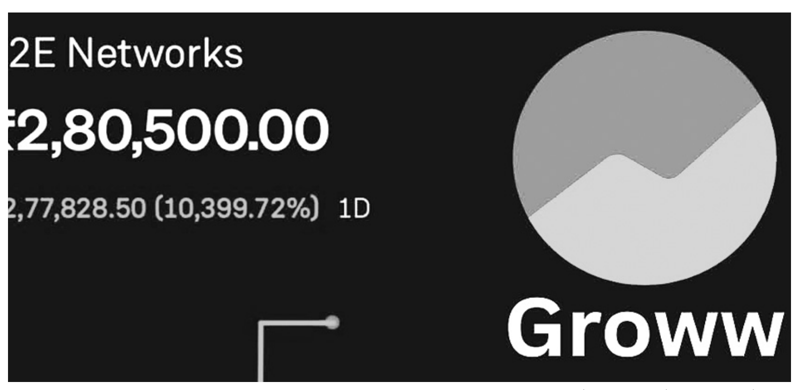

संस्थापकों के पास कंपनी की 27.97 प्रतिशत हिस्सेदारी है और उन्होंने लिस्टिंग के समय से 1.5 साल के लिए 20 प्रतिशत लॉक-इन के साथ कंपनी के प्रमोटर के रूप में आवेदन किया है. आईपीओ में, वे कंपनी के कुल शेयरों का केवल 0.07 प्रतिशत बेचने की पेशकश कर रहे हैं. टाइगर कैपिटल और माइक्रोसॉफ्ट के सीईओ सत्य नडेला जैसे प्रमुख निवेशकों द्वारा समर्थित कंपनी, आईपीओ से प्राप्त राशि का उपयोग प्रौद्योगिकी विकास और व्यवसाय विस्तार में निवेश के लिए करने की योजना बना रही है.

ब्रांड निर्माण और प्रदर्शन विपणन गतिविधियों के लिए इस्तेमाल किए जाएंगे

नए निर्गमों में से 225 करोड़ रुपये ब्रांड निर्माण और प्रदर्शन विपणन गतिविधियों के लिए इस्तेमाल किए जाएंगे. इसके साथ ही 205 करोड़ रुपये एनबीएफसी शाखा, ग्रो क्रेडिटसर्व टेक्नोलॉजी प्राइवेट लिमिटेड (जीसीएस) में निवेश किए जाएंगे, ताकि उसका पूंजी आधार बढ़ाया जा सके. उसके मार्जिन ट्रेडिंग फैसिलिटी (एमटीएफ) व्यवसाय के वित्तपोषण के लिए 167.5 करोड़ रुपये डाले जाएंगे. जबकि 152.5 करोड़ रुपये क्लाउड इन्फ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने के लिए निर्धारित किए गए हैं.

ग्रो ने गोपनीय प्री-फाइलिंग रूट चुना

बेंगलुरु मुख्यालय वाली ग्रो ने मई में बाजार नियामक सेबी के पास गोपनीय प्री-फाइलिंग रूट के माध्यम से आईपीओ के लिए मसौदा पत्र दाखिल किए थे और अगस्त में सेबी की मंजूरी प्राप्त कर ली थी. ग्रो ने गोपनीय प्री-फाइलिंग रूट चुना, जो उसे डीआरएचपी के तहत आईपीओ विवरणों का सार्वजनिक खुलासा बाद के चरणों तक रोकने की अनुमति देता है. यह रूट उन भारतीय कंपनियों के बीच लोकप्रिय हो रहा है, जो अपनी आईपीओ योजनाओं में लचीलापन चाहती हैं. 2016 में स्थापित, ग्रो जून 2025 तक 1.26 करोड़ से ज़्यादा सक्रिय ग्राहकों और 26 प्रतिशत से ज़्यादा बाज़ार हिस्सेदारी के साथ भारत का सबसे बड़ा स्टॉकब्रोकर बनकर उभरा है. वित्त वर्ष 2025 में, इस स्टॉक ब्रोकिंग फर्म ने 1,824 करोड़ रुपये का लाभ दर्ज किया.

ट्रंप की एच-1बी वीजा नीति का वेंस ने किया बचाव

कहा- अमेरिका के श्रमिकों को मिलना चाहिए समान अवसर

वाशिंगटन, एजेंसी।
अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने एच-बी वीजा सुधार नीतियों का बचवा करते हुए कहा कि इसका उद्देश्य अमेरिकी श्रमिकों के लिए निष्पक्षता सुनिश्चित करना और वीजा कार्यक्रम को उसके मूल उद्देश्य वैश्विक प्रतिभा को बनाए रखना की ओर लौटाना है, न कि सस्ते विदेशी श्रम से घरेलू कर्मचारियों को प्रतिस्थापित करना।

अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने एक बार फिर राष्ट्रपति ट्रंप की एच-बी वीजा सुधार नीतियों का बचाव किया है। उन्होंने कहा कि मौजूदा वीजा प्रणाली का दुरुपयोग कर विदेशी प्रतिभाओं को रियायतों दरों पर नियुक्त किया जा रहा है, जिससे अमेरिकी कर्मचारियों की मजदूरी पर असर पड़ रहा है।

मिसिसिपी में आयोजित टर्निंग प्वाइंट यूएसए कार्यक्रम में बुधवार को बोलते हुए वेंस ने कहा कि प्रशासन का उद्देश्य वीजा सुधारों के जरिए अमेरिकी श्रमिकों के लिए निष्पक्षता सुनिश्चित करना और वीजा कार्यक्रम को उसके मूल उद्देश्य वैश्विक प्रतिभा को बनाए रखना की ओर लौटाना है, न कि सस्ते

विदेशी श्रम से घरेलू कर्मचारियों को प्रतिस्थापित करना।

उन्होंने आगे कहा कि कानूनी आव्रजन एक जटिल विषय है, क्योंकि हम हर साल करीब दस लाख कानूनी प्रवासियों को अमेरिका में आने की अनुमति देते हैं। और सबूत साफ बताते हैं कि इनमें से कई प्रवासी वास्तव में अमेरिकी श्रमिकों के वेतन में कटौती कर रहे हैं। उपराष्ट्रपति ने कहा कि अगर आप एच-1बी वीजा को देखें, तो इसका मतलब है कि आपके पास एक सुपर जीनियस होगा, जो किसी अमेरिकी विश्वविद्यालय में पढ़ रहा है और किसी बड़ी कंपनी में काम कर रहा है। आप चाहते हैं कि वह सुपर जीनियस अमेरिका में ही रहे और कहीं और न जाए। असल में इसका इस्तेमाल एक अमेरिकी नागरिक के लिए 50 प्रतिशत छूट पर एक अकाउंटेंट को नियुक्त करने के लिए किया जाता है। मुझे नहीं लगता कि हमें विदेशों से अकाउंटेंट नियुक्त करने चाहिए, जबकि हमारे पास अमेरिका में ही ऐसे अकाउंटेंट मौजूद हैं जो अच्छी तनख्वाह पर काम करना पसंद करेंगे। वेंस की यह टिप्पणी उस घोषणा पर बढ़ती बहस के बीच आई है, जिसके तहत सितंबर में ट्रम्प द्वारा हस्ताक्षरित एच-1बी वीजा याचिका में बड़े पैमाने पर बदलाव किया गया। घोषणा के अनुसार, अब नए एच-1बी वीजा आवेदनों के लिए 100,000 डॉलर का शुल्क लगेगा, जो कि पिछले स्तर लगभग 1,500 अमेरिकी डॉलर से काफी अधिक है।

अमेरिकी विदेश विभाग के अनुसार, नई शुल्क आवश्यकता केवल उन व्यक्तियों या कंपनियों पर लागू होती है जो 21 सितंबर के बाद नई ॥-1क्चयाचिकाएं दाखिल करते हैं या एच-बी लॉटरी में प्रवेश करते हैं।

मौजूदा वीजा धारकों और उस तारीख से पहले जमा की गई याचिकाओं पर कोई असर नहीं पड़ेगा। इस घोषणा के तहत, समयसीमा के बाद दायर की गई हर नई एच-1बी वीजा याचिका के साथ 1,00,000 डॉलर का भुगतान करना होगा, जिसमें 2026 लॉटरी में प्रवेश के लिए जमा की गई याचिकाएं भी शामिल हैं।

जस्टिस रंजना देसाई को चुना गया 8वां वेतन आयोग का अध्यक्ष- नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने मंगलवार को 8वें केंद्रीय वेतन आयोग के लिए टर्म ऑफ रिफ्रेंस को मंजूरी दी. इसके साथ ही केंद्रीय कर्मचारियों के वेतन, पेंशन और भत्तों में नए सिरे से संशोधन का रास्ता साफ हो गया है. साथ ही केंद्र ने जस्टिस रंजना प्रकाश देसाई को 8वें वेतन आयोग का अध्यक्ष नियुक्त किया है. वेतन आयोग में एक सदस्य पार्ट टाइम और एक सदस्य-सचिव शामिल होगा. साथ ही आईआईएम बैंगलोर के प्रोफेसर पुलक घोष को सदस्य होंगे, जबकि पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय के सचिव पंकज जैन को सदस्य-सचिव नियुक्त किया गया है. सुप्रीम कोर्ट की रिटायर जस्टिस देसाई को इससे पहले 2020 में परिसीमन आयोग का अध्यक्ष नियुक्त किया गया।

HIMACHAL PRADESH PUBLIC WORKS DEPARTMENT
Phone No.01903-221031, Fax: 091903-221031

INVITATION FOR BIDS (IFB)

The Executive Engineer, Banjar Division, HP,PWD, Banjar on behalf of Governor of Himachal Pradesh invites the Percentage rate bids in electronic tendering system from the eligible Class of Contractors registered with HPPWD for the works as detailed in the table:-

Sr. No.	Name of work	Estimated cost (Rs.)	Starting date for downloa-ding Bid	Earnest Money	Deadline for sub-mission of Bid.
1	RRD on Bathad to Shill Sharunger road Km. 0/00 to 8/945. (SH:- Removal of slips/ Lands Slids at various reaches).	1375947	06.11.2025	28000	12.11.2025
2	RRD on Bhunter to Garsa road Km. 4/700 to 14/00. (SH:- Removal of slips/ Lands Slids at various reaches).	1004260	06.11.2025	21000	12.11.2025
3	RRD on Manglore to Panihar road Km. 0/00 to 8/00. (SH:- Removal of slips/ Lands Slids at various reaches).	734017	06.11.2025	15000	12.11.2025
4	RRD on Garsa to Khora aage road Km. 0/00 to 6/00. (SH:- Removal of slips/ Lands Slids at various reaches).	865045	06.11.2025	18000	12.11.2025
5	RRD on Kakroo Nallah to Shogi road Km. 0/00 to 10/595. (SH:- Removal of slips/ Lands Slids at various reaches).	1006229	06.11.2025	21000	12.11.2025
6	RRD on Najan Nallah to Village Najan road Km. 0/00 to 7/750. (SH:- Removal of slips/ Lands Slids at various reaches).	806867	06.11.2025	17000	12.11.2025
7	RRD on Chhani aage to Sees (Thela Jestha Parli) road Km. 0/00 to 7/750. (SH:- Removal of slips/ Lands Slids at various reaches).	806063	06.11.2025	17000	12.11.2025
8	RRD on Bhuin Diyar Shoundadhar road Km. 0/00 to 12/500. (SH:- Removal of slips/ Lands Slids at various reaches).	404163	06.11.2025	8100	12.11.2025
9	RRD on Banala to Ninu road Km. 0/00 to 3/780. (SH:- Removal of slips/ Lands Slids at various reaches).	403731	06.11.2025	8100	12.11.2025
10	RRD on Bajaura Kandi road Km.3/700 to 11/0. (SH:- Removal of slips at various reaches)	400275	06.11.2025	8400	12.11.2025

The Bidders are advised to note other details of tenders from the department website www.hptenders.gov.in Executive Engineer,
R.No. 4074/2025-26 Banjar Division ,HP.PWD., Banjar 175123E mail:- ee-kul1-hp@nic.in,On behalf of Governor of HP

सिगरेट के धुएं से भी ज्यादा खतरनाक है अगरबत्ती का धुआं

हाल ही एक शोध में बताया गया है कि धूपबत्ती या अगरबत्ती का धुआं सिगरेट के धुएं से भी ज्यादा खतरनाक है। इसमें पाए जाने वाले पॉलीएरोमैटिक हाइड्रोकार्बन अस्थमा, कैंसर, सरदर्द और खांसी जैसी बीमारियों का कारण बन सकते है। इससे सांस की समस्याओं के साथ कई और समस्याएं हो सकती है। आइए जानते है अगरबत्ती का धुआं किन बीमारियों का कारण बन सकता है।

अस्थमा की समस्या

इसमें मौजूद नाइट्रोजन और सल्फर डाईऑक्साइड गैस सेहत के लिए हानिकारक होती है। अगरबत्ती के धुएं से निकलने वाली कार्बनमोनो ऑक्साइड शरीर में जाकर फेफड़ों को नुकसान पहुंचाती है। इसके वजह से फेफड़ों के रोग के साथ जुकाम और कफ की समस्या भी हो जाती है।

हार्ट अटैक का खतरा

इसके धुएं में लगातार सांस लेने से दिल की कोशिकाएं सिकुड़ने लगती है। लगातार ऐसा होने से हार्ट अटैक का खतरा बढ़ जाता है।

आंखो के लिए हानिकारक

धुएं में मौजूद हानिकारक केमिलक आंखों में खुजली, जलन और स्किन एलर्जी का कारण बन सकते है। इसके धुएं के कारण आंखों की रोशनी खराब होने का डर भी रहता है।

श्वसन कैंसर का खतरा

ज्यादा समय तक इसका धुआं शरीर में जाने से श्वसन कैंसर का खतरा बढ़ जाता है। धूम्रपान के साथ-साथ अगरबत्ती का धुआं भी इस कैंसर के खतरे को बढ़ाता है।

डाइट में नहीं है घी, 5 फायदे पाने से चूक रहें आप, डाइजेशन से लेकर ब्रेन और हार्ट के लिए जबरदस्त

घी, एक ऐसा सुपरफूड, जिसे अक्सर लोग विलेन साबित करने में लगे रहते हैं, अपने वेट गेन के लिए, बढ़े हुए कोलेस्ट्रॉल के लिए और लगभग संभावित हर स्वास्थ्य समस्या के लिए। लेकिन आयुर्वेद और मॉर्डन साइंस का विचार आपसे बिल्कुल विपरीत है। आयुर्वेद और साइंस का कहना है सही मात्रा में घी खाना वास्तव में आपकी हेल्थ के लिए बहुत अच्छा है। इससे आपका शरीर हील होता है। सीमित मात्रा में घी का सेवन आपकी गट को सपोर्ट करता है, आपके ब्रेन को फ्यूल देता है और इम्यूनिटी को बढ़ाता है। घी के फायदे यहीं पर खत्म नहीं होते हैं बल्कि अगर आप रेगुलर घी का सेवन करते हैं तो आपको अनगिनत लाभ मिल सकते हैं। न्यूट्रिशनिस्ट श्वेता पांचाल ने अपनी एक पोस्ट में घी खाने के फायदों के बारे में विस्तार से जानकारी दी है।

रोजाना घी खाने के फायदे

अगर आपको भी लगता है कि घी अनहेल्दी है और आपको अपनी डाइट में बिल्कुल भी घी को शामिल नहीं करना चाहिए तो आप गलत हैं। क्योंकि समस्या घी नहीं है, प्रॉब्लम यह है कि हम इसका उपयोग कैसे करते हैं। अगर आप हर मील में इसे ओवरलोड करते हैं तब यह समस्या खड़ी कर सकता है, लेकिन अगर आप सीमित मात्रा में घी खाते हैं तो आपको निम्नलिखित फायदे मिल सकते हैं।

ब्रेन और हार्ट के लिए फायदेमंद

इसके अलावा शायद ही आपको पता हो कि घी आपके ब्रेन और हार्ट हेल्थ के लिए बहुत अच्छा है। कई लोग

मानते हैं कि यह कोलेस्ट्रॉल को बढ़ाता है लेकिन सच तो ये है कि इसमें ओमेगा 3 फैटी एसिड होता है, जो मस्तिष्क और हृदय के लिए बहुत अच्छा होता है। हां लेकिन इसे अधिक मात्रा में खाने से बचें।

डाइजेशन होता है बेहतर

डाइट में घी शामिल करने से आपकी गट हेल्थ और डाइजेशन बेहतर होता है। यह आपके प्राकृतिक पेट के एसिड को बढ़ाकर पाचन में सहायता करता है। ऐसे में अगर आप पाचन संबंधी समस्या से जूझते हैं तो घी खा सकते हैं।

इम्यूनिटी होती है मजबूत

अगर आपकी इम्यूनिटी कमजोर है तो आपके लिए घी

का सेवन बेहद फायदेमंद साबित हो सकता है। क्योंकि घी में मौजूद ब्यूटिरिक एसिड आपकी प्रतिरक्षा को मजबूत करता है। साथ ही आपकी आंत की परत को भी मजबूती देता है।

बाल और स्किन होती है बेहतर

घी एक ऐसा सुपरफूड है, जिसे तमाम ब्यूटी और हेयर होम रेमिडीज में इस्तेमाल किया जाता है। इसके अलावा इसे डाइट में शामिल करना भी आपकी त्वचा और बालों के स्वास्थ्य में मदद करता है। क्योंकि इसमें हेल्दी फैट्स मौजूद होते हैं, जो आपकी त्वचा और बालों की हेल्थ में सुधार करते हैं।

कुकिंग के लिए बेहतर ऑप्शन

घी को कुकिंग के लिए भी बहुत अच्छा विकल्प माना जाता है। दरअसल, इसका स्मोक प्वाइंट काफी अधिक होता है, इसलिए सभी इंडियन कुकिंग में आप इसे इस्तेमाल कर सकते हैं।

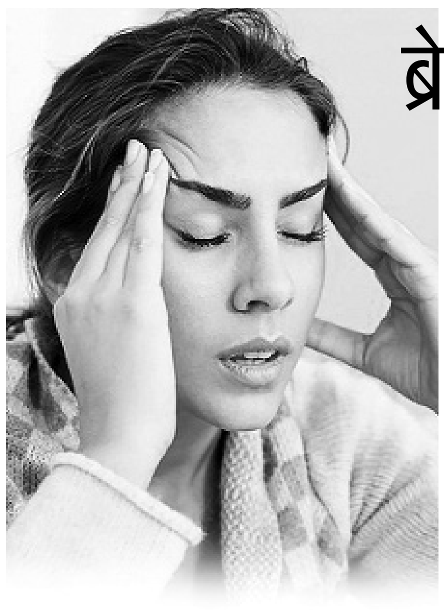

ब्रेन स्ट्रेस को कम करने के कुछ आसान उपाय

बिजी शेड्यूल और भागदौड़ भरी लाइफ के कारण आजकल ज्यादातर लोग किसी न किसी काम को लेकर परेशान रहते हैं। ज्यादा सोचने, स्ट्रेस और टेंशन लेने के कारण इंसान के दिमाग पर बुरा असर होता है, जिससे दिमागी तनाव, डिप्रेशन या माइग्रेन जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ता है। इससे व्यक्ति चिडचिड़ा और उदास रहने लगता है। कई बार तो वह किसी से बात तक करना पसंद नहीं करता। व्यवहार में आए इस तरह के परिवर्तन से व्यक्ति के दिमाग के साथ-साथ सामाजिक जीवन पर भी बुरा असर होता है। अपने आस-पास के माहौल को सही रखकर दिमगी तनाव को कम किया जा सकता है। आज हम आपको ब्रेन स्ट्रेस को कम करने के लिए ऐसे ही कुछ आसान उपाय बताएंगे, जिन्हें अपना कर आप दिमागी तनाव को कम कर सकते है।

डायरी लिखना

दिमागी तनाव को कम करने का सबसे बढ़िया तरीका है अपनी बात को लिखना। रात को सोने से पहले या किसी भी समय एक पन्ने या डायरी में अपनी परेशानियों को लिखना शुरू करें। उन बातों को लिखने के बाद धीरे- धीरे भूलने की कोशिश करें। ऐसा करने से कुछ ही दिनों में आपकी चिंता खत्म होने के साथ ही दिमागी परेशानी भी कम होगी।

ज्यादा न सोचे

जरूरत से ज्यादा सोचने से शरीर को कई सारी बीमारियों का सामना करना पड़ता है। लगातार सोचते रहने से दिमाग काम करना बंद कर देता है। इससे कई बार दिमागी और मानसिक परेशानी होने लगती हैं। जब भी आपको किसी बात की चिंता हो तो उसको अपने किसी दोस्त या परिवार वालों के साथ शेयर करे और जितना हो सके कम सोचें।

जॉगिंग

जॉगिंग करने से टेंशन और डिप्रेशन कम होता है। रोजान सुबह जॉगिंग करने से दिमाग को ताजी हवा मिलती है। ब्लड सर्कुलेशन ठीक ढ़ग से होने के कारण दिमाग की कोशिकाएं सही तरह से काम करती हैं। इससे ब्रेन स्ट्रेस कम होता है।

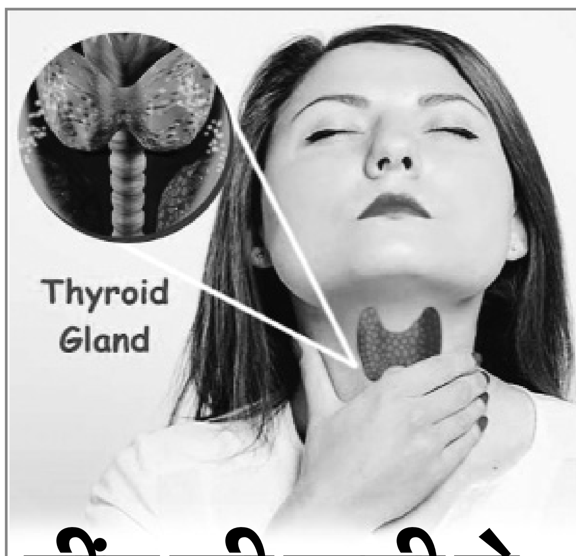

नींद की कमी से होता है थायराइड

अगर आप ये सोचती हैं कि आप अपने बारे में सब कुछ जानती हैं तो ऐसा नहीं है। शरीर और सेहत से जुड़ी ऐसी बहुत-सी बातें हैं, जो ज्यादातर महिलाओं को पता ही नहीं होती और आज हम आपको उसी के बारे में बताएंगे। तो चलिए आपको बताते हैं वो बातें, जिसे जानना हर महिला के लिए जरूरी है।

ज्यादा कसरत से होते हैं पीरियड्स अनियमित

महिलाएं वजन कंट्रोल करने के लिए हद से ज्यादा व्यायाम करने लगती हैं लेकिन ज्यादा कसरत करने से पीरियड्स अनियमित हो जाते हैं। ऐसे में जरूरी है कि आप नियमित मात्रा में एक्सरसाइज करें। साथ ही कसरत के बाद शरीर में हुई पानी की कमी को दूर करने के लिए दूध का सेवन करें।

व्हाइट डिस्चार्ज की समस्या

पीरियड्स के बाद होने वाले डिस्चार्ज को लेकर परेशान न हों। इसके अलावा नार्मली होने वाला डिस्चार्ज भी अगर सफेद और साफ है तो आपको टेंशन लेने की कोई जरूरत नहीं है। मगर डिस्चार्ज का रंग हल्का पीला होने या उसमें से बदबू आने पर आपको तुरंत चेकअप करवाना चाहिए।

कम नींद से थायरॉइड

यह तो सभी जानते हैं कि भरपूर नींद अच्छी सेहत के लिए बहुत जरूरी है। मगर क्या आपको पता हैं कि 70% महिलाओं को थायराइड की समस्या नींद की कमी से होती है। ऐसे में बेहतर होगा कि आप अपनी पूरी नींद लें।

नाखूनों का बढ़ना

महिलाओं के नाखूनों की तुलना में पुरूषों के नाखून तेज गति से बढ़ते हैं। ऐसा हार्मोंस के कारण होता है। साथ ही नाखून के बढ़ने की गति गर्मियों में अधिक तेज होती है क्योंकि उस दौरान शरीर को ज्यादा मात्रा में विटामिन डी मिलता है।

धूप के कारण होती है झुर्रियां

महिलाएं अक्सर कम उम्र में झुर्रियां पड़ने को लेकर परेशान रहती है। मगर आप यह नहीं जानती कि 80% महिलाओं में झुर्रियां अत्यधिक धूप के कारण होती हैं। इसे दूर करने के लिए महिलाएं बोटॉक्स सर्जरी का सहारा लेती हैं लेकिन आप विटामिन सी का सेवन कर झुर्रियों को दूर कर सकती हैं।

पीरियड्स का ज्यादा ब्लीडिंग है डिसमेनोरिया का संकेत

पीरियड्स के दौरान प्राइवेट पार्ट में दर्द हल्का दर्द होना सामान्य है। कई बार वेजाइना का यह दर्द बर्दाशत करना मुश्किल हो जाता है। अगर हर बार इस तरह की तकलीफ हो रही है तो वह डिसमेनोरिया का संकेत हो सकता है। यह वुमेन हेल्थ कंडीशन है जो 7 में से 1 महिला को हो सकती है।

महिलाओं को पुरुषों से ज्यादा होती है नींद की जरूरत

महिलाएं मल्टीटास्किंग होती हैं, जिसकी वजह से वो घर व ऑफिस में मेंटल एनर्जी का पुरुषों से ज्यादा इस्तेमाल करती हैं। अगर वो भरपूर नींद न लें तो खपत हुई ऊर्जा को दोबारा बनाए रखने में बहुत परेशानी होती है। धीरे-धीरे इसका असर उनकी सेहत पर भी पड़ता है इसलिए उन्हें पुरुषों से ज्यादा नींद की जरूरत होती है।

अंडा एक ऐसा सुपरफूड है, जिसमें प्रोटीन, कैल्शियम, ओमेगा-3 फैटी एसिड विटामिन ए और बी की भरपूर मात्रा होती है। इसका रोजाना सेवन शरीर को कई बीमारियों से बचाने में मदद करता है। वहीं हाल ही में हुए एक शोध के अनुसार रोजाना 1 अंडा खाने से डायबिटीज का खतरा कम होता है।

टाइप-2 डायबिटीज का खतरा कम करता है अंडा

इस स्टडी की रिपोर्ट के सामने आने के बाद कई दूसरे वैज्ञानिक इसका विरोध कर रहे हैं क्योंकि डायबिटीज में अंडा खाने को लेकर शोधकर्ताओं की राय अलग-अलग है। जहां कुछ वैज्ञानिक इसका सेवन सेहत के लिए फायदेमंद मानते हैं वहीं अन्य शोधकर्ताओं के हिसाब से डायबिटीज के मरीजों को अंडे का सेवन नहीं करना चाहिए।

हफ्ते में कितने अंडे खाना है सुरक्षित?

इस नई स्टडी के अनुसार, हफ्ते में 3 अंडे खाना बिल्कुल सुरक्षित है। अगर आपको डायबिटीज है तो अंडे को उबालकर ही खाएं।

फायदेमंद है अंडे का सेवन

जो पुरुष रोजाना अंडे का सेवन करते हैं उनके खून में लिपिड की मात्रा थोड़ी ही पाई जाती है, जिससे इस बीमारी का खतरा काफी हद तक कम हो जाता है। अंडा सेहत को कई तरीके से फायदा पहुंचाता है।

फिलहाल अंडा खाने या ना खाना अभी तक शोधकर्ताओं के लिए पहेली ही बना हुआ है। हालांकि इस नई स्टडी के नतीजों में दावा किया है कि रोजाना एक अंडा खाने से डायबिटीज का खतरा कुछ हद तक कम हो जाता है।

कैसे और कब खाना चाहिए अंडा

रोजाना 2 उबले हुए अंडे खाने से शरीर कई बीमारियों से बचाया जा सकता है। अंडा को ब्रेकफास्ट के रूप में खाने से शरीर को सबसे ज्यादा फायदा मिलता है। जिम जाने वाले लोगों को कच्चा अंडा दूध में मिलाकर खाना चाहिए। इसके अलावा कच्चे अंडे की जर्दी (एग योक) का सेवन भी आपको कई गंभीर बीमारियों से बचाता है।

व्हाइट या ब्राउन कौन है बेस्ट?

व्हाइट और ब्राउन दोनों ही अंडों पर काफी बार शोध किया जा चुका है, जिसमें इन दोनों में कोई खास अंतर पता नहीं चला। दोनों के फायदे, क्वॉलिटी, आकार सभी कुछ एक जैसा है। यहां तक दोनों में पोषण भी एक जैसा ही होता है लेकिन ब्राउन अंडे में व्हाइट अंडे से थोड़ा ज्यादा ओमेगा-3 फैटी एसिड होता है।

अंडा खाने के अन्य फायदे

मजबूत इम्यून सिस्टम

रोजाना ब्रेकफास्ट में एक अंडा खाने से इम्यून सिस्टम मजबूत है। इससे आप सर्दी-जुकाम जैसे वायरल इंफेक्शन से बचे रहते हैं।

वजन कंट्रोल

अगर आप वजन कंट्रोल करना चाहते हैं तो रोजाना इसका सेवन जरूर करें। इससे दिनभर पेट भरा रहता है, जिससे आप ओवरइटिंग से बच जाते हैं और आपका वजन कंट्रोल में रहता है।

आंखों व दिमाग के लिए फायदेमंद

इसमें कॉलिन और कैरोटिनायड्स नाम का पोषक तत्व होता है, जो आंखे व दिमाग के लिए बेहद फायदेमंद है।

स्वस्थ दिल

इसका सेवन करने से बैड कोलेस्ट्रॉल की मात्रा कम होती है, जिससे दिल स्वस्थ रहता है और आप हार्ट अट्रैक जैसी समस्याओं से बचे रहते हैं।

पेरिस मास्टर्स

जैनिक सिनर की शानदार जीत

बर्ग्स को 6-4, 6-2 से हराया

पेरिस, एजेंसी। इटली के स्टार जैनिक सिनर ने बुधवार को जिजो बर्ग्स के खिलाफ 6-4, 6-2 से शानदार जीत के साथ पेरिस मास्टर्स खिताब की अपनी दावेदारी पेश की है। यह मुकाबला 88 मिनट तक चला। अब सिनर तीसरे दौर के मुकाबले में अर्जेंटीना के फ्रांसिस्को सेरुंडोलो से भिड़ेंगे, जिन्होंने अपने पिछले मुकाबले में मिओमिर केकमानोविच को 7-5, 1-6, 7-6 (4) से शिकस्त दी थी। वियना में एटीपी 500 का खिताब जीतने के ठीक चार दिन बाद जैनिक सिनर ने अपने बेल्जियम के प्रतिद्वंदी को एटीपी के पहले मुकाबले में शिकस्त देकर इनडोर हार्ड कोर्ट पर अपने टूर-स्तरीय जीत के सिलसिले को 22 मैचों तक बढ़ाया। इस मुकाबले में जैनिक सिनर ने आत्मविश्वास से भरा प्रदर्शन किया। बर्ग्स ने ला डिफेंस एरिना में अपने अभियान की शुरुआत चार ब्रेक प्वाइंट रोककर की, लेकिन इसके बाद 12 मिनट के शुरुआती गेम में सिनर को सर्विस ब्रेक करने से नहीं रोक पाए। यह इतालवी खिलाड़ी को पहले सेट में आगे बढ़ाने के लिए काफी था। दूसरे सेट के पहले गेम में एक और ब्रेक भी निर्णायक साबित हुआ। सिनर इस पूरे मैच में अपनी सर्विस पर दबदबा बनाए रहे। इंफोसिस एटीपी स्टैट्स के अनुसार, उन्हें ब्रेक प्वाइंट का सामना नहीं करना पड़ा। उन्होंने अपनी पहली ही डिलीवरी के बाद 77 प्रतिशत (24/31) अंक हासिल किए। जैनिक सिनर ने इस जीत पर खुशी जताते हुए कहा, ÷मुझे लगा इस मुकाबले में मेरा मूवमेंट अच्छा था। यहां का कोर्ट बहुत अनोखा है। आमतौर पर मुझे यहां थोड़ी मुश्किल होती है, इसलिए पहला मैच जीतना मेरे लिए खुशी की बात है। मैं इस मुकाबले में अपनी सर्विस से बहुत खुश हूं। मैंने शुरुआत में ही एक ब्रेक हासिल किया, जिससे आत्मविश्वास बढ़ा। इस प्रदर्शन से मैं बेहद संतुष्ट हूं। बर्ग्स के खिलाफ इस जीत के साथ यानिक सिनर ने वर्ल्ड नंबर 1 बनने की उम्मीदें बरकरार रखी हैं। कार्लोस अल्काराज की पेरिस में शुरुआती हार के बाद अब इतालवी खिलाड़ी के पास मौका है। अगर सिनर इस सीजन का अपना पहला मास्टर्स 1000 खिताब जीत लेते हैं, तो सोमवार को वह फिर से शीर्ष स्थान हासिल कर लेंगे।

टी20 इंटरनेशनल में

सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले बल्लेबाज

रोहित के साथ सूर्यकुमार यादव भी हुए शामिल

नई दिल्ली, एजेंसी। टी20 क्रिकेट में आज के समय में सबसे ज्यादा पॉपुलर फॉर्मेट में से एक है. टी20 क्रिकेट में चौके-छक्के की बारिश देखने को मिलती है, इसके साथ ही खिलाड़ी के आउट होने के चांस भी ज्यादा बन जाते हैं, जिससे ये खेल पलक झपकते ही कभी भी पलट सकता है. टी20 क्रिकेट में बल्लेबाजों के बल्ले से छक्के लगने का भी रिकॉर्ड बनता है. भारतीय टी20 टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले टी20 मैच में 150 छक्के पूरे किए हैं. वहीं रोहित शर्मा टी20 इंटरनेशनल में वर्ल्ड क्रिकेट में सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले प्लेयर हैं.

टी-20 में सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले बल्लेबाज

टी20 इंटरनेशनल में सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले खिलाड़ियों की टॉप 5 लिस्ट में दो भारतीय बल्लेबाज रोहित शर्मा और सूर्यकुमार यादव का नाम शामिल है. इस लिस्ट में संयुक्त अरब अमीरात के कप्तान मोहम्मद वसीम का नाम भी है. इंग्लैंड और न्यूजीलैंड के बल्लेबाज भी टॉप 5 लिस्ट में हैं.

रोहित शर्मा– भारत की टी20 टीम के पूर्व कप्तान और बल्लेबाज रोहित शर्मा टी20 इंटरनेशनल में सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले बल्लेबाज हैं. रोहित ने 159 मैचों में खेली 151 पारियों में 4,231 रन बनाए हैं, जिनमें हिटमैन के बल्ले से 205 छक्के लगे हैं. रोहित शर्मा ने टी20 वर्ल्ड कप 2024 में बतौर कप्तान टीम को जीत दिलाने के बाद इस फॉर्मेट से संन्यास का ऐलान कर दिया था.

मोहम्मद वसीम – यूएई के कप्तान मोहम्मद वसीम का नाम इस लिस्ट में दूसरे नंबर पर है. वसीम टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट में 91 मैचों में 187 छक्के लगा चुके हैं. वसीम अभी भी इंटरनेशनल क्रिकेट खेल रहे हैं. मोहम्मद वसीम आने वाले समय में रोहित शर्मा का रिकॉर्ड तोड़ सकते हैं.

मार्टिन गुप्टिल – न्यूजीलैंड के दिग्गज बल्लेबाज मार्टिन गुप्टिल भी टी20 क्रिकेट में शानदार छक्के लगाने के लिए जाने जाते हैं. गुप्टिल ने 122 मैचों की 118 पारियों में 173 छक्के जड़े हैं. न्यूजीलैंड का ये खिलाड़ी जनवरी 2025 में इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास ले चुका है.

- **जोस बटलर**– इंग्लैंड के बल्लेबाज जोस बटलर का नाम भी इस लिस्ट में शामिल है. बटलर टी20 इंटरनेशनल में सबसे ज्यादा छक्के लगाने के मामले में चौथे नंबर पर हैं. बटलर के नाम 144 मैचों की 132 पारियों में 172 छक्के लगाने का रिकॉर्ड है.

सूर्यकुमार यादव

भारतीय टी20 टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव ने भी टी20 इंटरनेशनल में सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले बल्लेबाजों की लिस्ट में जगह बना ली है. सूर्यकुमार इस लिस्ट में पांचवें नंबर पर आ गए हैं. ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले टी20 मैच से पहले सूर्या के 148 छक्के थे, वे वेस्टइंडीज के खिलाड़ी निकोलस पूरन से एक छक्के से पीछे चल रहे थे. वहीं सूर्यकुमार यादव ने पहले टी20 मैच में 39 रनों की नाबाद पारी में 2 छक्के जड़कर टी20 इंटरनेशनल में 150 छक्के पूरे किए.

2026 फीफा विश्व कप को लेकर आश्वस्त नहीं लियोनेल मेसी

नई दिल्ली, एजेंसी। पूरी दुनिया के फुटबॉल फैंस चाहते हैं कि अर्जेंटीना के दिग्गज फुटबॉलर लियोनेल मेसी फीफा विश्व कप 2026 खेलें। लेकिन मेसी खुद विश्व कप में खेलने को लेकर स्पष्ट नहीं हैं। लियोनेल मेसी का मानना है कि फीफा विश्व कप में उनका खेलना इस बात पर निर्भर है कि अगले साल इंटर मियामी की प्री-सीजन में उनकी तैयारियां कैसी रहती हैं। विश्व कप की टीम में होना हमेशा एक शानदार अनुभव होता है। इस बार यह विशेष है, क्योंकि

हमें खिताब का बचाव करना है। मैं विश्व कप को लेकर उत्सुक हूं। मुझे उम्मीद है कि ईश्वर मुझे एक बार फिर मौका देगा। 37 साल के मेसी प्रोफेशनल फुटबॉल के लिए अमेरिका में एमएलएस में चले गए हैं। एमएलएस में फुटबॉल का स्तर यूरोप की टक्कर का नहीं है। इसका असर निश्चित रूप से खिलाड़ी पर भी पड़ना तय है। मेसी पूरी तरह फिट हैं और बेहतरीन खेल का प्रदर्शन कर रहे हैं। इसके बावजूद विश्व कप में खेलने का आखिरी निर्णय वे अपनी फिटनेस और तैयारियों के मुताबिक लेंगे। मेसी ने अपनी कप्तानी में अर्जेंटीना को 2022 में विश्व विजेता बनाया था। अर्जेंटीना फ्रांस को हराकर चैंपियन बनी थी। कतर में खेले गए पिछले विश्व कप में मेसी ने बेहतरीन प्रदर्शन किया था। हर नॉकआउट मैच में उनका प्रदर्शन असाधारण रहा था। फाइनल में दबाव वाली स्थिति से निकालकर उन्होंने अपनी टीम को चैंपियन बनाया था। मेसी को टूर्नामेंट के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का गोल्डन बॉल पुरस्कार दिया गया था। अर्जेंटीना निश्चित रूप से चाहेगी कि उसका यह महानतम खिलाड़ी आखिरी बार अपने देश के लिए विश्व कप की जर्सी पहने। मेसी ने अर्जेंटीना के लिए 195 मैचों में 114 गोल किए हैं। सर्वाधिक गोल करने वाले खिलाड़ियों की सूची में वह रोनाल्डो के बाद दूसरे स्थान पर हैं।

लीग्स कप

पैलेस ने लिवरपूल को हराया

क्वार्टर फाइनल में आर्सेनल समेत ये टीमें

लंदन, एजेंसी। क्रिस्टल पैलेस ने लीग्स कप में लिवरपूल को 3-0 से शिकस्त दी। इस हार ने रेड्स को काराबाओ कप से बाहर कर दिया है। यह इस सीजन में लिवरपूल की 7 मैचों में छठी हार थी। साल 1953 के बाद पहली बार ऐसा हुआ, जब रेड्स को लगातार 5 घरेलू मुकाबलों में शिकस्त झेलनी पड़ी। इस टीम को एकमात्र हालिया जीत यूईएफए चैंपियंस लीग में आइंट्राच्ट फ्रैंकफर्ट के खिलाफ मिली थी। 27 सितंबर के बाद से, यूरोप की 5 बड़ी लीगों में लिवरपूल से ज्यादा मैच किसी भी टीम ने नहीं गंवाए हैं। ऐसा 80 दिनों में तीसरी बार है, जब लिवरपूल को क्रिस्टल पैलेस ने मात दी। इससे पहले, अगस्त में एफए कम्युनिटी शील्ड में पेनाल्टी शूटआउट में शिकस्त और सेलहर्स्ट पार्क में 2-1 से प्रीमियर लीग में हार के बाद यह सिलसिला शुरू हुआ था। यह हेड कोच आर्ने स्लॉट के मार्गदर्शन में लिवरपूल की सबसे बड़ी हार थी। अब उनकी कोशिश शनिवार को एस्टन विला के खिलाफ जीत दर्ज करते हुए इस हार के सिलसिले को खत्म करने की होगी। एक अन्य मुकाबले में प्रीमियर लीग में शीर्ष पर चल रहे आर्सेनल ने लगातार 8वीं जीत दर्ज की। इसी के साथ टीम ईएफएल कप में अपने सूखे को खत्म करने के करीब पहुंच गई है। क्वार्टर-फाइनल में आर्सेनल का सामना क्रिस्टल पैलेस से होगा। इस बीच, ईएफएल चैंपियनशिप में मैनचेस्टर सिटी ने स्वानसी के खिलाफ 3-1 से जीत दर्ज करते हुए क्वार्टर-फाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली है। मैनचेस्टर सिटी नौवीं लीग कप ट्रॉफी जीतने का लक्ष्य लेकर चल रही है। सिर्फ लिवरपूल ही इकलौती ऐसी टीम है, जिसने 8 से ज्यादा ट्रॉफियां जीती हैं। 15 दिसंबर से शुरू होने वाले काराबाओ कप के क्वार्टर फाइनल में उनका सामना ब्रेंटफोर्ड से होगा। यह मैच एतिहाद स्टेडियम में खेला जाएगा। चेल्सी ने काराबाओ कप क्वार्टर फाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली। दिसंबर में होने वाले क्वार्टर फाइनल में उसका सामना कार्डिफ सिटी से होगा।

कनाडियन स्क्वैश ओपन

सेमीफाइनल में हारीं अनाहत सिंह

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत की अनाहत सिंह को कनाडियन स्क्वैश ओपन टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में हार का सामना करना पड़ा। टोरंटो में खेले गए मुकाबले में इंग्लैंड की नंबर-1 खिलाड़ी

जीना केनेडी ने उन्हें सीधे गेमों में 11-5, 11-8, 12-10 से हराया। यह मैच केवल 30 मिनट तक चला।

टूर्नामेंट की इनामी राशि 96,250 अमेरिकी डॉलर (लगभग 80 लाख रुपये) है। इंग्लैंड की नंबर-1 खिलाड़ी जीना केनेडी ने अनाहत सिंह को सेमीफाइनल में सीधे गेमों में 11-5, 11-8, 12-10 से हराया। इंग्लैंड की नंबर-1 खिलाड़ी जीना केनेडी ने अनाहत सिंह को सेमीफाइनल में सीधे गेमों में 11-5, 11-8, 12-10 से हराया।

वर्ल्ड नंबर-7 को हरा कर सेमीफाइनल में पहुंची थी

दिल्ली की 17 साल की अनाहत सिंह नेशनल चैंपियन हैं। उनकी वर्ल्ड रैंकिंग 43 है। उन्होंने क्वार्टर फाइनल में वर्ल्ड की नंबर 7 खिलाड़ी और बेल्जियम की दूसरी वरीयता प्राप्त टिने गिलिस को सीधे गेमों में 12-10, 11-9, 11-9 से हराया।

महिला विश्व कप

पहली बार फाइनल में पहुंची दक्षिण अफ्रीका

गुवाहाटी, एजेंसी। दक्षिण अफ्रीका ने महिला विश्व कप 2025 के फाइनल में जगह बना ली है। गुवाहाटी के बारसपारा क्रिकेट स्टेडियम में खेले गए सेमीफाइनल में दक्षिण अफ्रीका ने इंग्लैंड को 125 रन के बड़े अंतर से हराकर फाइनल में जगह बनाई। दक्षिण अफ्रीका पहली बार वनडे विश्व कप के फाइनल में पहुंची है। दक्षिण अफ्रीका से मिले 320 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी इंग्लैंड की शुरुआत बेहद खराब रही। टीम ने अपने शुरुआती 2 विकेट 0 पर और तीसरा विकेट 3 के स्कोर पर गंवा दिया। इसके बाद चौथे विकेट के लिए कप्तान नट सेवियर ब्रंट और एलिस कैप्सी के बीच 105 रन की साझेदारी हुई। इस साझेदारी ने इंग्लैंड की वापसी की उम्मीद जगाई, लेकिन एलिस कैप्सी के 50 के स्कोर पर आउट होने के बाद टीम एक बार फिर बिखर गई। कप्तान नट सेवियर ब्रंट 64 और डेनी व्याट 34 रन बनाकर आउट हुईं। दसवें नंबर पर बल्लेबाजी करने उतरी लिंसे स्मिथ 27 रन बनाकर आउट हुईं। इंग्लैंड 42.3 ओवर में 194 रन पर सिमट गई और 125 रन के बड़े अंतर से मैच हार गई। दक्षिण अफ्रीका के लिए मारिजेन कैप ने 7 ओवर में 20 रन देकर 5 विकेट लिए। अयाबोंगा खाका, एन मल्बा, और सुन लूस ने 1-1 और नाडिन डे क्लार्क ने 2 विकेट लिए।

इंग्लैंड को 125 रन से हराकर

टॉस गंवाकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी दक्षिण अफ्रीका ने कप्तान लौरा वोल्वाईट की बेहतरीन और यादगार शतकीय पारी के दम पर 7 विकेट पर 319 रन बनाए थे। लौरा वोल्वाईट ने वन मैन आर्मी की तरह बल्लेबाजी करते हुए 143 गेंद पर 20 चौकों और 4 छक्कों की मदद से 169 रनों की बड़ी पारी खेली। सेमीफाइनल में खेली गई लौरा वोल्वाईट की इस पारी को लंबे समय तक याद रखा जाएगा। वोल्वाईट जब आउट होकर जा रही थीं, तो इंग्लैंड के खिलाड़ियों ने भी उनकी मैराथन पारी के लिए उन्हें शाबाशी दी थी। इसके अलावा, दक्षिण अफ्रीका के लिए तजमिन ब्रिट्स ने 45, मारिजेन कैप ने 42, और क्लो ट्रायोन ने 33 रन बनाए।

सिर में गेंद लगने से ऑस्ट्रेलियन क्रिकेटर की मौत, खेल जगत में छाया मातम

मेलबर्न, एजेंसी। कभी-कभी एक गेंद खेल को नहीं, ज़िंदगी को बदल देती है। ऑस्ट्रेलिया के मेलबर्न से आई एक ऐसी ही खबर ने पूरे क्रिकेट जगत को गहरे सदमे में डाल दिया है। महज़ 17 साल का युवा खिलाड़ी बेन ऑस्टिन, जो अपने सपनों की उड़ान भरने ही वाला था, अब इस दुनिया में नहीं रहा। नेट सेशन के दौरान सिर और गर्दन पर गेंद लगने से उसकी जान चली गई।

प्रैक्टिस के दौरान हुआ हादसा– घटना मंगलवार दोपहर की है, जब बेन मेलबर्न के फर्नट्री गली स्थित वैली ट्यू रिज़र्व मैदान पर अभ्यास कर रहा था। नेट में एक स्वचालित बॉलिंग मशीन से गेंदबाज़ी हो रही थी। उसी दौरान एक गेंद सीधे उसके सिर और गर्दन के बीच जाकर लगी। बेन हेलमेट पहने हुए था, लेकिन चोट इतनी गंभीर थी कि साथियों ने उसे तुरंत मोनाश मेडिकल सेंटर पहुंचाया। डॉक्टरों ने पूरा प्रयास किया, मगर बुधवार सुबह उसकी मौत

हो गई।

क्रिकेट क्लब ने जताया शोक– फर्नट्री गली क्रिकेट क्लब ने गुरुवार सुबह एक भावनात्मक पोस्ट जारी कर बेन के निधन की पुष्टि की। क्लब ने लिखा- हम अपने प्यारे साथी बेन ऑस्टिन के निधन से गहराई से दुखी हैं। वह न केवल एक उत्कृष्ट खिलाड़ी थे बल्कि मैदान के भीतर और बाहर दोनों जगह एक प्रेरक व्यक्तित्व थे। उनकी मुस्कान और नेतृत्व को हम हमेशा याद रखेंगे।÷ क्लब ने बेन के परिवार - जेस, ट्रेसी, कूपर और जैक – के प्रति संवेदना प्रकट करते हुए कहा कि यह क्षति पूरे क्रिकेट समुदाय को हिला गई है।

एक उभरता सितारा जो अब कभी नहीं चमकेगा– बेन न सिर्फ अपने क्लब का उभरता हुआ खिलाड़ी था, बल्कि उसने मुलग्रेव और एल्डन पार्क क्रिकेट क्लब के लिए भी खेला था। इसके अलावा वह वेवर्ली पार्क हॉक्स की जूनियर फुटबॉल टीम का हिस्सा भी था।

न्यूज डायरी

बलवान सिंह डीआईपीआरओ के पद पर पदोन्नत

सूचना, जनसंपर्क एवं भाषा विभाग में अन्य 12 पदों पर भी हुई पदोन्नति

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा सरकार ने तुरंत प्रभाव से सूचना, जनसंपर्क एवं भाषा विभाग में कार्यरत सहायक सूचना एवं जनसम्पर्क अधिकारी श्री बलवान सिंह को जिला सूचना एवं जनसम्पर्क अधिकारी के पद पर पदोन्नत किया है।

इसके अलावा, विभाग में कार्यरत 6 उप-अधीक्षकों, दो अकाउंटेंट, दो आईसीए और एक सेक्शन इंचार्ज को अधीक्षक व एक उप-अधीक्षक को सर्कुलेशन मैनेजर के पद पर भी पदोन्नत किया है।

अधीक्षक के पद पर पदोन्नत अधिकारियों में श्रीमती सुनीता, श्री कुलदीप राठी, श्री सुनील कुमार, श्रीमती दीपिका शर्मा, श्री जीत राम, श्री रविन्द्र सिंह, सुश्री ज्ञानदीप, श्री दिनेश कुमार, श्री मक्खन सिंह, श्री प्रदीप कुमार और श्री हितेश शामिल हैं। साथ ही श्री रघुनंदन प्रसाद को सर्कुलेशन मैनेजर के पद पर पदोन्नत किया गया है।

स्वास्थ्य संस्थानों का निर्माण गुणवत्ता पूर्ण जल्द पूरा करें: आरती सिंह राव

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा की स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रदेश में सरकारी स्वास्थ्य संस्थानों से संबंधित जितने भी निर्माण कार्य चल रहे हैं, उन सभी में गुणवत्तापूर्ण निर्माण सामग्री लगाई जाए तथा निर्धारित अवधि में कार्य पूरा होना चाहिए।

उन्होंने वर्तमान नोडल अधिकारियों को हटा कर उनके स्थान पर सभी सिविल सर्जन को देख रेख करने का जिम्मा सौंपने के निर्देश देते हुए कहा कि सभी अधिकारी अपने -अपने क्षेत्र में चल रहे निर्माणाधीन कार्यों के प्रति अपडेट रहें, इसमें कोताही बर्दाश्त नहीं की जा जाएगी।

स्वास्थ्य मंत्री ने पिछले दिनों कुछ जिलों में स्वास्थ्य विभाग के अंतर्गत निर्माणाधीन भवनों का औचक निरीक्षण किया था, इस दौरान जब उन्होंने नोडल अधिकारियों से निर्माण कार्यों के बारे में पूछताछ की तो वे कोई संतोषजनक जवाब नहीं दे पाए। वे अपनी जिम्मेवारी के प्रति अपडेटिड नहीं थे। स्वास्थ्य मंत्री ने इस मामले में लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों को सख्त हिदायतें दी, साथ ही उन्होंने अब सभी सिविल सर्जन को निर्माण कार्यों का भी नोडल अधिकारी नियुक्त करने के निर्देश दिए और कहा कि सभी अधिकारी निर्माणाधीन कार्यों के प्रति अपडेट रहें।

आरती सिंह राव ने कहा कि स्वास्थ्य संस्थान ऐसी जगह है जहां डॉक्टर मरीजों की जांच करके उनके इलाज करता है, इसलिए इनके निर्माण में काम आने वाले सामान की गुणवत्ता पर किसी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा। उन्होंने अधिकारियों को सभी संस्थानों का निर्माण निर्धारित अवधि में पूरा करने के निर्देश दिए।

नगर निगम में सी बी ओझा ने कार्यभार संभाला कार्यों की गति बढ़ाने के दिए निर्देश

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। चंडीगढ़ नगर निगम में सी बी ओझा ने कार्यभार संभाल लिया है। उन्होंने कार्यकारी अभियंता कार्य प्रतिष्ठान योगेश अग्रवाल को शहर में हो रहे कार्यों की जानकारी देने के लिए बुलाया है। ओझा ने आदेश दिया है कि किसी भी कार्य की ऑनलाइन फाइल भेजी जाए किसी भी अधिकारी कर्मचारी के पास एक दिन से अधिक नहीं रहनी चाहिए और इसमें किसी तरह कोताही नहीं बरती जाएगी चाहिए जल्द ही निचले स्तर के अधिकारियों से मुलाकात करके कार्यों की गति बढ़ाने के निर्देश दिए जाएंगे।

राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में मनाई जाएगी सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। भारत के लौह पुरूष व राष्ट्रीय एकता के मुख्य वास्तुकार सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती को प्रदेश में 31 अक्तूबर, 2025 को राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में मनाया जाएगा। इस उपलक्ष्य में जिलों में विभिन्न कार्यक्रमों व शपथ ग्रहण सामारोह का आयोजन किया जाएगा। मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी जिला फतेहाबाद में आयोजित रन फॉर यूनिटी में बतौर मुख्य अतिथि शिकरत करेंगे। इसके साथ ही, प्रदेश के सभी जिलों में मंत्रीगण, सांसद, विधायक कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि शिरकत करेंगे। एक सरकारी प्रवक्ता ने जानकारी देते हुए बताया

कि जिला करनाल में केंद्रीय मंत्री श्री मनोहर लाल व हरियाणा विधानसभा के अध्यक्ष श्री हरविंद्र कल्याण, जिला गुरुग्राम में केंद्रीय राज्य मंत्री श्री राव इंद्रजीत तथा जिला जींद में हरियाणा विधानसभा उपाध्यक्ष डॉ. कृष्णलाल मिड्ढा कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि शिरकत करेंगे। इसी प्रकार जिला अंबाला में ऊर्जा मंत्री श्री अनिल विज, जिला झज्जर में सहकारिता मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा, जिला यमुनानगर में कृषि एवं कल्याण मंत्री श्री श्याम सिंह राणा, जिला हिसार में जनस्वास्थ्य एवं अभियांत्रिकी मंत्री श्री रणबीर गंगवा, जिला भिवानी में महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती श्रुति चौधरी तथा जिला पंचकूला में स्वास्थ्य मंत्री कुमारी आरती राव कार्यक्रम में विशेष अतिथि के रूप में शिरकत करेंगे। इसी तरह जिला चरखी दादरी में सांसद श्री धर्मबीर सिंह, जिला कैथल में सांसद श्री कार्तिकेय शर्मा, जिला कुरुक्षेत्र में सांसद श्री नवीन जिंदल, जिला फरीदाबाद में विधायक श्री मूलचंद शर्मा, जिला महेंद्रगढ़ में विधायक श्री कंवर सिंह, जिला नूंह में विधायक श्री ओमप्रकाश यादव, जिला पलवल में विधायक श्री हरिंद्र सिंह, जिला पानीपत में विधायक श्री प्रमोद कुमार विज, जिला रेवाड़ी में विधायक श्री लक्ष्मण सिंह यादव, जिला रोहतक में विधायक श्री कृष्णा गहलावत, जिला सिरसा में विधायक श्री निखिल मदान तथा जिला सोनीपत विधायक श्री पवन खरखौदा कार्यक्रम में मुख्य अतिथि रूप में शिरकत करेंगे।

हरियाणा राज्य स्तरीय ऊर्जा संरक्षण पुरस्कार समारोह में उत्कृष्ट संस्थानों को किया गया सम्मानित

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा के नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा विभाग (हरेडा) द्वारा ग्लोबल ग्रीन ग्रोथ इंस्टीट्यूट (जीजीजीआई) के सहयोग से होटल हयात, चंडीगढ़ में आज "राज्य स्तरीय ऊर्जा संरक्षण पुरस्कार वितरण समारोह" एवं एशिया लो कार्बन बिल्डिंग ट्रांजिशन (एएलसीबीटी) परियोजना के अंतर्गत भवन रजिस्ट्री पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस अवसर पर उद्योग इकाइयों, सरकारी भवनों, वाणिज्यिक प्रतिष्ठानों एवं शैक्षणिक संस्थानों को ऊर्जा संरक्षण के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान हेतु प्रमाणपत्र और नकद पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया।

- ऊर्जा संरक्षण प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है, केवल औद्योगिक आवश्यकता नहीं -प्रधान सचिव श्यामल मिश्रा
- हरियाणा 2030 तक अपनी 50 प्रतिशत ऊर्जा आवश्यकताओं को स्वच्छ स्रोतों से करेगा पूरा

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि ऊर्जा विभाग के प्रधान सचिव श्री श्यामल मिश्रा ने ऊर्जा दक्षता और नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में किए जा रहे प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि ऊर्जा संरक्षण केवल औद्योगिक आवश्यकता नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक का दायित्व है।

उन्होंने कहा कि हरियाणा सरकार का लक्ष्य राज्य को ऊर्जा दक्षता और स्वच्छ ऊर्जा के क्षेत्र में अग्रणी बनाना है। राज्य सरकार निरंतर ऊर्जा के कुशल उपयोग, हरित तकनीकों के प्रचार और नवीकरणीय स्रोतों के प्रोत्साहन की दिशा में कार्य कर रही है।

उन्होंने कहा कि ऊर्जा दक्षता को केवल नीतियों तक सीमित न रखकर इसे जन आंदोलन के रूप में विकसित करने की आवश्यकता है, जिससे हर नागरिक इसमें सहभागी बन सके। उन्होंने कहा कि ऊर्जा संरक्षण आज की नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के भविष्य की भी आवश्यकता है।

प्रधान सचिव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में भारत ने वर्ष 2070 तक 'नेट-ज़ीरो कार्बन उत्सर्जन' का लक्ष्य निर्धारित किया है और वर्ष 2030 तक 500 गीगावॉट गैर-जीवाश्म ऊर्जा उत्पादन का संकल्प लिया गया है। यह भारत की वैश्विक जलवायु नेतृत्व क्षमता और पर्यावरणीय प्रतिबद्धता का प्रतीक है।

उन्होंने बताया कि हरियाणा राज्य की कुल स्थापित विद्युत क्षमता लगभग 16,227 मेगावॉट है, जिसमें से 38.61 प्रतिशत (6,265 मेगावॉट) ऊर्जा गैर-जीवाश्म स्रोतों से प्राप्त की जा रही है। हरियाणा सरकार ने वर्ष 2030 तक अपनी 50 प्रतिशत ऊर्जा आवश्यकताओं को स्वच्छ स्रोतों से पूरा करने का लक्ष्य तय किया है और इसके लिए आवश्यक संस्थागत एवं नीतिगत ढांचा तैयार कर लिया गया है।

उन्होंने कहा कि हरियाणा पावर यूटिलिटीज ने वित्त वर्ष 2024-25 के लिए अपने नवीकरणीय ऊर्जा क्रय दायित्व (आरपीओ) के लक्ष्य सफलतापूर्वक प्राप्त कर लिए हैं और वर्ष 2029-30 के 43.33 प्रतिशत आरपीओ लक्ष्य की दिशा में भी आवश्यक योजनाएं लागू की जा चुकी हैं।

हरेडा और जीजीजीआई के बीच एएलसीबीटी परियोजना को लेकर सहयोग

इस दौरान हरेडा के निदेशक डॉ. आदित्य दहिया ने विभाग की उपलब्धियों और आगामी योजनाओं की जानकारी देते हुए बताया कि हरेडा, ऊर्जा दक्षता को राज्य की जीवनशैली और विकास का हिस्सा बनाने के लिए निरंतर नीतियां लागू कर रहा है। उन्होंने बताया कि हरेडा ने जीजीजीआई के साथ एशिया लो कार्बन बिल्डिंग ट्रांजिशन (एएलसीबीटी) परियोजना के क्रियान्वयन हेतु समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं।

यह परियोजना एशिया के पाँच देशों - कंबोडिया, भारत, इंडोनेशिया, थाईलैंड और वियतनाम - में लागू है, जिनमें भारत के तीन राज्य हरियाणा, केरल और उत्तर प्रदेश शामिल हैं।

ज्यादा से ज्यादा फसलों में सीधी बुआई की सम्भावनाओं को तलाशें : कृषि मंत्री

बजट-घोषणाओं तथा सरकार के संकल्प -पत्र के वायदों की समीक्षा-बैठक की अध्यक्षता की

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्री श्याम सिंह राणा ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे प्रदेश में ज्यादा से ज्यादा फसलों में सीधी बुआई की सम्भावनाओं को तलाशें ताकि सिंचाई के लिए पानी और जुताई पर आने वाले खर्च को बचाया जा सके, इससे किसान की फसल को तैयार करने के लिए आने वाली लागत में भी कमी आएगी।

श्री राणा आज यहां अपने कार्यालय में कृषि, बागवानी, हरियाणा राज्य भंडारण निगम लिमिटेड तथा हरियाणा राज्य कृषि विपणन बोर्ड से संबंधित बजट -घोषणाओं तथा सरकार के संकल्प -पत्र के वायदों की समीक्षा-बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे।

कृषि मंत्री ने 'मेरा पानी मेरी विरासत' योजना की समीक्षा करते हुए कहा कि पानी की उपलब्धता सीमित है, इसलिए किसानों को कम पानी से तैयार होने वाली फसलों की तरफ प्रोत्साहित करना चाहिए। उन्होंने पंचकूला जिला के पहाड़ी क्षेत्र मोरनी के किसानों के लिए विशेष कार्य योजना बनाने के निर्देश दिए ताकि छोटे -छोटे ढलान वाले खेतों में किसान अपनी अच्छी फसल ले सकें। उन्होंने यह भी कहा कि हरियाणा में कहीं बालू रेत के टिब्बे हैं, कहीं पहाड़ी क्षेत्र तो कहीं समतल जमीन है। किसी खास क्षेत्र को देखते हुए उस क्षेत्र के किसानों के लिए भी योजना में तबदीली करने की संभावनाओं पर विचार करें, बशर्ते किसान को अधिक से अधिक लाभ होना चाहिए।

आईआईटी रोपड़ और आईसीएमआर-एनआईआरडीएचएस ने डिजिटल स्वास्थ्य और बायोमेडिकल डेटा विज्ञान में अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए

रोपड़ / चंडीगढ़ : भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान रोपड़ (आईआईटी रोपड़) और ICMR–राष्ट्रीय डिजिटल स्वास्थ्य और डेटा विज्ञान अनुसंधान संस्थान (आईसीएमआर-एनआईआरडीएचएस) ने डिजिटल स्वास्थ्य, बायोमेडिकल डेटा एनालिटिक्स और स्वास्थ्य देखभाल के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता के क्षेत्रों में सहयोग को बढ़ावा देने के लिए एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं।

यह एमओयू प्रो. राजीव आहूजा, निदेशक, आईआईटी रोपड़ और डॉ. मोना दुग्गल, निदेशक, आईसीएमआर-एनआईआरडीएचएस द्वारा औपचारिक रूप से हस्ताक्षरित किया गया। यह रणनीतिक साझेदारी दो प्रमुख संस्थानों के बीच दीर्घकालिक सहयोग की शुरुआत को दर्शाती है, जो बहु-विषयक अनुसंधान, अकादमिक आदान-प्रदान और ट्रांसलेशनल नवाचार को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

इस एमओयू के तहत, आईआईटी रोपड़ और आईसीएमआर-एनआईआरडीएचएस संयुक्त रूप से डिजिटल स्वास्थ्य और डेटा विज्ञान के क्षेत्र में पीएचडी तथा मास्टर कार्यक्रमों का विकास और कार्यान्वयन करेंगे। दोनों संस्थान स्वास्थ्य तकनीक के उभरते क्षेत्रों में सहयोगी अनुसंधान परियोजनाएं संचालित करेंगे और राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय फंडिंग एजेंसियों को संयुक्त अनुसंधान प्रस्ताव प्रस्तुत करेंगे। इसके अतिरिक्त, वे कार्यशालाओं, प्रशिक्षण कार्यक्रमों और तकनीकी विकास पहलों के माध्यम से ज्ञान-साझाकरण और क्षमता निर्माण को भी प्रोत्साहित करेंगे। यह सहयोग डेटा-आधारित और तकनीक-सक्षम समाधानों के माध्यम से प्रमुख सार्वजनिक स्वास्थ्य चुनौतियों को संबोधित करने का लक्ष्य रखता है, साथ ही स्वास्थ्य क्षेत्र में शोधकर्ताओं और नवप्रवर्तकों की नई पीढ़ी को तैयार करने का प्रयास करता है।

एम.सी.एम. ने शैक्षणिक भ्रमण के माध्यम से अनुभवात्मक अधिगम को प्रोत्साहित किया

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। मेहर चंद महाजन डीएवी महिला महाविद्यालय के वाणिज्य स्नातकोत्तर विभाग और इतिहास विभाग ने विद्यार्थियों के व्यावहारिक ज्ञान और शैक्षणिक समृद्धि को बढ़ाने के उद्देश्य से शैक्षणिक भ्रमणों का आयोजन किया।

वाणिज्य स्नातकोत्तर विभाग ने एम.कॉम. विद्यार्थियों के लिए मोहाली फेज-6 स्थित वेरका मिल्क प्लांट का औद्योगिक भ्रमण आयोजित किया। इस भ्रमण का उद्देश्य दुग्ध उद्योग में उत्पादन प्रक्रिया, गुणवत्ता नियंत्रण, पैकेजिंग और विपणन रणनीतियों की प्रत्यक्ष जानकारी प्रदान करना था। विद्यार्थियों ने संयंत्र अधिकारियों से बातचीत की, जिन्होंने वेरका के उत्पादन और वितरण तंत्र की विस्तार से जानकारी दी। इस अनुभव ने विद्यार्थियों को पंजाब के प्रमुख डेयरी ब्रांडों में से एक वेरका के संचालन और राज्य की अर्थव्यवस्था में उसके योगदान के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की। इतिहास विभाग ने पंजाब की समृद्ध स्थापत्य और आध्यात्मिक विरासत का अध्ययन करने के उद्देश्य से सिरहिंद-फतेहगढ़ साहिब का एक दिवसीय शैक्षणिक भ्रमण आयोजित किया। विद्यार्थियों ने आम खास बाग, जहाज़ हवेली और गुरुद्वारा फतेहगढ़ साहिब जैसे प्रमुख स्थलों का भ्रमण किया और मुगल तथा सिख स्थापत्य के विकास के साथ-साथ क्षेत्र के सामाजिक, राजनीतिक और धार्मिक इतिहास की गहन समझ प्राप्त की। यह मार्गदर्शित भ्रमण टाइम्स ऑफ योर से श्री हरनूरदीप वत्स और सुश्री हिमानी चोपड़ा के नेतृत्व में हुआ, जिन्होंने विद्यार्थियों को व्याख्यात्मक चर्चाओं और क्षेत्राधारित अधिगम के माध्यम से जोड़ा। कार्यवाहक प्राचार्या श्रीमती नीना शर्मा ने दोनों विभागों की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार की पहलें विद्यार्थियों को सैद्धांतिक ज्ञान और व्यावहारिक अनुभव के बीच सेतु प्रदान करती हैं।

हरियाणा में खरीफ खरीद सीजन में अब तक 12327.24 करोड़ रुपये की अदायगी किसानों के बैंक खातों में सीधे स्थानांतरित

हरियाणा की मंडियों से अब तक 57.78 लाख मीट्रिक टन धान की खरीद हुई

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा में खरीफ खरीद सीजन 2025 - 26 के दौरान किसानों के खातों में अब तक 12327.24 करोड़ रुपये की अदायगी उनके बैंक खातों में सीधे स्थानांतरित की जा चुकी है। इस तरह सरकार ने किसानों को न्यूनतम समर्थन मूल्य का भुगतान सुनिश्चित किया है।

हरियाणा के खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले विभाग के एक प्रवक्ता ने बताया कि प्रदेश सरकार द्वारा किसानों के हितों को देखते हुए जिला की सभी अनाज मंडियों में धान की खरीद का कार्य सुचारू रूप से जारी है।

उन्होंने कहा कि जिले में हैफेड, वेयर हाउस और फूड एंड सप्लाई एजेंसियों द्वारा धान की खरीद की जा रही है। संबंधित विभागों को निर्देश दिए गए हैं कि धान की फसल बेचने में किसानों को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

'मेरी फसल मेरा ब्यौरा' पोर्टल पर पंजीकृत किसानों से धान की खरीद की जा रही है। राज्य में अब तक 'मेरी फसल मेरा ब्यौरा' पोर्टल' पर पंजीकृत 2.87 किसानों से धान की खरीद की गई है।

उन्होंने बताया कि विभिन्न जिलों की मंडियों से अब तक 53.24 लाख मीट्रिक टन धान का उठान हो चुका है। अब तक मंडियों से 57.78 लाख मीट्रिक टन धान की खरीद की जा चुकी है।

उल्लेखनीय है कि राज्य में धान की खरीद भारत सरकार द्वारा धान की खरीद न्यूनतम समर्थन में करती हुए फसल का भुगतान किसानों के बैंक खातों में सीधे तौर पर स्थानांतरित किया जाता है।

सरकार द्वारा किसान भाइयों से बार - बार अपील की जा रही है कि वे अपनी फसल की मंडी में अच्छी तरह सुखाकर भारत सरकार द्वारा निर्धारित मापदंडों (जैसे कि नमी 17 प्रतिशत) की सीमा अनुसार लेकर आएं।

राज्य की खरीद संस्थाओं द्वारा धान की खरीद के लिए पुख्ता प्रबंध किये हुए हैं और धान के उठान कार्य में भी तेज़ी लाई जा रही है। उल्लेखनीय है कि राज्य की खरीद संस्थाओं द्वारा खरीद किये गए धान के भारत सरकार द्वारा निर्धारित न्यूनतम समर्थन मूल्य की अदायगी किसानों के बैंक खातों में सीधे तौर पर स्थानांतरित की जाती है। भारत सरकार द्वारा धान के लिए निर्धारित न्यूनतम समर्थन मूल्य 2389 रुपये प्रति क्विंटल में कोई कटौती नहीं की गई है। विभाग के प्रवक्ता ने बताया कि मंडियों में बिजली, स्वच्छ पानी, शौचालयों आदि सुविधाओं को दुरूस्त रखने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने किसानों से अपील की है कि किसान मंडी में अपनी धान की फसल सुखाकर ही लाएं।

डिजिटल पुलिसिंग में हरियाणा का रुतबा बरकरार

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा ने डिजिटल गवर्नेंस और नागरिक-केंद्रित पुलिसिंग में उत्कृष्टता के नये मानक स्थापित करते हुए जून 2021 से लेकर अब तक के 51 महीनों में से 37 महीनों तक राष्ट्रीय रैंकिंग में शीर्ष स्थान बनाए रखा है। अगस्त 2025 में राज्य ने सौ फीसदी अंक हासिल करते हुए कुशल सेवा वितरण और तकनीक-आधारित न्याय सुधारों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को दोहराया है।

मुख्य सचिव श्री अनुराग रस्तोगी की अध्यक्षता में आज अपराध और अपराधी ट्रैकिंग नेटवर्क एवं प्रणाली (सीसीटीएनएस) तथा इंटर ऑपरेबल क्रिमिनल जस्टिस सिस्टम (आईसीजेएस) की 31वीं स्टेट एपेक्स कमेटी की बैठक हुई। बैठक में राज्य की तकनीकी अवसंरचना की समीक्षा के साथ-साथ भावी नवाचारों की रूपरेखा पर भी विचार-विमर्श किया गया।

श्री रस्तोगी ने विभाग के कार्य की सराहना करते हुए कहा कि हरियाणा की डिजिटल पुलिसिंग व्यवस्था ने शासन में पारदर्शिता, जवाबदेही और दक्षता के नए मानक स्थापित किए हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश का डिजिटल पुलिसिंग मॉडल एक नई सोच का प्रतीक है, जो प्रतिक्रियात्मक प्रवर्तन से आगे बढ़कर डेटा-आधारित और नागरिक-केंद्रित शासन की दिशा में अग्रसर है।

गृह विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव डॉ. सुमिता मिश्रा ने बताया कि हरियाणा पुलिस ने नागरिक सेवाओं में अतुलनीय निरंतरता कायम रखते हुए हर समय पोर्टल पर प्रदान की जाने वाली सेवाओं के लिए राइट टू सर्विस डैशबोर्ड पर 10 में से 10 अंक प्राप्त किए हैं। 28 अक्तूबर, 2025 तक विभाग ने सरल पोर्टल के माध्यम से 75.97 लाख नागरिक आवेदनों का समयबद्ध निस्तारण किया है, जो राज्य के सभी विभागों में सर्वाधिक है।

डॉ. मिश्रा ने कई अभिनव तकनीकी पहलों का जिक्र किया, जिनमें होटल विजिटर डेटा सर्च, आईआईएफ-3 (गिरफ्तारी/आत्मसमर्पण फार्म) में क्रिमिनल सर्च हिस्ट्री और लापता व्यक्तियों का हर समय पोर्टल पर ऑनलाइन पंजीकरण शामिल है। नागरिक अब घर बैठे केवल दो मिनट में लापता व्यक्ति की रिपोर्ट दर्ज करा सकते हैं। इससे न केवल त्वरित पुलिस कार्रवाई सुनिश्चित होती है बल्कि परिवार की चिंता भी कम होती है।

- प्रदेश ने कायम रखी टॉप नेशनल रैंकिंग
- अपराध ट्रैकिंग सिस्टम में हरियाणा बना मिसाल

हरियाणा ने एआई सक्षम एक स्मार्ट मॉनिटरिंग सिस्टम भी शुरू किया है, जो किसी भी होटल में आपराधिक पृष्ठभूमि वाले व्यक्ति के ठहरने पर सम्बन्धित थाने के एसएचओ को रियल-टाइम अलर्ट भेजता है। जुलाई से प्रदेशभर में लागू यह प्रणाली आगंतुक के नाम, आधार नंबर और मोबाइल नंबर का पुलिस रिकॉर्ड से स्वतः मिलान करती है। देश की पहली ऐसी तकनीक-आधारित पूर्व चेतावनी प्रणाली से संभावित अपराधों को समय रहते रोकने में मदद मिली है।

सीसीटीएनएस और ई-प्रॉसिक्यूशन संस्करण-2 के एकीकरण से अब मसौदा आरोप-पत्रों का कानूनी परीक्षण के लिए इलेक्ट्रॉनिक हस्तांतरण संभव हो गया है, जिससे मैनुअल देरी और त्रुटियों की संभावना समाप्त हो गई है। अब हरियाणा में सभी आरोप-पत्र न्यायालयों को इलेक्ट्रॉनिक रूप में भेजे जाते हैं और शत-प्रतिशत डिजिटल फाइलिंग हासिल की जा चुकी है। करनाल में सफल पायलट प्रोजेक्ट से इसकी विश्वसनीयता सिद्ध हो चुकी है।

बैठक में 33.69 करोड़ रुपये की राज्य कार्य योजना के अंतर्गत गृह मंत्रालय द्वारा अनुमोदित परियोजना आईसीजेएस 2.0 के लिए 92.32 लाख रुपये जारी करने को मंजूरी दी गई। इस राशि से 411 फिंगरप्रिंट एनरोलमेंट डिवाइस, 2,489 सिंगल-डिजिट स्कैनर और 1,688 वीडियो कॉन्फ्रेंस/वेब कैमरे खरीदे जाएंगे। इससे अपराध न्याय प्रणाली के प्रत्येक चरण का आधुनिकीकरण होगा। इसके अतिरिक्त, राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) ने भी गृह मंत्रालय द्वारा 3.25 करोड़ की अतिरिक्त राशि को भी मंजूरी देने की पुष्टि की है।

मुख्य सचिव ने सभी विभागों को इन परियोजनाओं के समयबद्ध और प्रभावी क्रियान्वयन के निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि हरियाणा के 391

सी.सी.ई.टी डिप्लोमा विंग की लड़कियों ने बास्केटबॉल में मारी बाजी

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। गवर्नमेंट बहुतकनकी कालेज में पंजाब तकनीकी संस्थानों की खेल प्रतियोगिताओं में बास्केटबॉल (लड़कियों) के आज हुए फाइनल मुकाबले में सी.सी.ई.टी चंडीगढ़ की लड़कियों ने 8-4 से पछाड़ कर स्वर्ण पदक जीता।

सी.सी.ई.टी चंडीगढ़ की बास्केटबॉल टीम ने कप्तान रिशिता की अगुवाई में बेहतर प्रदर्शन किया। समीक्षा ने 4 अंक प्राप्त किए व रिशिता तथा आस्था ने 2-2 अंक प्राप्त किए।

माई भागो बहुतकनीकी कालेज की टीम केवल 4 अंक ही प्राप्त कर पाई।

गत वर्ष की विजेता टीम को हराकर आज सी.सी.ई.टी की लड़कियों ने संस्थान का नाम रौशन किया।

कोच अमनदीप कौर ने सभी लड़कियों का हौसला बढ़ाया और भविष्य में भी इस तरह संस्थान का नाम रौशन करने के लिए प्रेरित किया।।